हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

10 मार्च, 1981

खण्ड 1, अंक 2

अधिकृत विवरण

विशय सूची

मंगलवार, 10 मार्च, 1981

पृश्ठ संख्या

तारांकित प्र न एवं उतर	(2)1
तारांकित प्र न संख्या 1972 पर आधे घंटे की चर्चा की मांग	(2)24
नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नों के लिखित उतर	(2)25
अतारांकित प्र न एवं उतर	(2)27
श्री रण सिंह मान, एम0एल0ए0 की रिहाई संबंधी	(2)36
वाक आउट	(2)38
ध्यानाकर्शण सूचना– बिजली की कमी तथा चोरी के परिणामस्वरूप जनता को असुविधा होने तथा इसका अर्थ व्यवस्था पर प्रभाव पड़ने संबंधी	(2)40
सदन की मेज पर रखे गये कागज–पत्र	(2)43
बिल्ज (इन्ट्रीड्यूसड–सदन की अनुमति से)	

(i) दि हरियाणा लैजिस्लेटिव असैम्बली (फैसिलिटीज टू मैम्बर्ज) अमैंडमैंट बिल, 1981 (ii) दि हरियाणा स्टेट लैजिस्लेचर (प्रिवैन्शन आफ डिस्कवालिफिकेशन) अमैंडमैंट बिल, 1981 (iii) दि हरियाणा एसैनियल सर्विसिज मैंटिनैंस (अमैंडमैंट) बिल, 1981	(2)44 (2)44 (2)46
वर्श 1975–76 तथा 1976–77 के एक्सैस डिमांड्ज ओवर ग्रांटस एंड एंड एप्रोप्रिएशंज प्रस्तुत करना	(2)49
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा	(2)49

हरियाणा विधान सभा

मंगलवार, 10 मार्च, 1981

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चन्डीगढ़ में प्रातः 9:30 बजे हुई। अध्यक्ष (कर्नल राव राम सिंह) ने अध्यक्षता की।

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहेबान, अब सवाल होंगे।

तारांकित प्र न एवं उत्तर

Veterinary and Stockmen Centres

***1937. Shri Gulzar Singh:** Will the Minister for Jails and Dairy Development be pleased to state the number of Veterinary Health Centres and Stockmen Centres opened in Rajound constituency during the year 1980-81?

जेल तथा डेरी विकास मंत्री (चौधरी ि ाव राम वर्मा): वर्श 1980–81 में राजौंद गांव क्षेत्र में कोई प ाु औशधालय/प ाुधन केंद्र नहीं खोला गया है।

श्री गुलजार सिंहः क्या मिनिस्टर साहब यह बताने का कश्ट करेंगे कि राजौंद हल्के में बीस से ज्यादा गांव ऐसे है

जिनकी आबादी 15,000 से भी ऊपर की है, वहां पर न कोई प ा हस्पताल है और न ही कोई प ाधन केंद्र है जबकि नीलोखेड़ी में हरेक छोटे–छोटे गांवों में स्टाकमैन सैंटर्ज खोले हुए, इसका क्या कारण है? (ोम– ोम की आवाजें)

चौधरी ि ाव राम वर्मा: अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने यह बिल्कुल गलत कहा कि नीलोखेड़ी में हरेक गांव में इस तरह के स्टाकमैन सैंटर्ज खोले हुए है। हमारे पास यह इनफर्मे ान कांस्टीच्युएंसी–वाईज तो रिकार्ड नहीं होती, तहसील–वाईज होती हैं फिर भी हमने इस बात की कोि ा ा की है कि यह इन्फर्मे ान इक्ट्ठी की जाये कि कांस्टीच्सुएंसी वाईज कितने खोले गये है। किसी जगह न खुलने के कई कारण हो सकते है। हो सकता है कि वहां से कोई से कोई..... ही न आयी हो, या जरूरत न समझी गयी हो, या सरकार के पास धन अवेलेबल न हो या फैक्टर्ज अवेलेबल न हों। इस तरह से कई कारण हो सकते है, इन्हीं कारणों से इनकी कांस्टीयुएंसी के गांव रह गये होंगे।

श्री अध्यक्ष: एक बात की तो मैं मिनिस्टर साहब से रिक्वैस्ट करूंगा कि मांग आने से कोई जरूरत नहीं होनी चाहिये।

मुख्य मंत्री(चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, रजौंद हल्कें में 13 हस्पताल आलरेडी है लेकिन वहां की जरूरत के मुताबिक 14 चाहिये। एक अगले साल में खोल दिया जायेगा।

श्री अध्यक्षः श्री गुलजार सिंह जी, आपके यहां 13 तो आलरेडी खुले हुए है।

श्री गुलजार सिहंः सर, 15,000 से ऊपर आबादी के गांव है, जिनमें अभी जरूरत है।

श्री अध्यक्षः 13 तो आलरेडी है और मुख्य मंत्री जी ने यह आ वासन दिया है कि एक और खोल दिया जायेगा।

श्री बीरेंद्र सिंहः मैं मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि नीलोखेड़ी कांस्टीच्युएंसी में पिछले दो सालों में कितने स्टाकमैन सैंटर्ज खोले गए है?

Mr. Speaker: Chaudhri Sahib, this question is about Rajound consitituency and not about Nilokheri. (Interruptions).

चौधरी ि ाव राम वर्माः अध्यक्ष महोदय, इस प्र न का मेन प्र न से कोई संबंध नहीं है।

श्री अध्यक्षः वैसे मैं यह सोच रहा था कि कोई फिर यह पूछेगा कि आपने अपने हल्के नारनौंद में कितने बनवाये थे। (हंसी)

श्री बीरेंद्र सिंहः जी जरूर पूछिये। (व्यवधान व भाोर)

चौधरी उदय सिंह दलालः स्पीकर साहब, मेरे हल्कें में सौलदा गांव में दो साल से चौपाड़ में नींव पत्थर पड़ा हुआ है।

जब चीफ मिनिस्टर भजन लाल जी के पास यह डिपार्टमैंट होता था, उस वक्त का यह रखा हुआ है। वह गांव फ्लड इफैक्टिड एरिया में आता है। मैंने इस बारे में मुख्य मंत्री, मंत्री व डायरैक्टर साहब को भी चिट्ठियां लिखी है लेकिन अब तक वहां पर कोई कार्यवाही नहीं हुई है। क्या सरकार वहां पर जल्दी ही हस्पताल बनाने का कश्ट करेंगी?

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, अगर कहीं पर भी ऐसा पत्थर पड़ा हुआ है तो हम वहां पर जरूर हस्पताल बनवायेंगे।.....(व्यवधान व भाोर)

चौधरी ि ाव राम वर्माः स्पीकर साहब, वैसे चौधरी उदय सिंह दलाल साहब के प्र न का इस मेन सवाल से संबंध नहीं है लेकिन फिर भी मुख्य मंत्री महोदय ने जवाब दे दिया है।

श्री सुरेंद्र सिंहः स्पीकर साहब, जो इलाके अकाल पीड़ित है, जहां पर गरीब लोग रहते है.....

Mr. Speaker: Chaudhri Sahib, the question is about Rajound.

Shri Surender Singh: But, Sir my question is about the same department and it is a very relevant question. I think you would also appreciate it. ऐसे गांव जिनकी आबादी 15–20 हजार तक की है लेकिन वे इतने गरीब है कि अपनी बिल्डिंग बनाकर नहीं दे सकते, क्या सरकार वहां पर भी अपनी

तरफ से बिल्डिंग बनाकर कोई हस्पताल/स्टाकमैन सैंटर खोलने का कश्ट करेगी?

चौधरी ि ाव राम वर्मा: अध्यक्ष महोदय, बिल्डिंग बनाने के लिये सरकार के पास धन नहीं हैं। लेकिन जहां पर कोई गांव हमें बिल्डिंग और दूसरी अकोमोडे ान दे देता है, हम वहां पर हस्पताल या स्टाकमैंन वगैरह कुछ न कुछ खोल देते है, ब ार्ते कि वहां पर जरूरत हो और वहां की मांग हो। (व्यवधान व भाोर)

चौधरी राजेंद्र सिंह: अध्यक्ष महोदय, मैं सरकार से यह पूछना चाहता हूं कि जैसे हमारे यहां कानफैड वालों की एक स्कीम चलायी गयी हैं कि 2,000 की आबादी वाले गांवों में वे अपने सैंटर/डिपो खोल देंगे। क्या उसी तरह फ्लड इफैक्टिड एरियाज में जहां पर लोग बहुत गरीब है, कोई हस्पताल या स्टाकमैन सैंटर खोलने का सरकार का विचार है?

Mr. Speaker: Chaudhri Rajinder Singh Ji, this has got nothing to do with the main question.

चौधरी राजेंद्र सिंह: मैं सरकार से यह जानना चाहता हूं कि जो गांव हरियाणा में 2,000 की आबादी या इससे ज्यादा के है, क्या वहां पर स्टाकमैंन सैंटर खोलने की सरकार की अपनी तरफ से कोई प्रोपोजल है?

चौधरी ि ाव राम वर्मा: हमारी सरकार के मन में तो ऐसी बात है। पहले तो ऐसा नहीं था जब चौधरी बीरेंद्र सिंह जी

की सरकार थी। इन्होंने तो 20 से 21 हस्पताल नहीं बनायें थे लेकिन हमारी सरकार ने पिछले साल 20 की बजायें 100 डिस्पैंसरियां और 100 स्टाकमैन सैंटज खोले है। इस साल 20 की बजायें 50 डिस्पैंसरिया खोली है। पिछले साल बीस हस्पताल अपग्रेड किये थे और इस साल 50 अपग्रेड कर रहे है। हम कोि ा ा कर रहे है लेकिन हरेक गांव में तो भाायद अभी सम्भव नहीं होगा क्योंकि यह धन की और डाक्टरों की उपलब्धि पर निर्भर करता है। फिर भी हम ज्यादा से ज्यादा और नजदीक से नजदीक स्थान पर प ाुओं के इलाज की सुविधायें देने का प्रयत्न कर रहे है।

चौधरी हरस्वरूप बूराः अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि जिन गांवों ने बिल्डिंग बनाकर दे दी है, क्या वहां पर जल्दी ही डिस्पैंसरियां खोल दी जायेगी? मेरे हल्के में कई ऐसे गांव है जहां पर बिल्डिंगें बनकर तैयार हो गयी है।

चौधरी ि ाव राम वर्माः सब के बारे में तो कुछ नहीं कहा जा सकता लेकिन हम कोि ा ा करेंगे कि ज्यादा से ज्यादा ऐसे गांवों में हस्पताल/डिस्पैंसरियां खोलें जिन्होंने हमें बिल्डिंगें बनाकर दे दी है। फिर भी सरकार इस बारे में विचार करेगी।

श्री कंवल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मिनिस्टर साहब ने यह कहा है कि गांव वाले बिल्डिंग बना कर दें तो हम वहां पर डिस्पैंसरी खोल देंगे। स्पीकर साहब, यह गलत बात है कि गांव

वाले बिल्डिंग बना कर देंगे तो वहां पर डिस्पैंसरी खोलेंगे। गवर्नमैंट भाहरों में तो हस्पताल की बिल्डिंग भी खुद बनाती है और हस्पताल या डिस्पैंसरी भी खुद खोलती है?

श्री अध्यक्षः क्या यही तरीका है कि बिल्डिंग गांव वालों को बनानी पड़ती है?

चौधरी ि ाव राम वर्माः सर, इस बारे में कोई हार्ट एंड फास्ट रूल्ज तो नहीं है लेकिन कोि ा ा यह की जाती है कि जहां से मांग आये और जहां पर जरूरत हो क्योंकि बगैर जरूरत के मांग नहीं आती, उस मांग पर विचार करते है और विचार करते समय सरकार के साधनों को भी ध्यान में रखा जाता है। यह भी सोचा जाता है कि धन और डाक्टर जिनकी जरूरत पड़ेगी, क्या वह अवेलेबल होंगे?

श्री अध्यक्षः अगर कहीं से मांग आये तो क्या किसी को कोई पैसा भी जमा करवाना पड़ता है?

चौधरी ि ाव राम वर्माः सर, पैसा तो जमा नहीं करवाना पड़ता लेकिन उनको बिल्डिंग, चार दीवारी और स्टाफ के रहने के लिये कुछ क्वार्टर्ज बनाकर देने पड़ते है।

Telephone connection in the Canal Rest House at Yamuna Nagar

***1936. Chaudhri Har Swarup Bura:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state-

(a) whether there is a permanent telephone connection in the Canal Rest House at Yamuna Nagar; if so, since when, if not, the reason therefor;

(b) the details of the temporary connections taken by the Department for the use of the V.I.Ps who visited and stayed in the said Rest House since June, 1977 to-datge togetherwith the total amount of expenditure incurred thereon during the same period; and

(c) the approximate expenditure likely to be incurred on the installation of the phone on permanent basis in the said Canal Rest House?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री(सरदार तारा सिंह):

(ए): नहीं। तथापि यह विशय सरकार के विचाराधीन है।

(बी) अनेकों अवसरों पर वी0आई0पीज0 यमुनानगर विश्रामगृह में ठहरे है और जून, 1977 से अब तक अस्थाई टेलीफोन लगाने के लिये कुल रूपये 3270 की रा ि ा का भुगतान टेलीफोन प्राधिकारी को किया गया है।

(सी) ओ0वाई0टी0 स्कीम अधीन स्थाई टेलीफोन की स्थापना का अनुमानित व्यय रूपये 5010/– होगा तथा 22000/– रूपये का प्रति वर्श आवर्तक खर्च होने की आ ाा है।

चौधरी हरस्वरूप बूराः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने बताया है कि रैकरिंग खर्चा प्रति वर्श बाईस हजार रूपया आयेगा। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि उन्होंने बाईस हजार

का खर्चा किस आधार पर ऐण्टीसिपेट किया है जबकि टेलीफोन की इंस्टाले ान पर केवल पांच हजार रूपया खर्च आता है?

सरदार तारा सिंहः स्पीकर साहब, दो होल टाईम अटैंडैंट लगाने पड़ते है, उसके बाद डेली काल्ज और ट्रंक काल्ज होती है। इस तरह से हमने अन्दाजा लगाया है कि बाईस हजार रूपया सालाना खर्च आएगा।

चौधरी संत कंवरः स्पीकर साहब, जब यह महकमा राठी साहब के पास था तो ये कैनाल रैस्ट हाउस सोहना गए थे और इन्होंने यह एलान किया था कि यहां पर टेलीफोन लगाया जाएगा। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि वहां पर कब तक टेलीफोन लगा दिया जाएगा? वह डिप्टी स्पीकर साहब की कांस्टीच्युएंसी है।

सरदार तारा सिंहः स्पीकर साहब, हमें डिप्टी स्पीकर साहब का पूरा अहतराम है। जब ये कहेंगे तभी हम लगा देंगे।

श्री मूलचंद मंगलाः स्पीकर साहब, रैस्ट हाउसिज में वी0 आई0 पीज0 आते है और उनकी प्राईवेट काल्ज होती है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि उनकी प्राईवेट काल्ज का खर्चा गवर्नमैंट बर्दा ात करती है या उनसे चार्ज किया जाता हैं अगर उनसे चार्ज किया जाता है तो उनके जिम्में कितना बकाया पड़ा है?

सरदार तारा सिंहः स्पीकर साहब, वी0 आई0 पीज0 का टेलीफोन का खर्चा सरकार बर्दा त करती है। वहां पर चीफ मिनिस्टर साहब भी जाते है, गवर्नर साहब भी जाते है। जब तक प्राईवेट काल की एन्टरी न हो तब तक डिट्रमिन नहीं किया जा सकता कि काल प्राईवेट है या औफि ियल है।

श्री अध्यक्षः मुझे यकीन है कि जो वी0 आई0 पीज0 रैस्ट हाउस में ठहरते है और अगर वे प्राईवेट काल्ज करते है तो प्राईवेट काल्ज का खर्चा तो वे खुद देते है?

श्री लहरी सिंह मेहराः स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री महोदय जब पिछली बार दौरे पर यमुना नगर गए थे तो वहां पर इनसे पब्लिक मिली थी। उस समय मुख्य मंत्री महोदय ने ऐलान किया था कि यमुना नगर कैनाल रैस्ट हाउस में जल्दी से जल्दी टेलीफोन लगवा दिया जाएगा। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि वहां पर कब तक टेलीफोन लगा दिया जाएगा?

सरदार तारा सिंहः स्पीकर साहब, इस बारे में डिपार्टमैंट ने दो बार लिखा है। सरकार विचार कर रही है आया इतना खर्चा बर्दा त करना चाहिए या नहीं।

Steps taken to prevent floods in Hassangarh Consitituency

***2058. Chaduhri Sant Kanwar:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state-

(a) whether the Government has taken any steps to save the Hassangarh Constituency from floods; if so, the details of the measures taken so far; and

(b) the expenditure so far incurred for the purpose referred to above during the period from 15th June, 1977 to 1st November, 1980?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री(सरदार तारा सिंह):

(क) हां, क्षेत्र को तत्काल राहत देने के लिये वर्तमान मुख्य ड्रेनों की क्षमता अढ़ाई गुणा से चार गुणा बढ़ा दी गई है। स्थानीय पानी इक्ट्ठा होने के स्थानों/निचानों का पानी निकालने के लिये लिंक ड्रेनों का निर्माण कर दिया गया है। जो गांव बाढ़ के दौरान घिर जाते है और अधिक रूप से बाढ़ ग्रस्त होते थे, उनको ईर्द–गिर्द रिंग बांध बना दिये गये है।

(ख) 15–6–1977 से 1–11–80 तक कुल 80.05 लाख रूपये का खर्च किया गया है।

श्री बीरेंद्र सिंह: क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि ड्रेंज की कैपेसिटी अढ़ाई गुणा से चार गुणा किस साल में की है?

श्री अध्यक्ष: भाायद जब आप मिनिस्टर होंगे तभी हुई होगी।

सरदार तारा सिंहः मैं यह मान लेता हूं कि आपकी सरकार ने बढ़ाई है। स्पीकर साहब, सरकार का मतलब सरकार है चाहे वह कोई भी सरकार हो।

चौधरी संत कंवरः स्पीकर साहब, ड्रेंज की कैपेसिटी तो चार गुणा हमारी सरकार के समय में बढ़ा दी गई थी लेकिन मेरे हल्कें में मोरखेड़ी, समयाना, पाकस्मा, बलियाना और सांपला में कुछ इलाकें ऐसे है जहां पर पानी खड़ा रहता है क्योंकि इस जमीन का लैवल ड्रेन के लैवल से नीचे है। इसलिए क्या मंत्री जी परमानैंट पम्प हाउस बना कर पानी निकालने का प्रबंध करेंगे?

श्री अध्यक्षः यह तो इनके (श्री बीरेंद्र सिंह) समय में बढ़ाई गई है। इसका जवाब तो ये भाायद ज्यादा अच्छा देंगे।

सरदार तारा सिंहः स्पीकर साहब, हमने ड्रेन्ज के अलावा रिंग बाध बनवाएं है और नीची जगह पर पम्प लगाकर पानी खींचा है। स्पीकर साहब, नीची जगह पर पम्प लगाकर पानी खींचने पर हमने 24 लाख रूपया खर्च किया है।

चौधरी बीरेंद्र सिंहः स्पीकर साहब, जब चौधरी देवी लाल की सरकार थी उस समय फ्ल्डज के लिए 138 करोड़ रूपए का मास्टर प्लान तैयार किया गया था और यह आ वासन दिया गया था कि दो साल के अन्दर मास्टर प्लान का सारा काम पूरा हो जाएगा। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि जिस रफ्तार से यह काम हो रहा है जैसे पंद्रह या बारह करोड़ रूपया

इस हैड में दिया जा रहा है और जो फल्ड कंट्रोल मैयर्ज इन हैड है चाहे वे जींद में है या कहीं और है, अगली बारि ा आने से पहले पूरे हो जाएंगे?

सरदार तारा सिंहः स्पीकर साहब, मेरे फाजिल दोस्त ने जो सवाल पूछा है वह इस क्वै चन में नहीं आता है। इस वक्त मेरे पास मास्टर प्लान तथा दूसरी डिटेल्ज नहीं है।

चौधरी हरि चंद हुड्डाः स्पीकर साहब, चाहे हसनगढ़ कांस्टीच्सुएं ाी हो या और कोई कांस्टीच्युएंसी हो, जब से यह सरकार आई है इस ने न तो कोई बांध बनाया है और न ही कोई नाला खोदा है। इस सरकार ने कोई ड्रेन नहीं बनाई है। (व्यवधान)

मुख्य मंत्री(चौधरी भजन लाल): स्पीकर साहब, मैं सदन के सामने कुछ आंकड़ें रखना चाहता हूं जिससे पता लग सके कि इस सरकार ने कितना काम किया है और कितना काम नहीं किया है। (व्यवधान)

चौधरी संत कंवरः स्पीकर स्पीकर साहब, मैं चैलेंज करता हूं कि इस सरकार ने कुछ भी काम नहीं किया है। (व्यवधान)

श्री अध्यक्षः इसमें कोई चैलेंज वाली बात नहीं है। यह चैलेंज आवर नहीं है यह क्वै चन आवर है।

चौधरी भजन लाल: स्पीकर साहब, मैं आंकड़े बता रहा हूं कि 138 करोड़ रूपए को किस तरह से खर्च कर रहे है। स्पीकर साहब, 1975–76 में 133 लाख रूपया, 1976–77 में 3 करोड़ 49 लाख रूपया, 1977–78 में 24 करोड़ 90 लाख रूपया, 1978–79 में 20 करोड़ 16 लाख रूपया, 1979–80 में 19 करोड़ 55 लाख रूपया और 1980–81 में 17 करोड़ 50 लाख रूपया खर्च किया है। स्पीकर साहब, मैं हाउस को वि वास दिलाना चाहता हूं कि 80 प्रति ात लोगों को बाढ़ से बचाने का काम मुकम्मल हो चुका है। 20 प्रति ात काम बाकी है। हमारी पूरी कोि ा ा है कि अगली बरसात तक सब जगह बांध बना दिए जाएं और बाढ़ का इंतजाम कर दिया जाए।

Compensation for the land acquired for the construction of Canals in District Bhiwani

***1946. Shri Surender Singh:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state-

(a) the total amount of compensation to be paid for the land acquired for the construction of canals and other distributaries, minors and sub-minors in Bhiwani Distt. as at present; and

(b) the time by which the payment of compensation referred to above to the land owners is likely to be made?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री(सरदार तारा सिंह):

(क) जिला भिवानी में नहरों, डिस्ट्रीब्यूटरी, माईनर तथा सब माईनर के लिए जो भूमि अधिग्रहण की गई है, उसका कुल मुआवजा रूपये 47.80 लाख अदा किया जाना है।

(ख): भू–स्वामियों को भूमि का मुआवजा वर्श 1981–82 में अदा किये जाने की संभावना है।

श्री सुरेंद्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, 10 महीने पहले इसी सदन में चीफ मिनिस्टर साहब ने यह आ वासन दिया था कि जल्दी से जल्दी सारा मुआवजा किसानों को दे दिया जाएगा। उसके बाद पिछले सै ान में भी इसी बात को दोहराया गया था और आज मिनिस्टर साहब ने इस के लिये एक साल कह दिया है। मैं आपके जरिये सरकार से यह जानना चाहता हूं कि मुआवजा देने की बात को कब तक एक्सपीडाइट कर दिया जाएगा जबकि जमीन आलरेडी एक्वायर की जा चुकी है। उसका मुआवजा 47. 80 लाख रूपये के करीब बनता है। क्या सरकार दो तीन महीनों में मुआवजे की रा ि ा देने की को ि ा ा करेगी?

मुख्य मंत्री(चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, पिदले सै ान में माननीय सदस्य ने यह प्र न उठाया था और हमने कहा था कि हम छः महीने के अंदर किसानों को उनकी जमीन का मुआवजा दे देंगे। नहरें बनाने का कायदा यह होता है कि पहले मुआवजा दिया जाए, फिर नहरें बनायी जायें। जब इनके पिता जी मुख्य मंत्री थे तो उन्होंने जमीन एक्वायर कर ली और पैसे पहले

नहीं दिये। मैं इस बात को बुरा नहीं मानता कि उन्होंने गल्त काम किया हो क्योंकि नहरें बनानी ज्यादा जरूरी थी लेकिन आज की सरकार ने.....(ाोर)

आवाजें: स्पीकर साहब, चौधरी सुरेंद्र सिंह जी के पिता जी तो यहां पा है नहीं (ाोर)

श्री अध्यक्ष: मैम्बर साहेबान, इस वक्त मुख्य मंत्री महोदय बोल रहे है, आपकों भी बोलने का मौका मिलेगा।

डा0 मंगल सैन: स्पीकर साहब, माननीय सदस्य के पिता जी का नाम यहां पर लिया जा रहा है। क्या वे इस हाउस में है? यह उनके ऊपर रिफलेक ान है। (ाोर)

आवाजें: यह चौधरी बंसी लाल जी के ऊपर रिफलेक ान है। (ाोर)

चौधरी भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, ये जरा सुनने की कोि ा ा करें तो मैं इनकों बताऊं। अध्यक्ष महोदय, हमने फरवरी के महीने में 70 हजार रूपये का मुआवजा दिया है और सै ान के बाद अप्रैल में 14 लाख 70 हजार रूपये की रा ि ा किसानों को और दे देंगे। मैं यहा हाउस में वि वास दिलाता हूं कि 1980–81 में हम यह काम ज्यादा से ज्यादा काम करने की पूरी कोि ा ा करेंगे।

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, चीफ मिनिस्टर साहब ने आनरेबल मैम्बर श्री सुरेंद्र सिंह जी के पूरक प्र न के उत्तर में यह बताया कि उनके बुजुर्ग पिता चौधरी बंसी लाल जी ने जमीन पहले एक्वायर कर ली थी और मुआवजा दिया ही नहीं था। मैं आपके द्वारा चीफ मिनिस्टर साहब से यह जानना चाहूंगा कि उनके पिता जी ने तो गल्ती की है जैसे कि वे फरमा रहे थे लेकिन आपने क्या किया? (ाोर एवं विघ्न)

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, मैं गल्ती नहीं कहता। जनहित में उन्हें नहरें जल्दी बनानी पड़ी। (ाोर)

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, सब से पहले तो मेरी अर्ज यह है कि जैसे मुख्य मंत्री महोदय ने फरमाया कि पहले पैसा देना चाहिये था फिर जमीन लेनी चाहिये थी लेकिन ऐसा किया नहीं गया। मैंने तो केवेल उन्हीं के भाब्दों में इररैगुलेरीटीज की बात कही है। उन्होंने कहा कि फरवरी के महीने में 70 हजार रूपये की रा ि ा किसानों को मुआवजें के रूप में दी है और अप्रैल में 14 लाख 70 हजार के करीब देने जा रहे है जबकि कुल मुआवजे की रा ि ा 47.80 लाख रूपये निर्धारित की गयी है। मैं आपके द्वारा उनसे यह जानना चाहता हूं कि उन गरीब किसानों की जमीन कब एक्वायर की गयी थी और कब से यह मामला सरकार के पास लटक रहा है?

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, मैं एक बात और क्लियर कर दूं। जिस वक्त यह जमीन एक्वायर की गयी थी, उस वक्त चौधरी बंसी लाल जी मुख्य मंत्री थे। हमने माना है कि उस वक्त नहरें जल्दी बनाने की जरूरत थी, इसलिये मुआवजा जल्दी नहीं दिया गया। फिर भी डाक्टर मंगल सैन किस प्वांयट को पुट करना चाहते है, यह मेरी समझ में नहीं आया? (ाोर) स्पीकर साहब, यह मुआवजा देने की बात 6–7 सालों से चली आ रही है।

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, हमें डेंफीनिडेट चाहिये कि किस डेट तक सरकार गरीब किसानों को मुआवजा दे देगी?

Mr. Speaker: I think it is very difficult to give a definite date off hand. It is a matter of record.

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, जूई कैनाल, लौहारू कैनाल और सिवानी कैनाल जब बनी थी, यह कोई लगभग 5–7 सालों की बात है (ाोर) मैं तो कहता हूं कि यह मामला पांच सात सालों से लटक रहा है, इसमें कोई दो राय नहीं है। लेकिन डाक्टर साहब भी उसके बाद करीब दो साल मिनिस्टर रहे, इन्होंने क्या किया, जो आज हमें इसके लिये कह रहे है। हमने तो कुछ मुआवजा दिया है और अप्रैल में 15 लाख के करीब मुआवजें की रकम किसानों को और देने की कोि ा ा कर रहें है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहेबान, इस पर काफी डिस्क ान हो चुकी है। मैं इस बारे में एक बात क्लियर करना चाहता हूं।

जो मुख्य मंत्री महोदय ने कहा कि जब स्टेट में कोई डिवैल्पमैंट का कै ा प्रोग्राम चलता है तो I think is no harm in acquiring the land and paying compensation later. What the Hon. Chief Minister has stated should be clearly understood. However, a number of cases have come to my notice जहां पर कि कंपंसे ान देने में अनडयूली डिले हो रही है। जिससे किसानों को काफी हार्डि ाप फेस करनी पड़ रही है। मैं गवर्नमैंट से रिक्वैस्ट करूंगा कि इस हार्डि ाप को दूर करने के लिए वह जल्द से जल्द कंपंसे ान देने की कोि ा ा करे।

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, आपने ठीक फरमाया है। हम इस बारे में जल्दी ही कार्यवाही कर रहे है। हमने स्पै ाल एल0ए0ओज0 वहां लगाए है। असल बात यह है कि पहले जिस अधिकारी को एल0ए0ओ0 प्रो0 लगाते थे, वह अपनी ट्रांसफर करवाने की कोि ा ा करवाता था जिस वजह से सियासी आदमियों पर दबाव डाला जाता था। अब हमने इस पोस्ट के लिए 200 रूपये स्पै ाल पे देने का फैसला किया है ताकि इस काम पर अधिकारी लगें। सब जगहों पर हमने एल0ए0ओज0 लगा दिये है। आपके जिले में भी इसी तरह की कार्यवाही की गयी है। चौधरी बीरेंद्र सिंह जी भी मंत्री रहे है, उन्होंने भी अगर कोई मुआवजा दिया हो, तो वे बता दें।

श्री बीरेंद्र सिंहः स्पीकर साहब, यह रिकार्ड उनसे मुझे दिलवा दें तो मैं जवाब दे दूंगा। (ाोर)

चौधरी राम लाल वधवा: स्पीकर साहब, क्या मुख्य मंत्री महोदय यह आ वासन देंगे कि किसानों को मुआवजा दो साल के अन्दर दिया जाएगा?

Mr. Speaker: I think, it is unreasonable to spring such as sudden question on the Chief Minister. If proper notice had been given, he could have checked it up whether the compensation could be paid within two years.

तारांकित प्र न संख्या 1942

यह प्र न पूछा नहीं गया क्योंकि माननीय सदस्य, श्री हीरा नंद आर्य, इस समय सदन में उपस्थित नहीं थें।

Digging work of Canal from Village Chandi to Khidwali

***2055. Chaudhri Hari Chand Hooda:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to start digging work of canal from village Chandi to Khidwali in District Rohtak; and

(b) if so, time by which the aforesaid work is likely to be started and completed?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (सरदार तारा सिंह):

(क) हां जी।

(ख) किसानों ने अब सरकार द्वारा स्वीकृत एलाईनमैंट में परिवर्तन की मांग की हैं। दूसरी (आल्टरनेटिव) एलाईनमैंट निरीक्षणाधीन है।

चौधरी हरि चंद हुड्डाः क्या मंत्री जी बताएंगे कि उनके नाटिस में यह बात है **(10.00बजे)** कि चीफ इंजीनियर ने इसे खुद कैंसिल किया है और लोगों ने ऐसी मांग नहीं की थी?

सरदार तारा सिंहः स्पीकर साहब, यह बात बिल्कुल गल्त है।

श्री बीरेंद्र सिंहः स्पीकर साहब, हुड्डा साहब, यह जानना चाहते है कि जो एलाइनमैंट चेंज करने की बात है वह लोगों की तरफ से कोई डिमांड नहीं आई थी बल्कि चीफ इंजीनियर खुद अपनी मर्जी से चंज कर रहे है। क्या यह बात सही है?

सरदार तारा सिंहः स्पीकर साहब, लोगों ने मांग की है कि यह एलाइनमैंट चंज की जाए।

चौधरी सतबीर सिंह मलिकः क्या मंत्री महोदय, बताएंगे कि पहली एलाइनमैंट में क्या खामी थी जिसकी वजह से अब चेंज करनी पड़ रही है?

सरदार तारा सिंहः स्पीकर साहब, इसमें असल बात यह है कि पहले पहले जब यह स्कीम बनी थी तो उस वक्त

बैनिफि ारीज ने यह कहा था कि हम जमीन मुफत देंगे। उस वक्त सारा खर्चा 92,000/– रू0 बना था। बाद में लोगों ने यह कहा कि यह पैसा तथा और खर्चा लगा कर सारा खर्चा 2 लाख 92 हजार रू0 हो गया। अब तीसरी बार उन्होंने फिर कहा है कि यह एलाइनमैंट गलत है, इसको चेंज किया जाए। अब उस पर 2 लाख 92 हजार रू0 की बजाए 5 लाख 72 हजार रू0 खर्चा आ रहा है। अब कुछ रकबा भी बढ़ रहा है और कुछ एलाइनमैंट भी बढ़ रही है इसलिये यह देरी हुई।

चौधरी संत कंवरः मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि यह जो एलाइनमैंट चेंच की जा रही है क्या इस बारे में गांव वालों की तरफ से कोई मांग पत्र आया था? यह जो 2 लाख की बजाए 5 लाख की रकम बढ़ी है कहीं यह तो नहीं कि अफसरों ने रकम बढ़ाने के लिये ऐसा किया हो?

सरदार तारा सिंहः स्पीकर साहब, जो मैंने जवाब दिया है उसे आदमी भी समझ सकता है। आप खुद ही अंदाजा लगाएं कि जब सरकार का काम दो लाख रूपये में चलता था तो सरकार को पांच लाख रूपए खर्च करने की क्या जरूरत थी।

Mr. Speaker: The question is very specific. He is asking whether a change in alignment is being done on some demand by the villagers.

सरदार तारा सिंहः स्पीकर साहब, मैंने पहले यही कहा था कि लोगों की मांग पर ही एलाइनमैंट चेंज करने से पहले उस

गांव की पंचायत की कंसल्ट किया गया है कि यह चेंज होनी चाहिए या नहीं?

सरदार तारा सिंहः स्पीकर साहब, यह कोई नया सवाल नहीं है बल्कि जो बाकी लोगों ने पूछा था वैसा ही है। हमें जो सूचना अफसरों ने लिख कर भेजी है उस पर हमें वि वास करना पड़ेगा। लोग अगर कहेंगे कि इससे हमें सुविधा नहीं है, इसे चेंज किया जाए तो सरकार को वैसा ही करना पड़ेगा।

Mr. Speaker: I would request the Government that before the change in alignment is finalised another consultation should be done by the Government with the local people to see whether they are in need of change.

सरदार तारा सिंहः बहुत अच्छा जी, कर लेंगे।

श्री अध्यक्षः अगला सवाल, श्री रण सिंह मान। वे सदन में उपस्थित नहीं है।

I take up the next question.

श्रीमती सुशमा स्वराजः अध्यक्ष महोदय, यह सवाल बहुत ही इम्पार्टेंट है इसका जवाब बिला अथोराइजे ान के भी आ जाना चाहिए। मुझे रूल 52 (3) के तहत रिक्वैस्ट करने का अधिकार है। वह आदमी जेल में है इसलिये न तो वह यहां हाउस में उपस्थित हो सकता था और न ही किसी को अथोराइज कर

सकता था। रूल 52 (3) बहुत स्पैसिफिक रूल है, इसमें लिखा है—

".....The Speaker, at the request of any member, may direct taht the answer to it be given."

and I am requesting you under this provision to let the Minister give the answer to this question.

Mr. Speaker: First of all, I must congratulate the hon. Member that she has studied the rule very carefully and according to rule 52 (3) I allow the question. But, at the same time, I must make a remark that the member concerned has been released and he should have been present in the House.

Creation of Sub-Tehsils, and Sub-divisions in the State

***1958. @Shri Ran Singh Mann.** Will the Minister for Revenue be pleased to state-

(a) the total number of sub-tehsils, tehsils and sub-divisions created in the State during the years 1979-80 and 1980-81 toghetheriwth the criteria adopted for their creation; and

(b) whether there is any proposal under consideration of the Government to give the status of tehsil to the Badhra Block?

राजस्व मंत्री (चौधरी भोर सिंह):

(ए) 1979–80 तथा 1980–81 में राज्य में पंद्रह सब–तहसीलें, छः तहसीलें तथा तीन उप मण्डल बनाए गए है। इन इकाईयों को बनाते समय लोगो की मांग, यातायात की सुविधाएं, प्र ाासकीय सुविधा तथा क्षेत्र की समीप्ता आदि को ध्यान में रखा गया ।

(बी) नहीं।

श्रीमती सुशमा स्वराजः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने जो सब–तहसील, तहसीलों और उप–मण्डलों के आंकड़ें दिये है क्या वे उन जगहों के नाम बताएंगे जहां–जहां ये बनाए गए है? दूसरा सवाल मेरा यह है कि क्या किसी अपोजी ान के मैम्बर के हल्कें में भी कोई सब–तहसील, तहसील या उप–मंडल बनाया गया है? (विघ्न)

चौधरी भोर सिंहः अपोजी ान के हल्कों में से एक संढ़ौरा में सब–तहसील बनाई गई है और एक कालांवाली में बनाई गई है। (विघ्न)

श्री सुरेंद्र सिंहः मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि लोहारू सब–डिवीजन को तोड़ने का क्या कारण है?

चौधरी भोर सिंहः लोगों की मांग पर लोहारू की जगह सिवानी को सब–डिवीजन बनाया गया है?

श्री भले रामः क्या मंत्री जी बताएंगे कि जो 15 सब–तहसीलें बनाई गई है, इनको बनाने का क्या काइटेरिया है?

चौधरी भोर सिंहः काइटेरिया तो मैंने पहले ही बता दिया है कि सब–तहसीलें, तहसीलें और सब–डिवीजन लोगों की यातायात की सुविधाएं प्र ाासनिक सुविधाएं, क्षेत्र की समीप्ता और लोगों की मांग को ध्यान में रखकर बनाये गये है। (व्यवधान)

श्री मूल चंद जैनः स्पीकर साहब, मिनिस्टर साहब से पूछा गया था कि अपोजी ान मैम्बर्ज के हल्कों में कितनी तहसीलें, सब–तहसीलें और सब–डिवीजन खोलें गये है। मिनिस्टर साहब ने जवाब दिया है कि 15 सब तहसील, 6 तहसील और 3 सब डिवीजन खोले गये है जिनका टोटल 24 बनता है। इन 24 में से अपोजी ान मैम्बर्ज के हल्कों में केवल 2 सब–तहसीलें खोली गई है। क्या मुख्य मंत्री महोदय बतायेंगे कि 24 में से दो खोलना न्यायसंगत है, क्या आप इस न्याय पर गौरव करते है?

मुख्य मंत्री(चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, तहसील, सब–तहसील और सब–डिवीजन बनाने के लिए किसी हल्कें की बात नहीं हुआ करती, इसमें यह देखा जाता है कि लोगों को कहां से सुविधाएं मिल सकती है। लोगों की डिमांड को मद्देनजर रखते हुए हमने तहसील, सब–तहसील और सब–ाडिवीजन बनाये है। इनको बनाते समय, हमारे अपोजी ान के जो एम0एल0एज0

है, उनके हल्कों के जो देहात है, जिनसे ये वोटें लेकर एम0एल0एज0 बने है, उन्होंने यह मांग की है कि उनको हल्कों को तहसील, सब–तहसील और सब–डिवीजन में भाामिल कर लिया जाए और इनकी मांग को देखते हुए ही ये बनाये गये है।

श्री जयनारायण वर्माः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने बताया है कि यातायात की सुविधाए, प्र ाासकीय सुविधा तथा क्षेत्र की समीप्ता ये तीन किस्म के आधार लेकर तहसील, सब–तहसील और सब–डिवीजन बनाये गयें है। क्या इस काईटेरिया के मुताबिक बरवाला को जो 50 साल पहले तहसील हुआ करती थी, तहसील नहीं बनाया जा सकता था? इसी प्रकार क्या उकलाना को तहसील नहीं बनाया जा सकता था? क्या ये दोनों जगहें इस काइटेरिये को पूरा नहीं करती थीं?

चौधरी भोर सिंहः अपोजि ान के जो भाई यह महसूस करते है कि उनके हल्कें में नहीं बनाये गये है, उन्होंने कभी अपने हल्के का जिक नहीं किया कि वहां तहसील, सब–तहसील और सब–डिवीजन बनाये जाए। बाबू मूल चंद जैन ने चिट्ठी लिख कर कहा था कि सम्भालखा में तहसील बनाई जाए और हम इसको एग्जामिन कर रहे है। वर्मा साहब ने अपने हल्कें के बारे मैं कभी कोई जिक नहीं किया।

चौधरी बीरेंद्र सिंहः स्पीकर साहब, जो भी सब–तहसीलें, तहसीलें और सब–डिवीजन्ज प्र ाासनिक सुविधाओं

को मद्देनजर रखते हुए बनाये गये है, इनमें सब–ट्रेजरीज नहीं है। सब–ट्रेजरीज न होने की वजह से रैवेन्यू स्टैम्प पे पर वगैरह लेने में असुविधा होती है। क्या सरकार इन जगहो ंपर सब–ट्रेजरीज खोलेगी?

चौधरी भोर सिंहः इन जगहो ंपर सब–ट्रेजरीज खोल देंगे।

Arrears of Sales Tax

***1972. Chaudhri Ude Singh Dalal:** Will the Minister for Excise and Taxation be pleased to state-

(a) the total amont likely to be recovered upt 31-3-1980 as arrears of Sales Tax; and

(b) the names and address of the parties who owe to the Government over rupees one lac as arrears of Sales Tax?

Excise and Taxation Minister (Chaudhri Mehar Singh Rathee):

(a) Since the period for recovery of sales tax has not been indicated, it is not possible to give the amount recovered upto 31-3-1980. However, the total arrears of sales tax as on 31-3-1980 is Rs. 11,13,75,928.

(b) A statement showing the names and addresses of the parties who owe to the Government over one lac as arrears of sales tax on 31-1-1981 is placed on the Table of the House.

STATEMENT

Showing the names & addresses of the dealers who owe to the Government over rupees one lac as arrears of Sales Tax as on 31-1-1981

Sr. No.	Name and address of the firm	Haryana General Sales Tax Act, 1973	Central Sales Tax Act, 1956.
District Ambala			
1	M/s Haryana Roadways, Ambala	2,40,548	-
District Bhiwani			
1	M/s Anti Ram Nand Kishor, Bhiwani.	2,70,036	20,093
2	M/s Dalmia Dadri Cement Factory, Dadri.	41,35,636	19,55,337
3	M/s Kiran Vegetable Products, Bhiwani	9,24,412	-
4	M/s Haryana Dairy Development Corporation, Bhiwani	-	2,33,638
District Faridabad			
1	M/s Eastern Electronics, Faridabad.	-	1,96,966

2	M/s D.G.L. Ltd. Faridabad.	11,115	1,38,747
3	M/s Rackmen Costkin, Faridabad.	1,06,403	2,086
4	M/s J.N. Sharma and Sons, Faridabad.	1,86,870	2,90,383
5	M/s Rama Trader Co., Faridabad.	1,15,709	-
6	M/s Laxmi Trading Co., Fardiabad.	5,58,810	-
7	M/s Ganesh Packing Company, Faridabad.	92,917	1,52,042
8	M/s Associated Inds., Faridabad.	11,06,000	-
9	M/s Napco Bovel Gears Pvt. Ltd., Faridabad	13,774	1,38,896
10	M/s Gansha Pipe Industries, Faridabad.	49,744	1,10,602
11	M/s Liquor Traders Private Limited, Faridabad	1,15,127	2,782
12	M/s Haryana Footwear Corporation, Faridabad.	1,31,429	2,15,494

13	M/s Rackmen Auto Private Limited, Faridabad	5,44,265	5,50,131
14	M/s Prestolight of India Ltd., Faridabad	2,89,803	44,29,700
15	M/s Laxmi Rattan Engineering Works Limited, Faridabad	5,62,589	8,69,632
16	M/s Associated Steel Industries, Faridabad.	1,91,865	36,318
17	M/s Emerson Paul Plastic, Faridabad	3,470	5,61,913
18	M/s Sehgal Puri Pvt. Limited, Faridabad	-	1,61,667
19	M/s Brake Lineing Limited, Faridabad.	-	6,36,136
20	M/s Globe Motors Works, Faridabad.	3,53,171	1,06,486
21	M/s Auto Steel Industries Limited, Faridabad.	86,957	6,03,208
22	M/s New India Motor, Faridabad.	15,88,378	1,47,265
23	M/s Pearl Cycle	1,39,341	13,38,104

	Industries, Faridabad.		
24	M/s Top Style Apparel Private Limited, Faridabad	-	3,4,587
25	M/s Globe Steel, Faridabad.	10,13,502	9,38,282
26	M/s Excelsion Plant, Faridabad.	15,293	4,27,586
27	M/s Wearwell Cycle Company, Faridabad	5,41,262	15,56,052
28	M/s Usha Forgings and Stamping Private Limited, Faridabad.	1,06,63	1,08,780
29	M/s Bertan Scot Industries, Faridabad	26,763	1,17,842
30	M/s Hada Steel Products, Faridabad.	-	3,85,022
31	M/s Associated Steel India, Faridabad.	1,97,643	11,164
32	M/s Hindustan Milk Food Manufacturing, Faridabad.	-	1,91,551
33	M/s Partap Steel Industries, Faridabad.	-	3,38,396

34	M/s Hindustan Brown Bovery, Faridabad.	-	18,00,096
35	M/s Northern India and Steel Company, Faridabad	12,080	5,36,884
36	M/s Prestolite of India, Faridabad.	16,371	11,56,242
37	M/s Crown Caps India Pvt. Ltd., Faridabad	11,162	5,16,725
38	M/s Suraj Lamps Industries, Faridabad.	29,933	6,46,341
39	M/s Associated Steel Limited, Faridabad.	6,73,760	1,73,812
40	M/s Appliances Mfg. Co., Faridabad	1,68,369	27,365
41	M/s Luxmi Rattan Engg. Works, Faridabad	73,552	2,22,801
42	M/s India Jute Supply Company, Faridabad.	-	1,45,000
43	M/s Auto Pins India (Regd.), Faridabad.	-	29,17,348
44	M/s Hindustan Brown Bovery, Faridabad.	2,41,350	66,64,401

45	M/s Hindustan Milk food Mfg. Co., Faridabad.	85,093	2,01,550
46	Fritz and Singh, Faridabad.	-	1,37,629
47	M/s Bengal National Textile, Faridabad	38,086	30,73,079
48	M/s Reneo Vickers, Faridabad.	12,428	1,17,392
49	M/s Emulsion Products, Faridabad.	39,844	1,44,798
50	M/s Haryana Sales Corporation, Faridabad.	1,35,306	-
51	M/s Bharat Carpets Limited, Faridabad.	10,71,000	15,00,000
52	M/s Telesound India, FARIDABAD.	31,426	2,41,153
53	M/s U.K. Builders Pvt. Ltd. Faridabad	7,931	4,25,861
District Gurgaon			
1	M/s Eggo Metal Works, Gurgaon.	26,648	1,51,331
2	M/s Bags and Cartons,	-	4,71,594

	Gurgaons.		
3	M/s Maruti Limited., Gurgaon	11,75,591	33,49,675
4	M/s Manohar Lal Hira Lal, Tauru.	1,11,257	11,120
5	M/s Haryana Roadways, gurgaon.	1,44,142	-
6	M/s Director General Supplies and Disposals, Delhi, Gurgaon.	2,55,000	-
District Hissar			
1	M/s Birla Cotton and Ginning and Pressing Mills, Fatehabad, Hissar.	3,88,339	-
2	M/s J.C. Mills Factory, Fatehabad, Hissar	2,84,971	-
3	M/s Shiv Dutt Rai, Fateh Chand, Hissar	1,40,000	-
4	M/s Mangat Rai Ram Avtar, Hissar.	1,10,576	-
5	M/s Mittal Pipe Factory, Hissar.	1,26,700	-

6	M/s Haryana Roadways, Hissar	1,23,560	-
7	M/s Plant Protection Inspector, Hissar	1,49,729	-
District Jagadhri			
1	M/s United Timber Works, Yamunanagar.	1,27,813	-
2	M/s Assistant Controller of Stores, Jagadhari	4,33,349	-
3	M/s Lachmi Singh Sohan Singh, Yamuna Nagar	1,14,155	-
District Karnal			
1	M/s Government Medical Store, Depot, Karnal	41,95,148	1,86,77,898
2	M/s Khosla Sales Corporation, Karnal	1,48,732	-
3	M/s Haryana Tourism, Karnal.	3,61,623	-
4	M/s Haryana Roadways, Karnal	2,34,941	-

5	M/s Jain Traders, Panipat	1,10,408	-
District Kurukshetra			
1	M/s Sant Lal Tek Chand, Kaithal.	1,31,455	-
2	M/s D.F.S.C., Kurukshetra.	4,59,243	-
3	M/s Haryana Roadwyas, Kaithal	1,13,899	-
District Narnaul			
1	M/s Chhote Lal Chiranji Lal, Narnaul	1,97,622	-
2	M/s Ram Kishan Sheo Chand Rai, Narnaul	3,95,245	-
3	M/s Sarabhi Machinery Bombay, Narnaul	14,31,850	-
District Rohtak			
1	M/s Pahwa Bottle Supply, Co., Rohtak	-	1,46,377
2	M/s Royal Body Builders, Rohtak	3,05,278	1,60,649
3	M/s Finochem Laboratories,	-	1,40,000

	Bahadurgarh		
4	M/s Suresh Oil & Cotton Mills, Meham	1,60,000	-
5	M/s Haryana Roadways, Rohtak	1,05,825	-
6	M/s Suresh Oil & Cotton Mill, Meham	1,03,769	-
District Sonepat			
1	M/s Haryana Rice & General Mills, Gohana	1,04,280	-
2	M/s Haryana Conductors Pvt. Ltd. Kundli	-	2,86,690
3	M/s Ashoka Motor Stores, Sonepat	4,83,550	-
4	M/s Depro Food, Rai, Sonepat	-	3,12,406
5	M/s E.CE. Sonepat	-	3,80,710
District Sirsa			
1	M/s Bhakra Cotton & General Mills, Sirsa	1,55,460	-
2	M/s Beni gopal mahabir	1,28,755	-

	Parshad, Sirsa		
3	M/s Sirsa Industries, Sirsa	2,97,768	-
4	M/s Padmawati Raje Cotton ginning Factory, Sirsa	1,35,044	-
5	M/s Gupta Cotton & General Mill, Sirsa	3,28,283	-
6	M/s Harji Ram Balwant Singh, Sirsa.	1,64,586	-
7	M/s Bharat Cotton Factroy, Sirsa	1,62,138	1,17,498
8	M/s Surja Ram Cotton Factory, Kalanwali	1,57,731	-
9	M/s Chaudhry Cotton Ginning and Pressing Factory, Sirsa.	1,70,878	-
10	M/s Gopi Chand Textile Mills, Sirsa	3,22,066	4,38,642

चौधरी उदय सिंह दलालः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने एरियर्ज आफ सेल्ज टैक्स की टोटल रकम 11,13,75,928 रूपये बताई है लेकिन बहुत सी ऐसी फर्म्ज भी है जिनके नाम पर काफी रकम बकाया है और उनके नाम इस स्टेटमैंट में भाामिल नहीं है। दूसरी ओर अगर किसी जमींदार की तरफ पांच रूपये भी बकाया

है तो उनको तहसीलदार या एस0डी0ओ0 की मारफत बुलवाकर थाने में बंद कर दिया जाता है। हांसी में पांच सौ रूपयें की वसूली करने के लिए जमींदार को जाने से मार दिया गया। आप देखें मिनिस्टर साहब के जवाब के मुताबिक 11,13,75,928 रूपया से सेल्ज टैक्स का वसूली के लिये बकाया पड़ा हुआ है जिसकी वजह से सारी स्टेट की तरक्की रूकी हुई हैं। क्या मंत्री महोदय हाउस को वि वास दिलायेंगे कि यह रूपया कब तक वसूल हो सकेगा?

चौधरी मेहर सिंह राठीः ये 1980 की फिगर्ज है। इसमें से बहंत सी रकम वसूल हो चुकी है और 4,54,40,470 रूपये की वसूली कोर्ट द्वारा स्टे हो चुकी है। इस में कुद रकम ऐसी है जो वसूल ही नहीं हो सकती क्योंकि कुछ फर्मों ने अपना दिवालिया दिखा दिया है। (व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आप पहले मिनिस्टर साहब का जवाब सुन लीजिए। (व्यवधान)

चौधरी मेहर सिंह राठीः कुछ फर्मों के केसिज लिक्विडे ान के लिये गये हुए है और 2,22,51,761 रूपये हम वसूल कर पायें है। (व्यवधान)

डा0 मंगल सैनः अध्यक्ष महोदय, आबकारी तथा कराधान मंत्री ने अभी बताया कि 11,13,75,928 रूपया सेल्ज टैक्स के रूप में बकाया है। जवाब के (ख) भाग में कहा है कि जानकारी सदन

के पटल पर रखी जाती है। जानकारी तो इन्होंने दे दी लेकिन स्टेटमैंट के पृश्ठ 3 पर मारूति लिमिटिड गुड़गांव के अगेंस्ट हरियाणा जनरल सेल्ज टैक्स का 11,75,591 रूपया और सैंट्रल सेल्ज टैक्स का 33,49,675 रूपया बकाया है। स्पीकर साहब, पिछले दिनों वित मंत्री श्री तायल और चौधरी भजन लाल जी का एक फैक्ट्री के बारे में विवाद चला था और वह है मैसर्ज आटों पिंज इंडिया लिमिटिड, जिसके मालिक सरदार अवतार सिंह जी है। इनकी तरफ करोड़ों रूपया बकाया है लेकिन इस स्टेटमैंट में इस फैक्ट्री के बारे में जिक्र नहीं है। दूसरी ओर अगर किसी गरीब आदमी की तरफ थोड़ा सा रूपया भी बकाया हो तो उसको तहसील में बंद कर दिया जाता है और उनकी मौतें हो रही है। स्पीकर साहब, लैंड रैवेन्यू कलैक्ट करने के लिये हमने एक्ट पास किया हुआ है। इस एक्ट के तहत मारूति लिमिटिड से रिकवरी क्यों नहीं करतें? (व्यवधान) स्पीकर साहब, 1976 में बेचारे हरिजनों को पकड़–पकड़ कर उनकी नसबंदी की थी और उनकी सेहत बनाने के लिये पांच पांच सौ रूपया दिया था, आज थोड़ी सी रिकवरी के लिये उनको तहसील में क्यों बंद किया जा रहा है। मैं मुख्य मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि इस रूपये को एज लैंड रैवेन्यू रिकवर करने के लिए सरकार ने क्या कदम उठाये है?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, डा0 मंगल सैन ने बड़ी लम्बी चौड़ी स्पीच में सवाल किया है। ये जो सवाल पूछना चाहते थे वह तो भूल गये, स्पीच देने लग पड़े। मैं

आनरेबल मैम्बर्ज को, खास तौर पर डा0 मंगल सैन जी को बताना चाहता हूं कि 11,13,75,928 रूपये की जो रा ि ा बकाया है, इसको वसूल करने के लिए इस सदन में हमने कानून पास किया था ये उसमें भाामिल नहीं थे। (व्यवधान)

डा0 मंगल सैनः हम भाामिल थे, आप रिकार्ड देखकर बताया करें स्पीकर साहब, इनको हाउस को मिसलीड करने की आदत है। (व्यवधान)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, रिकार्ड की बात है, उस समय मुख्य मंत्री मैं ही था। (व्यवधान)

डा0 मंगल सैनः आप भी थे, हम भी यहीं पर थे। (व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आप बीच में इंटरफीयरेंस न करें। (व्यवधान)

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, उस वक्त कानून पास किया था कि जिस तरह किसान से बकाया रा ि ा एज एरियर्ज आफ लैंड रैवेन्यु वसूल करते है, उसी तरह इंडस्ट्रियलिस्टस की तरफ जो बकाया रा ि ा है वह भी एज एरियर्ज आफ लैंड रैवेन्यू ट्रीट की जाए और किसानों की तरह वसूल की जाए। इस कानून के तहत हम कार्यवाही कर रहे है लेकिन कुछ फर्मों ने अदालत से स्टे ले लिया है। आप जानतें है

कि कोर्ट से स्टे लेने के बाद हम कोई कार्यवाही नहीं कर सकते, सरकार मजबूर है।

एक सदस्यः मारूति लिमिटिड से वसूली करने के बारे में क्या किया? (व्यवधान)

चौधरी भजन लालः मारूति लिमिटिड की तो थोड़ी सी रकम है। (व्यवधान)

चौधरी गंगा रामः स्पीकर साहब, पांच सौ रूपया अगर किसी हरिजन से लेना हो तो उसको जेल में बंद कर दिया जाता है और मारूति के बारे में कह रहे है कि थोड़ी रकम है। (व्यवधान)

श्री अध्यक्षः सवाल का जवाब सुनें। मारूति से ज्यादा बड़ी बड़ी रकमें कई दूसरी फर्म्ज की है। (ाोर)

डा0 मंगल सैनः 33 लाख रूपया हैं यह कोई छोटी रकम नहीं है। (ाोर) I have gone through each and every item. (Interruptions).

श्री अध्यक्षः यह सैंट्रल सेल्ज टैक्स है। इसे सैंटर ने लेना होता है। (ाोर)

चौधरी गंगा रामः अध्यक्ष महोदय, बड़े दुःख की बात है कि 33 लाख रूपये को तो ये छोटी सी रकम बताते है लेकिन

किसान से दो सौ रूपया लेने के लिए उसे गोली से मार रहे हैं। (ाोर)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, यह केस कोर्ट में था और उसने सारी प्रोसिडिंग्ज स्टे की हुई थी। उसके बाद भारत सरकार ने इसे टेक ओवर कर लिया। हम सैंटर से बातचीत कर रहे है कि हमारा जो पैसा बकाया है उसे दिया जाए और हमें पूरा भरोसा हे कि वह हमें मिलेगा। कितने ही बड़े आदमी का या कितनी ही बड़ी फैक्ट्री का केस क्यों न हो किसी को माफ करने का सवाल नहीं है। जिस तरह की सख्ती किसान के साथ की जाती है उससे ज्यादा सख्ती हम इन लोगों के साथ करते है। (ाोर)

चौधरी उदय सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, क्या मुख्य मंत्री जी यह बताएंगे कि कानून बनने के बाद आज तक कितने फैक्टरी वाले इन्होंने जेल में बंद करवाए है? (ाोर)

(इस प्र न का उत्तर नहीं दिया गया)

चौधरी हुक्म सिंहः क्या मुख्य मंत्री जी बताएंगे कि इतनी भारी रकम वसूल करने में क्या अड़चन है और आज तक कौन कौन सी फर्म्ज के विरूद्ध कानूनी कार्यवाही की गई है?

श्री अध्यक्षः यह तो पहले ही बता दिया गया है।

चौधरी राम लाल वधवा: अध्यक्ष महोदय, इस पर हाफ एन आवर डिस्क ान होनी चाहिए। (ाोर)

श्री अध्यक्ष: बाबू मूल चंद जैन। (ाोर एवं विघ्न) आप लोग बैठिए। मैं लीडर आफ दि अपोजी ान को सप्लीमैंटरी पूछने का मौका दे रहा हूं लेकिन आप उनको बोलने हीं नहीं दे रहे है।

श्री मूल चंद जैन: स्पीकर साहब, मुझे दु:ख के साथ कहना पड़ रहा है कि चीफ मिनिस्टर साहब ने हाउस को बड़ी गलत इंफर्मे ान दी है। इन्होंने कहा कि इनकी सरकार ने इंडस्ट्रियलिस्टस से बिक्री टैक्स मालगुजारी के रूप में वसूल करने के लिए कोई कानून बनाया है लेकिन यह गलत बात है। इस तरह का कानून तो सन् 1948 से जारी है।

चौधरी भजन लाल: इस कानून में कुछ कमी थी जिसको अमैंडमैंट करके हमने पूरा किया है।

श्री मूल चंद जैन: स्पीकर साहब, सवाल मेरा यह है कि क्या चीफ मिनिस्टर साहब या इनके मंत्री राठी साहब यह बताएंगे कि बिक्री कर की बकाया रा ाी को मालगुजारी के रूप में वसूल करने के लिए इन्होंने कोई एक भी वारंट जारी किया है?

श्री अध्यक्ष: ये तो कहते है कि फर्म्ज ने स्टे ले लिया है। स्टे मिलने के बाद ये कैसे ऐक्ा ान ले सकते थे?

श्री मूल चंद जैनः 11 करोड़ में से साढ़े चार करोड़ की स्टे आई है। साढ़े छः करोड़ रूपये की रकम तो अब भी बाकी है। उसके ऊपर कोई स्टे नहीं है?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, हमने कुछ लोगों के खिलाफ कार्यवाही की है लेकिन उसकी इंफर्मे ान लेने के लिये माननीय सदस्य हमें नोटिस दें। इनको बकायदा नाम बता दिए जाएंगे कि किस–किस के खिलाफ कया क्या कार्यवाही की गई है। जबानी यह बात बताना मु कल है। (ाोर)

श्री देवी दासः अध्यक्ष महोदय, सोनीपत में एक ई0सी0ई0 फैक्टरी है। इसके खिलाफ 3,80,710 रूपये बकाया है। यह बिरला की फैक्टरी है। क्या मंत्री जी बताएंगे कि इससे वसूली न होने के कारण है?

चौधरी मेहर सिंह राठीः स्पीकर साहब, वसूली करने की पूरी को ा ा की जा रही है। इनसे वसूली हो भी जाएगी क्योंकि यह बड़ी अच्छी कम्पनी है। (विघ्न)

श्री देवी दासः यह फर्म तो दिवालिया नहीं है। क्या मंत्री जी बताएंगे कि लगभग चार लाख रूपया इससे क्यों वसूल नहीं किया गया?

चौधरी मेहर सिंह राठीः स्पीकर साहब, यह तो एक साल पहले का बकाया था। उसके बाद कितनी वसूली हो गई है

यह देखने की बात है। इन्होंने चूंकि एक साल पहले की इंफर्मेा न मांगी थी इसलिये यह सूचना दी गई।

श्रीमती सुशमा स्वराजः अध्यक्ष महोदय, यह जो सूची मंत्री महोदय ने सदन के पटल पर रखी है इसमें प्राईवेट फर्म्ज के अलावा कुछ पब्लिक अंडरटेकिंग्ज भी है जैसे हरियाणा रोड़वेज अम्बाला, कैथल, हिसार, रोहतक, गुड़गांव ओर हरियाणा डेरी डिवैल्पमैंट कार्पोरे न भिवानी आदि। प्राइवेट फर्म्ज से बकाया रा ि वसूल करने में तो इनकी दिक्कत हो सकती है लेकिन क्या मंत्री जी बताएंगे कि पब्लिक अंडरटेकिंग्ज से ये पैसा क्यों वसूल नहीं कर पाते?

चौधरी मेहर सिंह राठीः ये सरकारी फर्म्ज है। इनसे तो बुक ऐडजस्टमैंट होनी है। हो सकता है कि इस पैसे को राईट आफ भी करना पड़े। (ाोर)

Shrimati Sushma Swaraj: This is no reply. Speaker, Sir, are you satisfied with the reply given by the Minister to my supplementary?

श्री अध्यक्षः आर्डर प्लीज। बात तो यह है कि न तो आप सवाल सुनने देते है और और न सवाल का जवाब सुनने देते हैं। इन हालात में यह कहना मेरे लिए मु ि कल है कि प्रौपर जवाब नहीं आया because there were so much side-talks.

श्री बलदेव तायलः स्पीकर साहब, सूची में लिचाा है कि डालमिया दादरी सीमेंट फैक्टरी से..... (ाोर)

Mr. Speaker: Kindly listen to the questions and the replies calmly and there should be no interruptions.

श्री बलदेव तायलः स्पीकर साहब, मैं कह रहा था कि डिस्ट्रिक्ट भिवानी में डालमिया दादरी सीमेंट फैक्टरी हैं। इसकी तरफ 41,35,636 रूपये हरियाणा सेल्ज टैक्स के और 19,55,337 रूपये सैंट्रल सेल्ज टैक्स के बकाया है। क्या मंत्री जी बताएंगे कि यह एरियर कब से से पैंडिंग है और कब तक रिकवर हो जाएगा?

चौधरी मेहर सिंह राठीः स्पीकर साहब, यह फैक्टरी तो बंद हो गई है और लिक्वीडे ान में चली गई है। (विघ्न एवं भाोर)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, राठी साहब ने ठीक बताया, उन्होंने सुना नहीं। मैं दोबारा जवाब दे देता हूं । अध्यक्ष महोदय, डालमिया दादरी सीमेंट फैक्टरी दादरी एक साल से बंद पड़ी है। यह प्राईवेट फैक्टरी थी और दिवालिया निकाल कर मालिक चले गए और फैक्टरी बंद पड़ी है। भारत सरकार इसे टेक ओवर करने की बात सोच रही है। हमने भारत सरकार से इस संबंध में बात की है। दो हजार लेबर इसके बंद होने से बेकार बैठी है। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा अर्ज यह है कि इस फर्म के खिलाफ केवल यही पैसा बकाया नहीं है बल्कि 70–80

हजार रूपया बिजली बोर्ड का भी बाकी है। वह भी इससे वसूल करना है। बैंकों से भी इसने बहुत सा कर्जा ले रखा है। वह पैसा भी इसने देना है।

श्री मूल चंद जैनः मालगुजारी के रूप में क्यों नहीं वसूल करते?

चौधरी भजन लालः किससे वसूल करें? फर्म तो दिवालियां निकाल कर चली गई है। इसके अलावा स्पीकर साहब, बाबू मूल चंद जैन जी को भाायद ध्यान नहीं कि यह पैसा जब ये फाईनैंस मिनिस्टर थे उस वक्त से बाकी चला आ रहा है। (ाोर)

श्री मूल चंद जैनः स्पीकर साहब, मैं इनकी इस बात पर जोरदार प्रोटैस्ट करता हूं। किसी भी जिम्मेदार चीफ मिनिस्टर को इस तरह की बात कहना भाोभा नहीं देता कि आपके जमाने से यह पैसा बकाया चला आ रहा है। (ाोर) यह निहायत गैरजिम्मेदारी की बात है। (ाोर)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, क्या ये जिम्मेदारी की बात कर रहे है? (ाोर)

Mr. Speaker: Question is Hour is over.

तारांकित प्र न संख्या 1972 पर आधे घंटे की चर्चा की मांग

डा0 मंगल सैन: स्पीकर साहब, हइम इस आनसर से सैटिसफाइड नहीं है, इस सवाल पर हाफ एन आवर डिस्क ान होनी चाहिए। (ाोर)

Mr. Speaker: We have already spent 15 minutes on this question.

विरोधी पक्ष की ओर से आवाजें: इस पर हाफ एन आवर डिस्क ान होनी चाहिए (ाोर)

श्री मूल चंद जैन: स्पीकर साहब, यह मामला सिर्फ सवाल का नहीं है। यह मामला गवर्नमैंट की नीति का है। किस तरीके से दो दो हजार रूपया कर्जा वसूल करने के लिये लोगों को परेशान किया जाता है। वह तो मैं गवर्नर ऐड्रैस पर जब बोलूंगा उस समय तफसील में बताउंगा लेकिन इस सवाल पर आधे घंटे की डिसक ान जरूर होनी चाहिए। बिक्री कर के लिये आप एक आदमी के खिलाफ भी कार्यवाही नहीं करते। उनकी तरफ सरकार का लाखों रूपया बकाया पड़ा है।

स्वामी अग्निवे ा: स्पीकर साहब, यह बहुत गम्भीर मामला है। हमारे विपक्ष के नेता ने कहा है कि बड़ी अजीबों–गरीब हालत है कि गरीब किसानों को सख्त कानून के तहत जेलों में डाला गया है लेकिन दूसरी तरफ पूंजीपति और सरमायेदार लोग दिन–दहाड़े टैक्स की चोरी कर रहे है, बिजली की चोरी कर रहे है। लेकिन उनको कोई पूछने वाला नहीं है। मुख्य मंत्री जी के पास एक भी उदाहरण नहीं है कि किसी भी

पूंजीपति को जेल में डाला हो। इसलिये मेरी प्रार्थना है कि इस पर आधा घंटे की डिसक ान आप स्वीकार करें।

श्री अध्यक्षः इस सवाल के बारे में मेरा अपना विचार यह है कि काफी से ज्यादा डिस्क ान हो चुकी है। 15 मिनट से ज्यादा टाईम लग चुका है और जो जवाब आये है उनसे एटलीस्ट मैं तो सैटिसफाइड हूं। अगर कोई कोर्ट की तरफ से स्टे है, उस पर उचित कार्यवाही हो रही है। मेरे सोचने के तरीके से तो उचित कार्यवाही हो रही है। (ाोर) Further during the discussion on the Governor's Address and on the Budget, the hon. Members will get sufficient time to highlight any such points. Therefore, I do not see any necessity for half-an-hour discussion on this question. However, if the hon. Members feel agitated, they can give me a notice for half-an-hour discussion and I will consider that on merits. That is all I can promise that I will consider the notice on merits.

श्री सुरेंद्र सिंहः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। अध्यक्ष महोदय, यह क्लियर नहीं हुआ। चीफ मिनिस्टर साहब ने यह कह दिया कि कानून ऐसा है लेकिन लीडर आफ दि अपोजि ान ने कहा कि ऐसा कानून बना नहीं है। क्या इस किस्म का कोई कानून है या बजट सै ान में आ रहा है या पीछे इस कानून के तहत कोई कार्यवाही हुई है? यह बात क्लियर की जाये।

Mr. Speaker: This is no point of order.

श्री मूल चंद जैनः मैंने कहा था कि कानून बना हुआ है।

Mr. Speaker: What I understood from that was कि पुराना कोई कानून बना हुआ था जो इफैक्टिव नहीं था। उसको कारगर बनाने के लिये भाायद कोई अमैंडमैंट आयी हो।

श्री बलदेव तायलः स्पीकर साहब, इस पर आपने अपनी रूलिंग दे दी लेकिन हमारी प्रार्थना है कि दौबारा री–कंसिडर करके हाफ एन आवर डिस्क ान अलाउ कर दें तो बड़ी अच्छी बात होगी।

Mr. Speaker: I have already said that in my opinion it is not necessary. However, hon. Members can give a notice and I will consider it on merits.

Question Hour is already over.

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर।

Amount given to Industries by the Haryana Khadi and Village Industries Board

***2046. Shri Bhale Ram:** Will the Chief Minister be pleased to state the total amount given to various industries by the Haryana Khadi and Village Industries Board during the years 1979-80 and 1980-81 separately?

मुख्य मंत्री(चौधरी भजन लाल): विवरणी परिि ाश्ट ''क'' पर सदन के पटल पर प्रस्तुत है।

परिि ाश्ट ''क''

वर्श	अनुदान (लाखों में)	ऋण (लाखों में)
1979–80	12.29 रूपये	117.95 रूपये
1980–81	10.73 रूपये	43.50 रूपये
(फरवरी 1981 तक)		

Bus Stand at Uklana Mandi

***2066. Shri Jai Narain Verma:** Will the Minister for Transport be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a bus stand at Uklana Mandi; if so, the time by which the said bus stand is likely to be constructed?

परिवहन मंत्री (श्री जगन नाथ): सरकार इस मामले का निरीक्षण कर रही है। इस बारे में अभी निर्णय लिया जाना है। अतः इतना भीघ्र यह सूचित करना कठिन है कि इस बस स्टैंड के निर्माण में कितना समय लगेगा।

Nathpa Jhakri Project

***2013. Chaudhri Ram Lal Wadhwa:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state-

(a) the latest position of the agreement made between Haryana and Himachal Pradesh Governments regarding the construction of Nathpa-Jhakri Project in Himachal Pradesh be laid on the Table of the House; and

(b) the date by whcih the construction of this project is being started and the time by which it is likely to be completed together with the amount of expenditure involved, electricity production capacity and share of Haryana State in the power, Separately?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री(सरदार तारा सिंह):

(क) नाथपा झाखड़ी की ताजा स्थिति यह है कि केंद्रीय सरकार भी हरियाणा हिमाचल प्रोजैक्ट में 25 प्रति ात पूंजी लगा कर सांझीदा होगी तथा बिजली में 21 प्रति ात की हकदार होगी। हरियाणा और हिमाचल क्रम ाः 50 प्रति ात तथा 25 प्रति ात पूंजी लगायेंगे और क्रम ाः 42 प्रति ात तथा 37 प्रति ात बिजली प्राप्त करेंगे। यह त्रिपक्षीय समझौता इस सिद्धांत पर जल्दी की कार्यान्वित होगा।

(ख) इस प्रोजैक्ट का निवृति कार्य हाथ में ले लिया गया है और निर्माण कार्य जैसे ही भारत सरकार से औपचारिक अनुमोदन प्राप्त होगा जिस की इसी मास में आ ाा है, भुरू कर दिया जायेगा। यह प्रोजैक्ट 6 वर्श से 8 वर्श तक 533.3 करोड़

रूपये की लागत से जिसमें 79 करोड़ रूपये संचार–प्रणाली पर खर्च होंगे पूरा होगा। केंद्र संचार की 49 प्रति ात लागत सहन करेगा। पूरा होने पर नाथपा झाखड़ी प्रोजैक्ट 1020 मैगावाट उत्पादन के योग्य होगा और 4000 मिलियन यूनिट प्रति वर्श पैदा करेगा। हरियाणा राज्य 428.4 मैगावाट प्राप्त करने का हकदार होगा, जिसका मतलब है कि 1680 मिलियन यूनिट प्रतिवर्श प्राप्त करेगा।

Women died on account of bringing less dowry

***2045. Smt. Dr. Kamla Verma:** Will the Minister for Home be pleased to state-

(a) the district-wise number of women who committed or who were forced to commit suicide either for not bringing the dowry or for bringing less dowry during the period from 1966 to-date in the State; and

(b) the number of cases registered with the police against the persons involved together with the results thereof?

गृह मंत्री(श्री कन्हैया लाल पोसवाल):

(क) तथा (ख) इस प्र न के उतर को तैयार करने में जो मेहनत व समय लगेगा उसकी तुलना में इस से कोई खास लाभ होने की संभावना नहीं है।

अतारांकित प्र न एवं उतर

Irrigation facilities in Hassangarh Constituency

414. Chaudhri Sant Kanwar: Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state-

(a) whether there is any arrangment for the irrigation of land in the Hasangarh Constituency of Rohtak District; if so, the total acre age of land being irrigated at present; and

(b) the total acreage of cultivable land that is still Barani in the Constituency refered to in part (a)?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री(सरदार तारा सिंह)

(क) हां जी, यह क्षेत्र कई चैनलों द्वारा सिंचित हो रहा है। वर्श 1979–80 के दौरान 48812 एकड़ क्षेत्र नहरों द्वारा सिंचित किया गया था।

(ख) सूचना एकत्रित की जा रही है।

Civil Hospital, Rohtak

415. Chaudhri Sant Kanwar: Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to prevent the accumulation of water near the Civil Hospital, Rohtak during the rainy seasons; if so, the detaisl thereof?

स्वास्थ्य तथा पर्यटन मंत्री(चौधरी गजराज बहादुर नागर):

सामान्य अस्पताल रोहतक में पानी इक्ट्ठा होने से रोकने के लिए एक प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है। गंदे पानी को अस्पताल के अहाते से बाहर निकाल कर नगरपालिका के वर्तमान सिवर में डालने हेतु एस्टेट सीवरेज और पानी एकत्रित करने की टंकी के निर्माण हेतु 40 हजार रूपये के अनुमान पहले ही तैयार किया जा चुके है। आसपास की सड़को से अस्पताल के क्षेत्र में पानी के बहाब को रोकने हेतु 42,000 रूपये का एक अन्य अनुमान तैयार हो रहा है। इन अनुमानों के वर्श 1981–82 में स्वीकृत किये जाने की सम्भावना है।

Financial or other help to the industries

416. Chaudhri Sant Kanwar: Will the Chief Minister be pleased to state whether any financial or other help is being given or has so far been given by the Government to the following industries; if so, the details thereof-

(i) Atlas Cycles, Sonepat.

(ii) B.S.T. Gannaur, Sonepat.

(iii) Good-year Tyres, Faridabad.

(iv) Escort Tractors, Faridabad

(v) Jindal Pipes, Hissar and

(vi) E.C.E. Bahalgarh Road, Sonepat?

मुख्य मंत्री(चौधरी भजन लाल): एक विवरणी जिसमें वांछित सूचना दी गई है, सलंग्न है।

विवरणी

1. एटलस साईकल्ज सोनीपत

हरियाणा वितीय निगम ने 16–7–1975 में मै0 एटलस आटो साईकल सोनीपत को 11.00 लाख रूपये की रा ाि स्वीकार की थी। उपरोक्त स्वीकृत ऋण मैं से 5.86 लाख रूपये की रा ाि कम्पनी को वितरण कर दी गई थी और बाकी की रा ाि रदद कर दी गई। 30–9–80 को बकाया 2.70 लाख रूपये था। वह कम्पनी एटलस साईकिल लि0 के साथ मिल गई थी। उद्योग विभाग की ओर से इस कम्पनी को कोई और सुविधा/सहायता नहीं दी गई।

2. बी0 एस0 टी0 गन्नौर

भूतपूर्व पंजाब सरकार ने 1962 में स्टील टयूब्ज प्रोजैक्ट स्थापित करने के लिये 129.11 एकड़ भूमि अभिग्रहण की थी। इसी कम्पनी के लिये स्टील स्ट्रीप्स मिल प्रोजैक्ट स्थापित करने के लिये मई 1969 से 63.48 एकड़ भूमि अभिग्रहण की गई थी। भूमि के मालिकों को उचित मुआवजा कम्पनी द्वारा सरकार के माध्यम से दिया जा चुका है।

एक अन्य सुविधा अर्थात 50 प्रति ात अनुदान फिजीबिलिटी स्टडीज/रिपोर्ट तैयार करने हेतु मै0 भारत स्टील टयूब्ज गन्नौर को 31–3–1970 को 75,000/– रूपये दिये गये।

भूतपूर्व पंजाब सरकार ने मै0 भारत स्टील टयूब्ज लि0 गन्नौर के भोयार कैपीटल में मार्च 1964 में 39,38,000/– रूपये के भोयरज का निम्मांकन किया था। इस कम्पनी में जो सरकार द्वारा कुल निवे ा किया गया है वह 54,77,500/–रूपये है।

3. गुडईयर टायर्ज फरीदाबाद

भूतपूर्व पंजाब सरकार ने वर्श 1960 में गुडईयर टायर व रबड़ कम्पनी लि0 बल्लभगढ़ के लिये 78 एकड़ 3 कनाल 1 मरला भूमि अधिग्रहण की थी। कम्पनी को उन द्वारा मुआवजा भूमि मालिकों को सरकार के माध्यम से दिये जाने पर भूमि का कब्जा दे दिया गया था। इसके इलावा कम्पनी को उद्योग विभाग की ओर से कोई सुविधा/सहायता नहीं दी गई।

4. एसकोर्ट ट्रैक्टर्ज फरीदाबाद

भूतपूर्व पंजाब सरकार द्वारा मैं0 एसकोर्ट ट्रैक्टर्ज लि0 फरीदाबाद के लिये नवम्बर, 1965 में 67 कनाल एक मरला भूमि अभिग्रहण की गई थी यह भूमि ट्रैक्टर बनाने के लिये प्लांट स्थापित करने के लिये अभिग्रहण की गई थी। भूमि मालिकों को उपयुक्त मुआवजा कम्पनी द्वारा राज्य सरकार के माध्यम से दे दिया गया था। इसके अलावा कम्पनी को उद्योग विभाग की ओर से कोई सुविधा/सहायता नहीं दी गई।

5. जिन्दल पाईप्स हिसार

जिंदल पाईप्स नाम की कोई यूनिट हिसार में नहीं है। लेकिन दो औद्योगिक ईकाइयों जिनका नाम कम ाः मै0 जिन्दल इंडस्ट्रीज लि0 तथा मैं0 जिन्दल स्ट्रीपस लि0 है उनको कम ाः 8,10,625/– रूपये तथा 1,31,650/–रूपये की रा ि ा भारत सरकार की ओर से प्रचलित 10 प्रति ात से 15 प्रति ात केंद्रीय अनुदान स्कीम के अन्तर्गत केंद्रीय निवे ा अनुदान के रूप में दिये गये है।

6. ई0 सी0 ई0 बहालगढ़ रोड सोनीपत

इस इकाई को उद्योग विभाग की ओर से कोई सुविधा/सहायता नहीं दी गई है।

Deaths of patients in the Medical Collage Hospital, Rohtak.

417. Chaudhri Sant Kanwar: Will the Chief Minister be pleased to state the number of persons who died while under treatment in the Medical College Hospital, Rohtak during the years 1979&80 and 1980&81 todate, separately?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): वांछित सूचना प्रत्येक वर्श अनुसार निम्न प्रकार है:–

वर्श	मृत रोगियों की संख्या

1979	1735
1980	1760
1981 (28—2—81 तक)	274

Recruitment of Police Constables in the State

410. Shri Bhale Ram: Will the Home Minister be pleased to state-

(a) the district-wise number of Police Constables recruited during the month of December, 1980, in the state; and

(b) the district-wise totral number of the Police Constables out of those referred to in part(a) above belonging to Scheduled Castes and Backward Classes?

Home Minister(Shri Kanahiya Lal Poswal):

(a) The district-wise number of Police Constable recruited during the month of December, 1980 is as under:-

Ambala	6
Karnal	
Kurukshetra	

Jind	Nil
Hissar	Nil
Narnaul	Nil
Bhiwani	Nil
Sirsa	Nil
Gurgaon	Nil
Faridabad	Nil
Sonepat	Nil
Rohtak	Nil

(b) The district-wise total number of Police Constables out of those referred to in part (a) above belonging to Scheduled Castes and Backward Classes is as under:-

Name of the District	Scheduled Caste	Backward Class

Ambala	-	4
Karnal	1	-
Kurukshetra	-	-
Jind	-	-
Hissar	-	-
Narnaul	-	-
Bhiwani	-	-
Sirsa	-	-
Gurgaon	-	-
Faridabad	-	-
Sonepat	-	-
Rohtak	-	-

Primary Health Centres in District Sonepat

411. Shri Bhale Ram: Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) the names of blocks in district Sonepat where Primary Health Centres exist; and

(b) whether there is any proposal under consideration of the Government to open Primary Health

Centres in those Blocks where the above said centres do not exist at present?

स्वास्थ्य तथा पर्यटन मंत्री(चौधरी गजराज बहादुर नागर):

(क) जिला सोनीपत के विकास खंडों जिन में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र है, के नाम निम्न प्रकार से है:—

1 गोहाना

2 गन्नौर

3 मुडलाना

4 राई

5 सोनीपत

6 खरखौदा

(ख) जी हां।

House Building Grants for the Harijans in the State

412. Shri Bhale Ram: Will the Minister for Transport be pleased to state the number of Harijans families in the State to whom a grant of Rs. 2,000 was given by the Welfare Department for the construction of Houses during the year 1979-80 in the State?

लोक निर्माण राज्य मंत्री (श्रीमती भाकुन्तला भगवाड़िया): भाून्य

Expenditure incurred on furnishing the residence and office of the Chairman Haryana Khadi and Village Industries Board

420. Shri Bhale Ram: Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) the expenditure incurred on furnishing the residence and office of the Chairman, Haryana Khadi and Village Industries Board from the date the present Chairman took over to 31-12-1980, separately; and

(b) whether it is a fact that the use of Khadi for the purpose referred to above is compulsory under the rules of the Khadi Board; if so, whether the cloth purchased for furnishing the office and residence of the Chairman of the Board is khadi or other cloth?

मुख्य मंत्री(चौधरी भजन लाल):

(क) निवास स्थान पर कोई खर्च नहीं किया गया। तथापि अध्यक्ष खादी तथा ग्रमोदयोग बोर्ड के कार्यालय की सजावट पर 31—12—1980 तक रूपये 4310—45 की रा ि । खर्च की गई है।

(ख) ऐसा कोई नियम नहीं है। तथापि अध्यक्ष खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड के कार्यालय की सजावट के लिये हैंडलूम का कपड़ा खरीदा गया था।

Justice Dulat Commission Report

422. Chaudhri Ude Singh Dalal, Shri Hira Nand Arya: Will the Chief Minister be pleased to state the action taken by the Government on the report of Justice Dulat Commission in connection with the M.D. University?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): आयोग की रिपोर्ट तथा उस पर राज्य सरकार द्वारा की गई कार्यवाही का ज्ञापन, हरियाणा विधान सभा के सम्मुख इसके पिछलें सत्र में रख दिए गए थे।

T.A. drawn by officers in the Social Welfare Department

423. Shri Mool Chand Jain: Will the Minister of State for Social Welfare be pleased to state the total amount of travelling allowance (T.A.) drawn by the various officers in the Social Welfare Department on account of official tours during the years 1979-80 and 1980-81 to-date?

लोक निर्माण राज्य मंत्री(श्रीमती भाकुन्तला भगवाड़िया): सूचना विधान सभा के पटल पर रखी जाती है।

समाज कल्याण विभाग के मुख्यालय पर कार्य कर रहे राजपत्रित एव अराजपत्रित अधिकारियों द्वारा अपने सरकारी दौरे के

दौरान वर्श 1979–80 एवं 1980–81 में ड्रा किए गए यात्रा भत्ते के आंकड़ों का वर्णन इस प्रकार है:–

	1979–80	1980–81
राजपत्रित अधिकारी (श्रेणी I एवं II)	6563.00	8802.20
अरातपत्रित अधिकारी (श्रेणी 111)	4001.45	6501.75
कुल जोड़	10564.45	15303.95

T.A. drawn by the officers in the Forest Department

424. Shri Mool Chand Jain: Will the Minister of State for Forest be pleased to state the total amount of travelling allowance drawn by the various officers in the Forest Department on account of official tours during the years 1979-80 and 1980-81 to-date?

सिंचाई तथा बिजली राज्य मंत्री(श्री देवेंद्र भार्मा): वन विभाग के विभिन्न अधिकारियों द्वारा सरकारी दौरों के लिये प्राप्त किया गया कुल यात्रा भता आपेक्षिक अवधि के लिये निम्न प्रकार है:–

(i)	1979–80	रूपये	98,274.95

(ii)	1980–81 (अब तक)	रूपये	1,04,774.65

T.A. drawn by the officers in the General Administration Department

425. Shri Mool Chand Jain: Will the Chief Minister be pleased to state the total amount of travelling allowance drawn by various officers in the General Administration Department on account of official duty to various places during the years 1979-80 and 1980-81 to-date?

मुख्य मंत्री(चौधरी भजन लाल): सूचना इक्ट्ठी करने में जो समय तथा परिश्रम लगेगा उससे कोई वि ोश लाभ न होगा।

T.A. drawn by officer in the Home Department

426. Shri Mool Chand Jain: Will the Minister for Home be pleased to state the total amount of travelling allowance drawn by the various officers in the Home Department on account of official tours during the years 1979-80 and 1980-81 to-date?

गृह मंत्री(श्री कन्हैया लाल पोसवाल):

1979–80	रूपयें	2078.95
1980–81	रूपयें	2499.50

Members of the Haryana State Electricity Board

418. Chaudhri Jagjit Singh Pohloo: Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state the names of the Members of the Haryana State Electricity Board alongwith their academic qualifications together with their permanent and present residential address?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री(सरदार तारा सिंह): एक सूची जिसमें हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड के सदस्यों की भौक्षणिक योग्यतायें, उनके स्थाइ पते और वर्तमान आवासीय पते द र्ाए गए है, अनुलग्नक ''ए'' पर सलंग्न है।

''अनुलग्नक ए''

हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड के सदस्यों के नाम, योग्यताएं और स्थाई तथा वर्तमान आवासीय पते द र्ाते हुए की सूची।

क्रम संख्या	नाम तथा पद	भौक्षणिक योग्यता	स्थाई पता	वर्तमान रहने वाली जगह का पता
	सर्वश्री			
	एचः सीः खन्ना, अध्यक्ष	बीः एः(आनर्स) एमः एः (अंग्रेजी साहित्य) और	ए–2 निजामुदीन ईस्ट (पूर्व) नई दिल्ली	मः नः 768, सैक्टर–8 हरियाणा राज्य बिजली

		फैलो कारनैल वि ववविद्यालय		बोर्ड (अतिथि गृह) चंडीगढ़
	आरः केः सिंगल, सदस्य तकनीकी (परिचालन)	एफः एसः बीः बीः एसः सीः (विद्युत एवं म ीनरी) इंजीनियरिंग (बनारस)	नवल निवास, फतेहगए पूर्व जिलाः बरेली (उतरप्रदे ा)	मः नः 61, सैक्टर–27–ए, चंडीगढ़
	केः एनः भाटिया, सदस्य तकनीकी (उत्पादन एवं प्रोजैक्ट)	एफः एसः सीः, बीः एसः सीः (विद्युत एवं म ीनरी इंजीनियरिंग, बनारस)	60/25 रोहतक रोड़, करौल बाग, नई दिल्ली	मः नः 437, सैक्टर 37/ए चंडीगढ़
	जिया लाल जैन, सदस्य चारटर्ड अकाउंटैंट (वित एवं लेखा)		9 6 माडल बस्ती नई दिल्ली, 5	मः नः 1152, सैक्टर 15 बी, चंडीगढ़

	रामजी लाल, अंाकालिक सदस्य	उपलब्ध नहीं है	गांव और डाकखाना कुरड़ी, जिला हिसार	मार्फत मैसर्ज अर्जुन लाल रामजी लाल, कपड़ा विक्रेता, गांधी चौक, हिसार।
	गनपत राय, अंाकालिक सदस्य	बीः एः एलः एलः बीः	भूतपूर्व विधायक काठमंडी (दादरी)	भूतपूर्व विधायक काठ मंडी (दादरी)
	राज कुमार, वकील, अंाकालिक सदस्य	बीः एः एलः एलः बीः	बी ए–5 प्रेम नगर एटलस रोड (सोनीपत)	ए–5 प्रेम नगर एटलस रोड (सोनीपत)

Chairman of the CONFED

419. Chaudhri Jagjit Singh Pohloo: Will the Minister for Co-operation be pleased to state the name of the Chairman of the CONFED with his academic qualification and full address?

सहकारिता तथा योजना मंत्री(ठाकुर बीर सिंह): श्री रामजी लाल पुत्र श्री सेवा राम गांव डा0 कुरड़ी, जिला हिसार। उनकी भौक्षणिक योग्यता एफ0 ए0 है और वह पिछड़ी जाति से संबंध रखता है।

अध्यक्ष द्वारा घोशणा–

श्री रण सिंह मान, एम0 एल0 ए0 की रिहाई संबंधी।

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज, मुझे हरियाणा विधान सभा के रूल्ज आफ प्रोसीजर एंड कंडक्ट आफ बिजनैस के रूल 282 के तहत यह सूचित करना है कि मुझे अधीक्षक जिला जेल भिवानी से सूचना प्राप्त हुई है कि श्री रण सिंह मान एम 0 एल0 ए0 को 9 मार्च, 1981 को इस जेल (जिला जेल भिवानी) से 9–3–1981 को जमानत पर रिहा कर दिया गया है।

श्री बलदेव तायलः आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। स्पीकर साहब, कल एक बड़ी अनौमली हाए में कियेट हुई। प्रिविलेज कमेटी की हाउस में दो रिपोर्ट्स पे ा की गई। एक कमेअी के दो एक्टिंग चेयरमैनों ने रिपोर्टस पे ा की। एक रिपोर्ट स्वामी आदित्यवे ा ने पे ा की और दूसरी चौधरी रण सिंह ने पे ा की। यह थोड़ा सा कन्फ्यूजन है, इसको अगर क्लियर कर दें तो बड़ी मेहरबानी होगी।

Mr. Speaker: I will certainly clear it. जब भ्ारू में प्रिविलेज कमेटी बनी तो मैंने सरदार लक्षमन सिंह को चेयरमैन

नोमीनेट किया था। मिनिस्टर बनने के बाद वे अस्तीफा दे गये। कमेटी का समय बहुत कम रह गया था और इधर से बजट सै ान भी आ रहा था। मैंने नय चेयरमैन बनाना उचित नहीं समझा। मीटिंग में आपस में मैम्बरान ही डिसाइड करते है कि इस मीटिंग के लिए फलां एक्टिंग चेयरमैन होगा। अब मैं नहीं कह सकता कि उस मीटिंग में जो मैम्बर थे उन्होंने किस आधार पर स्वामी आदित्यवे ा को एक्टिंग चेयरमैन बनाया और किस आधार पर चौधरी रण सिंह जी को बनाया।

Shri Baldev Tayal: Thank you, Sir.

चौधरी राम लाल वधवाः मेरी प्रार्थना है कि मेरा 2013 नम्बर क्वै चन बड़ा इम्पोर्टैंट था जो नाथपा झाखड़ी के विशय में था। वह टेक अप नहीं हो सका। (ाोर)

श्री अध्यक्षः अब टाईम खत्म हो गया। यह कोई नयी चीज नहीं है।

चौधरी राम लाल वधवाः हमने नोटिस दिया है। 27 मैम्बरों के दस्तखत है। सारे अपोजी ान के मैम्बर है, जिन्होंने दस्तखत किये है। स्पीकर साहब एग्रीमैंट चेज हो रहा है। (ाोर) इस सवाल पर हाफ एन आवर डिस्क ान होनी चाहिए।

श्री अध्यक्षः आप बैठिए।

चौधरी राम लाल वधवा: स्पीकर साहब 27 मैम्बरों ने दस्तखत करके नोटिस दिया है। यह सारी स्टेट का मामला है। (ाोर)

Mr. Speaker: This is not the place to make that request. Please come to my Chamber. वैसे जिस दिन के बिजनैस के लिए जो सवाल लिसट पर होते है, उनके बारे में मैं हर किस्म का प्रयत्न करता हूं कि वह लिस्ट पूरी हो जाये यानी सभी सवाल आ जायें लकिन एक साइड पर मैम्बर एजिटेटिड फील करते है जब सवाल ओरल आनसर के लिए नहीं आ पाता और दूसरी तरफ एक एक सवाल पर दस–दस, बारह–बारह सप्लीमैंटरी करते है चाहे वे मेन सवाल से संबंधित हां या न हों। उनके लिए भी एजीटेट करते है और मुझे वे एउमिट करने पड़ते है। या तो आप मेरे को अपना व्यू दे दीजिए कि हम भी ऐसा कर लें जिस प्रकार से लोक सभा में है कि एक सवाल पर दो सप्लीमैंटरी होंगी। एक सवाल पूछने वाला कर सकता हैं और एक दूसरा कोइ और मैम्बर कर सकता है ऐसा करने से we may be able to cover all the questions on the list. फिर भी अगर कोई सवाल रह जाता है और उसके लिए हाफ एन आवर डिस्क ान की मांग करें तो I can consider that on merits.

चौधरी राम लाल वधवा: मैं रूल 57 की तरफ आपका ध्यान दिलाना चाहता हूं तथा आपसे गुजारि ा करना चाहता हूं। (ाोर)

Mr. Speaker: No please. If there is some particular thing, please come to my Chamber and discuss it. House is not the place for making that request.

वाक आऊट

चौधरी हुक्म सिंहः स्पीकर साहब, मैंने एक एउजर्नमैंट मो ान दी थी, उसको आने रिजैक्ट कर दिया है। वैसे तो मैं आपके हुक्म का सम्मान करता हूं लेकिन यह बड़ा गम्भीर मामला है। वहां पर लोग भूख हड़ताल पर बैठे हुए है। पुलिस ने लाठी और गोलियां चलाई। (ाोर)

श्री अध्यक्षः जो एडजर्नमैंट मो ान रिजैक्ट कर दी गई है, उसके बारे में यहां पर कुछ नहीं पूछा जा सकता। (ाोर)

चौधरी हुक्म सिंहः मामला बड़ा गम्भीर है। किसान बेचारे बिजली की वजह से दुःखी हो रहे है।

श्री अध्यक्षः जहां तक पावर की भाार्टेज का संबंध है उसके बारे में पांच काल अटैं ान मो ान मैंने एडमिट कर रखे है। क्योंकि मुझे भी पता है कि उससे हमारे किसानों के लिए मुसीबत पैदा हुई है। लेकिन अब मुझे यह भी पता चला हे कि आजकल स्ट्राइक खत्म होने के बाद बिजली की हालत काफी हद तक सुधर चुकी है। (ाोर)

चौधरी गंगा रामः स्पीकर साहब, यह बिजली का सवाल नहीं है। (ाोर)

चौधरी संत कंवरः कांग्रेस के एक मैम्बर ने स्चयं कहा है कि तीन घंटे से ज्यादा बिजली किसानों को नहीं दी जा रही है। (ाोर)

चौधरी राम लाल वधवाः यह बिजली का नाम ले कर..... .....(ाोर)

श्री अध्यक्षः जो चीज मैं डिस–अलाऊ कर चूका हूं उस पर दोबारा डिस्क ान नहीं हो सकती। If you want to say anything you can come and see me in my Chamber. (Interruptions) आनरेबल मैम्बर्ज मुझे चार काल अटैं ान मो ान सर्वश्री राम लाल वधवा, हरस्वरू प बूरा, बीरेंद्र सिंह तथा श्रीमती सुशमा स्वराज एम0एल0एज0 साहेबान की ओर से बिजली की कमी और उसमें चोरी की वजह से पब्लिक में पैदा हुई दिक्कत के बारे में प्राप्त हुए है। मैं उनको कन्सीलिडेट करके एडमिट करता हूं। अब चौधरी राम लाल वधवा जी नोटिस पढ़ दें। (ाोर)

चौधरी गंगा रामः स्पीकर साहब, मेरा भी एक काल अटैं ान मो ान था। (ाोर)

श्री अध्यक्षः मैं माननीय सदस्यों से निवेदन करूंगा कि जिन विशयों पर मैं अपनी रूलिंग दे चुका हूं, उनके बारे में इस वक्त कोइ बात करना ठीक नहीं हैं। आप मेरे चैम्बर में आ जाएं वहां पर मैं बात कर लूंगा।

चौधरी हुक्म सिंहः हम एज ए प्रोटैस्ट वाक आऊट करते है।

(इस समय सर्वश्री हुकम सिंह तथा संत कंवर सदन से वाक आऊट कर गए)

चौधरी गंगा रामः स्पीकर साहब, कल घरोंडा के अन्दर 10 हजार किसानों पर लाठियां/गोलियां चलाई.....गई (ाोर)

श्री अध्यक्षः क्या आपने इसका नोटिस दिया है? (ाोर)

चौधरी गंगा रामः मैंने अपना काल अटैं ान मो ान दिया था। (ाोर)

श्री अध्यक्षः अगर आपने काल अटैं ान मो ान दिया है तो मैं उसको कंसीडर करूंगा। आप उस काल अटैं ान मो ान की यहां इतनी क्यों वकालत करते हों? (ाोर)

चौधरी गंगा रामः स्पीकर साहब, वहां पर किसानों के ऊपर लाठी चार्ज किया गया, उनके साथ ज्यादती की गई। (ाोर)

श्री अध्यक्षः अब राम लाल वधवा जी अपना नोटिस पढेंगे।

श्री बीरेंद्र सिंहः स्पीकर साहब, मेरी एक बहुत इम्पोर्टैंट बात रह गई है। मेरी एक एडजर्नमैंट मो ान थी। हांसी के एक

आदमी ने सिर्फ तीन हजार रूपये का कर्जा गोबर गैस प्लांट लगाने के लिए ले रखा था। वह आदमी रैवेन्यू लाक–अप के अन्दर मार दिया गया। जबकि यहां करोड़ों रूपये का घपला किया गया है मगर इनके खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं हो रही। (ाोर)

Mr. Speaker: That adjournment motion has been disallowed by me. बड़े अफसोस की बात है कि किसी आदमी की डैथ हो गई। But that is not a sufficient cause to adjourn the business of the House during the Budget Session. इस प्वायंट को रेज करने के लिए बसजट सै ान में आपको सफीि ायेंट अपरच्युनिटीज मिलेगी।

चौधरी राम लाल वधवा: स्पीकर साहब, इस को काल अटैं ान मो ान में बदल दीजिए। (ाोर)

Mr. Speaker: For that you please come and see me in my Chamber.

ध्यानाकर्शण सूचना

बिजली की कमी तथा चोरी के परिणामस्वरूप जनता को असुविधा होने तथा इसका अर्थव्यवस्था पर प्रभाव पड़ने संबंधी।

Mr. Speaker: Mr. Ram Lal, now you may please read out call attention motion, which has been admitted in a

consolidated form, regarding shortage and theft of electricity etc.

@ Chaudhri Ram Lal Wadhwa

Chaudhri Har Swarup Bura

Shri Verender Singh

Smt. Sushma Swaraj.} I want to draw the attention of this august House towards the matter of an urgent public importance that the power (electricity) condition in the State of Haryana is becoming worst day by day. The agricultural and industrial sectors are badly affected due to non-availability of power. The generation of electricity is day by day decreasing due to in-efficiency and mis-management of Haryana Government and the Haryana State Electricity Board. The situation has become so grave that the people in Haryana are living in darkness. Even the drinking water is not available to the citizens due to non-supply of electricity to the water works. Thermal Plants of Panipat and Faridabad are not working properly due to mismanagement. technical defects and shortage of coal. The scarcity of power is badly affecting the agricultural and industrial production and the economy of the State is shaken. The supply of power from all sources had been reduced to about 40 lakhs units per day against a requirement of 130 lakhs units. Even this decreased supply is irregular and no one knows when the power will come. The Bhakra Management Board is also diverting power to other States i.e. Jammu and Kashmir, etc., from the quota of Haryana, and the Haryana Government and the Electricity

Board, Haryana has hopelessly failed to watch and safe-guard the interests of the people of Haryana.

Further, the power crisis has proved a cruse to the farming in Haryana particularly in the drought prone areas and generally in all of the State. Crops of wheat, gram and sarson are withering out due to the acute shortage of power. The above said crops will be completely ruined if the present power situation does not improve. The farmers be ensured supply of sufficient power immediately to provide atleast one water to the withering crops.

Special measure to supply adequate power to agricultural purposes for longer period be adopted particularly in the areas where crops are withering out due to non-availability or inadequacy of power and where the canal water facilitiesa are quite meagre.

Jui feeder which has not been running for the last one and a half month because of complete non-supply of power to the lift system installed on the same canal to lift the running water. This failure of running of water has caused a wide spread devastation in about 30 villages of three constituencies namely, Meham, Jullana and Mundhal. The standing crops of wheat, sarson, and gram of these villages are withering out. There is no provision like tubewells etc. to irrigate the standing crops. The State Govt. is requested to direct the Irrigation Department to discharge the required water in this canal immediately. This is possible only if there is a regular and adequate supply of power to the lift system of this cananl.

The present power crisis has also affected the housewise. All the electric implements to be used in the house and in kitchen have become useless due to non-availability of electricity throughout the day. Whereas the production of industrial units are decreasing due to the non-availability of electricity and the labourers are also becoming victims of the problems like lay off and retrenchment. The utencils industry of Yamunanagar and the science industry of Ambala are about to wreck. At the first instance electricity is not available and if it is available at all it is supplied at intervals and one does not understand that at what time the labourers be called to work and at what time they may be permitted to leave. At such a critical time thedecision adding fuel to the fire. "The electricity might be available or not but has caused more resentment amongst the people. Inspite of the announcement made by the State Government for changing this decision the bills are being realised at enhanced rates. People have shown their resentment even on the roads against the cut on electricity an denhancement of th electricity rates. But no effective steps have been taken by the Government to solve this problem.

Moreover, the recent survey conducted by the HSEB. One of the reasons may be due to the sluggish meters used by the industrialists in different parts of the State of haryana i.e. Sonepat, Yamumanagar, Jagadhri and Bahadurgarh. Even the civil hospitals are without power supply throughout the day and as a result of which urgent operations have to be postponed. Patients are dying for want of operations which are not performed because of lack of electricity. Even the students community find it difficult to

cope up with their studies which they have to make as the final examinations are at hand. The distribution is altogether defective and effected the various sectros of the economy.

If the present power crisis continues it will amount unrest among farmers, industrialists, labourers, students and the people of the whole State of Haryana, which may worsen the law and order situation. The regular and sufficient supply of electricity amy be made to agricultural sector, industrial, hospitals, education, drinking water and domestic purpose and the supply should be in day light maximum. They request the State Government to reply as soon as possible during the present budget session.

डा0 मंगल सैनः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। स्पीकर साहब, जब मैं सदन में आया तो मेरी मेज पर एक पम्फलट पड़ा हुआ पाया गया। इस के अन्दर आसाम की स्थिति के बारे में भी लिखा है। मैं आपकी रूलिंग चाहता हूं कि क्या आसाम के बारे में कोई भी मैटर सदन में लाया जा सकता है और क्या यह पम्फलैट आपकी इजाजत से यहां रखा गया है? अगर रखा गया है तो मैं आपका ध्यान रूल्ज की तरफ दिलाना चाहता हूं। (ाोर)

(इस समय विरोधी पक्ष के कई मैम्बर पम्फलैट की कापियां लहराने लगे।) (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: I have no knowledge of it as to who has placed it on the Tables?

विरोधी पक्ष की ओर से आवाजें: स्पीकर साहब, यह कैसे रखा गया है?

Mr. Speaker: If this pamphlet has been placed on any-body's Table, it has been done without my permission. Therefore, I cannot take cognizance of it. I will enquire into the matter as to who and how it has been placed on the Tables.

चौधरी गंगा राम: यह तो सर, बंडल में इक्ट्ठे बंधें हुए है।

श्री अध्यक्ष: चौधरी गंगा राम जी, उस बात को रिपीट करके मुझे एजुकेट करना आप को भाोभा नहीं देता। मैंने रूलिंग दे दी है कि यह चीज मेरी इजाजत के बगैर रखी गयी है, आगे से ऐसी कार्यवाही नहीं होगी?

मुख्य मंत्री(चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय यह भी हो सकता है कि इन्होंन ही रखा हो।

श्री वीरेंद्र सिंह: हम कहां से ले आये? (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: Would the Hon'ble Minister like to make a statement on the Call Attention motion read out by Chaudhri Ram Lal Wadhwa, today or later?

Irrigation and Power Minister(Sardar Tara Singh): Sir, I will make a statement tomorrow.

श्री मूलचंद जैनः सर, मैंने भी एक काल अटैं ान मो ान का नोटिस दिया है। कल घरौंडा में एक 302 का केस दर्ज हुआ है और उन्हें पुलिस अफसर का गिरफतार किया गया है। लोगों की मांग है कि.....

Mr. Speaker: Babu ji, it has been received in the office at 9.30 a.m. today. I have not seen it so far. The office will deal it and then I will examine it when it comes to me.

श्री मूलचंद जैनः मेरी अर्ज यह है कि उस काल अटैं ान मो ान को एडमिट किया जाये ताकि लोगों के सामने फैक्ट्स आ सकें।

श्री अध्यक्षः बाबू जी, वह अभी तक मेरे पास नहीं पहुंचा है।

सदन की मेज पर रखे गए कागज पत्र

श्री अध्यक्षः अब एक मंत्री महोदय डबवाली में हुई घटना के संबंध में जांच आयोग की रिपोर्ट पे ा करेंगे।

वित मंत्री(चौधरी खुर ाीद अहमद): मैं जांच आयोग अधिनियम 1952 की धारा 3 (4) के अधीन की गयी अपेक्षा के अनुसार डबवाली में भीला देवी (पत्नी श्री नफे सिंह) के अभिकथित बलात्कार की घटना, किन परिस्थितियों में उसकी मृत्यु हुई तथा 13 से 16 जुलाई, 1980 की अवधि के दौरान डबवाली में लोगों के समूह पर पुलिस द्वारा गोली चलाए जाने की घटना की

जांच करने के लिए श्री प्रित पाल सिंह, जांच आयोग द्वारा दी गयी जांच रिपोर्ट तथा उस पर की गयी कार्यवाही का ज्ञापन मेज पर रखता हूं।

चौधरी गंगा रामः स्पीकर साहब, इस रिपोर्ट के आने के बाद सरकार को इस्तीफा दे देना चाहिये वरना इस सरकार को बरखास्त कर देना चाहिये। यह रिपोर्ट सरकार के ऊपर कलंक है। इसने लाल चेहरे को काला कर दिया है। (व्यवधान व भाोर)

चौधरी राम लाल वधवाः अध्यक्ष महोदय, इस रिपोर्ट पर डिस्क ान अलाऊ की जाये।

श्री अध्यक्षः आप मुझे नोटिस दीजिए।

डा0 मंगल सैनः हमने तो आलरैडी नोटिस दे दिया है। (ाोर)

Mr. Speaker: No interruptions please. अब एक मंत्री हरियाणा लैजिस्लेटिव असैम्बली (फैसिलिटीज टू मैम्बर्ज) अमैंडमैंट बिल पे ा करेंगे।

Dr. Mangal Sein: Discussion may be allowed on this Report, Sir. (Interruptions).

Mr. Speaker: Dr. Sahib, please sit down. No interruptions please.

बिल्ज (इंट्रोड्यूसड–सदन की अनुमति से)

(i) दि हरियाणा लैजिस्लेटिव असैम्बली (फैसिलिटीज टू मैम्बर्ज) अमैंडमैंट बिल, 1981

वित मंत्री(चौधरी खुर ाीद अहमद): मैं प्रस्ताव करता हूं कि–

हरियाणा विधान सभा (सदस्य–सुविधा) सं ाोधन विधेयक, प्रस्तुत करने की अनुमति दी जाये।

श्री अध्यक्ष: प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ कि–

दि हरियाणा लैजिस्लेटिव असैम्बली (फैसिलिटीज टू मैम्बर्ज) अमैंडमैंट बिल प्रस्तुत करने की अनुमति दी जाये।

श्री अध्यक्ष: प्र न है कि–

दि हरियाणा लैजिस्लेटिव असैम्बली (फैसिलिटीज टू मैम्बर्ज) अमैंडमैंट बिल प्रस्तुत करने की अनुमति दी जाये।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

वित मंत्री(चौधरी खुर ाीद अहमद): स्पीकर साहब, अब मैं बिल प्रस्तुत करता हूं।

(ii) दि हरियाणा स्टेट लैजिस्लेटिव (प्रिवैन् ान आफ डिस्कवालीफिके ान) अमैंडमैंट बिल, 1981

वित मंत्री(चौधरी खुर ाीद अहमद): अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं कि–

हरियाणा राज्य विधान–मण्डल (निरर्हता–निवारण) सं ाोधन विधेयक प्रस्तुत करने की अनुमति दी जाये।

श्री अध्यक्ष: प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ कि–

दि हरियाणा स्टेट लैजिस्लेचर (प्रवैं ान आफ डिसक्वालीफिके ान) अमैंडमैंट बिल प्रस्तुत करने की अनुमति दी जाये।

चौधरी राम लाल वधवा(करनाल): सर, इस बिल की इंट्रोडक ान के बारे में मुझे सिर्फ इतना ही कहना है कि इसके बारे में पहले एक आर्डीनैंस इ ाू हुआ था, उसकी डिस–एप्रूवल का नोटिस मैंने दे रखा है। अब यह बिल इंट्रोडक ान के लिये आया है, मैं इसका विरोध करता हू। मैं चाहता हूं कि यह इंट्रोडयूस न किया जाये क्योंकि मैंने पहले ही इसकी डिस–एप्रूवल का नोटिस दे रखा है। या तो इ स बिल की इंट्रोडक ान को और आर्डिनैंस की डिस–एप्रूवल के नोटिस को इक्ट्ठा ही ले लिया जाये और इन दोनों पर इक्ट्ठे ही डिस्क ान हो जाये वरना मैं इस बिल की इंट्रोडक ान का विरोध करता हूं।

Mr. Speaker: Chaudhri Ram Lal Ji, would you like to speak on your objection? If you will speak then the Minister will also have to reply to that.

चौधरी राम लाल वधवा: मैं तो इसके बारे में यही आब्जैक ान करना चाहता हूं कि जो आर्डीनैंस इ ू हुआ था और जिसकी डिस–एप्रूवल का मैंने नोटिस दिया हुआ है, पहले उसका फैसला किया जाना चाहिए। उसके बाद बिल को इंट्रोड्यूस किया जाना चाहिये। यदि आज यह बिल इंट्रोड्यूस हो जाता है तो यह लीगली भी ठीक नहीं होगा क्योंकि जो आर्डीनैंस की डिसएप्रूवल का नोटिस मैंने दिया है पहले उसका फैसला होना चाहिए। इसलिय मेरी प्रार्थना यह है कि इस बिल को इंट्रोडयूस करने की इजाजत नहीं दी जानी चाहिये।

Mr. Speaker: As far as the question of leave to introudce the bill is concerned इसमें जो मैम्बर साहेबान चाहें इसके हक में वोट कर सकते है और जो मैम्बर साहेबान चाहे, इसका विरोध कर सकते है। जो आपका डिस्एप्रूवल का मो ान है, वह तो एक्चुअली इस बिल की कंसिड्रे ान स्टेज पर आएगा। उस समय आप जो कहना चाहें, कह सकते है।

चौधरी राम लाल वधवा: ठीक है जी।

श्री अध्यक्ष: प्र न है कि–

दि हरियाणा स्टेट लैजिस्लेचर (प्रिवैन्ा ान आफ डिसक्वालीफिके ान) अमैंडमैंट बिल प्रस्तुत करने की अनुमति दी जाये।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

वित मंत्री(चौधरी खुर ाीद अहमद): स्पीकर साहब, मैं बिल प्रस्तुत करता हूं।

स्वामी अग्निवे ा: स्पीकर साहब, मेरा व्यवस्था का प्र न है। अभी श्री प्रितपाल सिंह जी की डबवाली कांड के ऊपर रिपोर्ट पे ा की गयी है। (ाोर व व्यवधान) मैं उसके बारे में यह कहना चाहता हूं कि हिंदी में रिपोर्ट की कोई कापी नहीं है। (ाोर व व्यवधान)

वित मंत्री(चौधरी खुर ाीद अहमद): सर, कमी ान ने अपनी रिपोर्ट इंगलि ा में दी है। उसका ट्रांसले ान या तो तर्जुमा करवाने में गलती भी हो सकती है। इसलिए हमने उसको ज्यों का त्यों रखा है।

श्री अध्यक्षः स्वामी जी, क्या आपका प्वायंट खत्म हो गया है?

स्वामी अग्निवे ा: नहीं जी, एक तो डबवाली कांड की रिपोर्ट केवल अंग्रेजी में है जोकि हिंदी में भी जरूर होनी चाहिये। इसके अलावा हरियाणा फाईनैंि ायल कार्पोरे ान की रिपोर्ट भी हिंदी में नहीं है।

Mr. Speaker: I do not know when this report was presented to the House? Swami Ji you are raising this point today.

स्वामी अग्निवे ा: वह भी टेबल पर रख दी गयी है?

श्री अध्यक्षः कब रख दी गयी है?

स्वामी अग्निवे ाः यह तो पहले ही हो चुकी हो।

चौधरी खुर ाीद अहमदः स्पीकर साहब, डबवाली के बारे में कमि ान की रिपोर्ट **(11.00बजे)** सदन में रखी गई है। यह एक जजमैंट है और जज ने जिन लफ्जों में जजमैंट लिखा है हमने उसको ज्यों का त्यों उन्हीं लफ्जों में रखना है। तर्जुमा करने से कोई भी भाब्द इधर उधर हो सकता है और connotation can change. इसलिए औरिजनल रिपोर्ट को या जजमैंट को ट्रांसलेट करने से कुछ का कुछ मतलब निकल सकता है। मैं समझता हूं कि अगर कोई मैम्बर हिंदी में इस रिपोर्ट को चाहता है तो वह खुद ट्रांसलेट कर ले या किसी से ट्रांसलेट करवा लें।

Mr. Speaker: I will go a step further. The translators of the Haryana Vidhan Sabha Secretariat will be placed at the disposal of Members who wish to get the report translated.

स्वामी अग्निवे ाः अध्यक्ष महोदय, बड़ी अजीब बात हैं। हमारे जितने भी बिल है वे अंग्रेजी से हिंदी में ट्रांसलेट होकर आते है। रूल्ज ट्रांसलेट हो रहे है और जो काल अटैं ान नोटिस आदि है वे भी सब अंग्रेजी से हिंदी में ट्रांसलेट होकर सदन में रखे जाते है लेकिन इस रिपोर्ट के बारे में कहा जा रहा है कि कौनोटे ान बदल जाएगी। (व्यवधान)

श्रीमती सुशमा स्वराजः अध्यक्ष महोदय, आपकी अपनी रूलिंग है कि हर कागज हिंदी और अंग्रेजी में रखा जाएगा तो यह कहना कि हिंदी में तर्जुमा करने से अर्थ बदल जाएगा या अर्थ का अनर्थ हो जाएगा, ठीक नहीं है। क्या आज मुख्य मंत्री महोदय को अंग्रेजी में रिपोर्ट पढ़नी आएगी। वे आपसे तर्जुमा करवाएंगे (हंसी)। इसलिए हमारे लिए नहीं तो अपने मुख्य मंत्री की सुविधा के लिए करा लो।

Mr. Speaker: All right. Please sit down. This is not the zero hour. अभी डबवाली रिपोर्ट पे ा हुई उसके बारे में आपने प्वायंट रेज किए और दूसरी तरफ से उसका जवाब आया है। But kindly do not convert this time into zero hour. The matter under discussion is something entirely different. मैम्बर साहेबान इस प्वायंट पर इतना ऐजिटेटिड फील कर रहे है लेकिन मैं समझता हूं कि इतनी हीट जनरेट करने वाला कोई प्वायंट नहीं है। कुछ ज्यादा ही हीट जनरेट हो गई है। मैं स्वामी जी को कहना चाहता हूं कि विधान सभा के ट्रांसलेटर्ज दो घंटे के लिए उनके डिस्पोजल पर होंगे। वे उनसे ट्रांसलेट करा सकते है। The matter is now closed.

स्वामी अग्निवे ाः अध्यक्ष महोदय, जब और सारे कागज हिंदी में ट्रांसलेट होकर आते है.....(व्यवधान)

Mr. Speaker: Swami Ji, please sit down. I have decided the matter. I will not allow further discussion on it.

(iii) **दि हरियाणा एसैं ि ायल सर्विसज मैंटीनैंस (अमैंडमैंट) बिल, 1981**

वित मंत्री(चौधरी खुर ाीद अहमद): स्पीकर साहब, मैं प्रस्ताव करता हूं कि:–

दि हरियाणा एसैं ि ायल सर्विसिज मैंटीनैंस (अमैंडमैंट) बिल प्रस्तुत करने की अनुमति दी जाए।

श्री अध्यक्ष: प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ कि–

दि हरियाणा एसैं ि ायल सर्विसिज मैंटीनैंस (अमैंडमैंट) बिल प्रस्तुत करने की अनुमति दी जाए।

चौधरी संत कंवर(हसनगढ़): स्पीकर साहब, यह जो आर्डिनैंस इ ू किया गया और उसको एक्ट बनाने के लिए जो बिल लाया गया है, हम इसका विरोध करते है।

श्री अध्यक्ष: हम कहने का क्या मतलब है। आप इसका विरोध करते हैं या सब विरोध करते है?

चौधरी संत कंवर: स्पीकर साहब, हमारा लोकदल के सभी मैम्बरों का इस बारे में औब्जैक ान है। स्पीकर साहब, सब को पता था कि 9 तारीख को असैम्बली बैठेगी। लेकिन हाउस के एक हफता बैठने के पहले सरकार ने आर्डिनैंस जारी कर दिया । यह बहुत गलत बात है। दूसरी बात यह ळे कि इस प्रकार का बिल नागरिकों को डैमोक्रेसी खत्म करने के लिए लाया जा रहा

है। मेरा कहना है कि इस तरह का बिल हाउस में नहीं आना चाहिए। स्पीकर साहब, हम इसका सख्त विरोध करते है। यह बिल प्रदे ा की जनता व कर्मचारियों के मौलिक अधिकारों को छिनने वाला है।

चौधरी राम लाल वधवा(करनाल): स्पीकर साहब, मेरा पहला औब्जैक ान तो वैसा है जैसा कि पिछले बिल के ऊपर था। मैं आपके ध्यान में लाना चाहता हूं कि मैंन इसकी डिस–एप्रूवल का भी नोटिस दे रखा है। यह एक लीगल बात है कि बज तक डिस–एप्रूवल का फैसला न हो, बिल को हाउस में लाना सरकार के लिए ठीक नहीं है। दूसरी बात आर्डिनैंस के बारे में है जैसा कि मेरे साथी चौधरी संत कंवर ने कहा है कि यह हाउस की कंटैम्पट है। आर्डिनैंस को एक हफ्ता पहले जारी करने की क्या अरजैंसी थी। हाउस को तो बुलाया ही गया था। अगर हाउस ने बुलाया जा रहा हेाता तो आर्डिनैंस इ ाू करने वाली बात ठीक हो सकती थी। इसलिए जब हाउस मीट कर रहा था और इसी दौरान आर्डिनैंस इ ाू किया गया है तो यह हाउस की प्रिविलिज को ब्रीच किया गया है और हाउस की कंटैम्पट है। स्पीकर साहब, मेरा कहना यह है कि इस इ ाू पर विचार किया जाए और सरकार से यह पूछा जाए कि क्या इस तरीके से आर्डिनैंस जारी हो सकता है? स्पीकर साहब, मैं अपनी और अपनी पार्टी की तरफ से इस बिल की इंट्रोडक ान का विरोध करता हूं।

श्री अध्यक्षः यह मामला मैंने गवर्नमैंट से डिस्कस कर लिया है। I agree that once the Assembly has been called, the promulgation of any ordinance is to be discouraged. This ruling has been given by the Speaker of the Lok Sabha. लेकिन कभी–कभी सरकार को एसैंि ायल सर्विसिज को मेनटेन करने के लिए ऐसे मैयर्ज लेने पड़ते है जिस का एक दिन के लिए भी इन्तजार नहीं किया जा सकता। मेरे ख्याम में यह मैटर बिजली की स्ट्राईक के बारे में था (व्यवधान)। यह एसैंि ायल सर्विसिज को मैनटेन करने का मैटर था। मैं समझता हूं कि यह बहुत जरूरी मामला था।

चौधरी राम लाल वधवाः स्पीकर साहब, मैं आपके नोटिस में लाना चाहता हूं कि यह सिचुऐ ान उस दिन ही पैदा नहीं हुई। यह सिचुऐ ान तो पहले से ही थी।

श्री अध्यक्षः यह सिचुऐ ान कितने दिनों से चल रही थी, जब तक आपके सामने पूरे फैक्टस एंड फिग्र्ज न हों कि आगे सिचुऐ ान क्या होगी तब तक कुछ किया भी नहीं जा सकता।

श्री बलदेव तायल(हांसी): स्पीकर साहब, मैं इस बिल की इंट्रोडक ान का विरोध करने के लिए खड़ा हुआ हूं। स्पीकर साहब, बहुत दफा सरकार की यह चेश्टा रहती है कि ऐसे बिल पास किए जाएं जिससे नागरिक अधिकारों का हनन हो। स्पीकर साहब, यह बिल डैमोक्रेटिक प्रिंसिपल्ज के अगेन्सट है। (व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मैं परिवहन मंत्री को मीसा के दिनों की याद

दिलाना चाहता हूं और मुझे अच्छी तरह से याद है कि 9 महीने के अन्दर ये बीमार भी पड़ गए थे.....

Chaudhri Khurshid Ahmed: I think, this has got nothing to do with the Bill.

परिवहन मंत्री(श्री जगन नाथ): बीमार जरूर पड़ गया था लेकिन वजन बढ़ गया था।

श्री अध्यक्षः कृपया इंट्रस्ट न करें।

श्री बलदेव तायलः और आज ये ऐंटी जनता बिल के समथ्रन में लगे है। मुझे पता नहीं है कि ये क्या सोचकर लगे हुए है। लेकिन मुझे पूर्ण वि वास है कि एक न एक दिन इनकी आत्मा जागेगी। हो सकता है कि जिस तरह से लाला बलवंत राय तायल की आत्मा जागी है उसी तरह से जिस दिन चौधरी भजन लाल इनको मंत्रीमंडल से निकाल देंगे, इनकी आत्मा भी जाग जाए। अध्यक्ष महोदय, मुझे पूर्ण वि वास है कि उस दिन ये इस बिल के विरोध के लिये अव य ही खड़े होंगे। (हंसी) तो अध्यक्ष महोदय, मैं रिकवैस्ट करूंगा कि सरकार इस बिल को इंट्रोडयूस करने से पहले एक बार फिर विचार करे। यह एक बहुत अहम बिल है जिसके जरिये सरकार अपने हाथ में एक बड़ी पावर लेने जा रही है। ऐसा करके हर सरकारी कर्मचारी को और दूसरी लोग जो कि इन कर्मचारियों के सिम्पेथाइजर हों, उनको भी गिरफ्तार करने की पावर इस बिल के जरिये सरकार अपने हाथ में लेने जा रही है।

Mr. Speaker: I may tell the hon. Members that the occasion for raising this discussion will be after, the Bill has been introudced.

Shri Baldev Tayal: I will take a second more. अध्यक्ष महोदय, इस बिल के अंदर एक दो और बुरी बातें है जैसे काग्नीजेबल औफैन्स बनाना और नान बेलेबल वारंट जारी करना वगैरह। इन्हीं कारणों से मैं अपनी व अपनी पार्टी के साथियों की तरफ से इस बिल का विरोध करता हूं।

श्री अध्यक्षः प्र न है कि–

दि हरियाणा एसैंि ायल सर्विसिज मैंटीनैंस (अमैंडमैंट) बिल प्रस्तुत करने की अनुमति दी जाए। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी राम लाल वधवाः स्पीकर साहब, हम इस पर डिवीजन मांगते है। After ascertaining the votes of the Members by voices Mr. Speaker announced that 'Ayes' have it. This opinion was challenged and division was claimed. Mr. Speaker after calling upon those Members who were for 'Aye' and those who were for 'No' respectively to rise in their places and on a account having been taken delared that the motion was carried.

The motion was carried.

वित मंत्री(चौधरी खुर ाीद अहमद): स्पीकर साहब, मैं बिल प्रस्तुत करता हूं।

वर्श 1975–76 तथा 1976–77 के एक्सैस डिमांडज ओवर ग्रांटस एंड एप्रोप्रिए ांज प्रस्तुत करना

वित मंत्री (चौधरी खुर ीद अहमद): अध्यक्ष महोदय, मैं–

(i) वर्श 1975–76 के अनुदानों तथा विनियोजनों से अधिक मांगे; तथा

(ii) वर्श 1976–77 के अनुदानों तथा विनियजनों से अधिक मांगें पे ा करता हूं।

राज्पाल के अभिभाशण पर चर्चा

श्री अध्यक्षः साहेबान, अब राज्पाल महोदय के अभिभाशण पर डिस्क ान होगी। श्री सुमेर चंद भट्ट अपना मो ान मूव करेगे।

चौधरी गंगा रामः स्पीकर साहब, एक मिनट के लिये मैं बोलना चाहूंगा। मेरा प्वायंट आफ आर्डर है, मैं आपकी रूलिंग चाहूंगा। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आप किस रूल के तहत अपना प्वायंट आफ आर्डर रेज कर रहे है?

चौधरी गंगा रामः स्पीकर साहब, मैंने पहले भी क्वै चन आवर में कहा था.....

श्री अध्यक्षः कुछ भी रिकार्ड न किया जाए।

चौधरी गंगा रामः स्पीकर साहब.....

.....

श्री सुमेर चंद भट्ट(नांगल): अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं। कि राज्यपाल महोदय को एक समावेदन निम्नलिखित भाब्दों में पे ा किया जाए–

कि इस सत्र में इक्ट्ठे हुए हरियाणा विधान सभा के सदस्य उस अभिभाशण के लिये राज्यपाल महोदय के अत्यन्त कृतज्ञ है जो उन्होंने 9 मार्च, 1981 को सदन में देने की कृपा की है।

स्पीकर महोदय, यह एक पार्लियामैंटरी डैमोक्रेसी की प्रणाली है कि जब भी साल का नया इजलास भुरू होता है तो गवर्नर महोदय अपने अभिभाशण से सरकार की नीतियों के लिये प्रका ा डालते है। लेकिन मुझे कल अफसोस हुआ कि ऐसे मौके पर भी जब गवर्नन साहब यहां पर त ारीफ लाए तो हमारे साथियों में से बिना ही कारण के कुछ ने तो बाईकाट किया और कुछेक साथियों ने वाक आउट करने का फैसला किया। स्पीकर साहब, मैं यह मानता हूं कि अपोजी ान का यह अधिकार है कि जब उनको ऐसा लगे कि हालत का तकाजा है या सिचुऐ ान इस तरह से वारंट करती है तो वे इस तरह का कदम ले सकते है। लेकिन कम से कम कल जब गवर्नर साहब हाउस में आए तो ऐसा

कोई कारण नहीं था जिसकी वजह से उनको मजबूर होकर ऐसा फैसला करना पड़ा हो। स्पीकर साहब, जिस तरह की प्रणाली हमारे दे ा में चल रही है आप उस बात को भली भांति जानते है कि अपोजी ान भी सरकार का एक हिस्सा होती है। इंग्लैंड में, जहां से यह तरीका हमने अपनाया है अपोजी ान को किंगज अपोजी ान कहते है। अपोजी ान की भी उतनी ही जिम्मेदारी सरकार को ठीक चलाने की होती है जितनी जिम्मेदारी रूलिंग पार्टी की होती है। लेकिन हमारे यहां सारे ही दे ा का सियासी माहौल उखड़ा हुआ है। हमैं यह चाहिए कि हम अपोजी ान वाल और रूलिंग पार्टी वाले आपस में बैठकर खोज करें कि अपने उस फर्ज को निभाने के लिए जिसके लिये लोगों ने हमें चुन कर यहां भेजा है किस ढ़ंग से हम ज्यादा कारगार सिद्ध हो सकते है मुझे एक बात की खु ाी है कि अब अपोजी ान के लीडर बाबू मूल चंद जैन जी है इनका इस हाउस में बहुत तजुरबा है और इस हाउस को ठीक ढ़ंग से चलाने में भी इनका बड़ा कंट्रीब्यु ान है। दूसरी तरफ इस सदन के जो लीडर है, वे भी सौभाग्य से एक ऐसे व्यक्ति है जो हर ठीक चीज को बिला किसी हिच–किचाहट के मान लेते है। स्पीकर महोदय, मैं चाहूंगा कि अगर वाकई इस सदन ने यह सब करना है जिसके लिये लोगों ने हमें चुन कर भेजा है तो आपस में दोनों तरफ के सदस्यों को ेइ कर उस तरीके की खेज करनी चाहिए, जिससे यह हाउस ज्यादा इफैक्टिव हो सके। यह एक मेरी उम्मीद है और मुझे वि वास है कि अगर इस तरह की कोि ा ा भ्रुरू हो जाए तो बिल्कुल एक नया

तरीका और एक स्व्आइल आफ फंक ानिंग अपोजी ान का भी और रूलिंग पार्टी का भी आपस की बात चीज से निकल सकता है। स्पीकर साहब, कल इस हाउस में जों गर्वनर साहब ने अपना अभिभाशण दिया उसमें कोई बहुत हाई साउडिंग फ्रेजिज का इस्तेमाल नहीं किया गया। न ही उन्होनें उसमें कोई बहुत नये नये नारे दिये बल्कि उन्होंने बहुत ही स्वाभाविक रूप से जो सरकार की पिछले साल की गति रही, उसकी तरफ इ ाारा किया और अगले माली साल में सरकार की जो योजनाएं और नीतियां है, उन पर पूरा–पूरा प्रका ा डाला। गवर्नर साहब मुबारिकबाद के पात्र है कि वे अपना कीमती समय निकाल कर हाउस में त ारीफ लाए और अपना एड्रैस पएा। गवर्नर साहब ने मोटे तौर पर दो बातें ऐसी कहीं जिनकी तरफ वे चाहते थे कि हाउस की तवज्जह जाए। एक बात तो उन्होंने सो ाल जस्टिस की डिमांड के बारे में कही और दूसरी तरफ उनका जो फोकस था वह इंक्रीज्ड प्रोडक्ा न की तरफ था। स्पीकर साहब, पिछले तीस सालों में एक ऐसी भावना रही है और गाहे बगाहें इस तरह की आवाज आती रही है कि जो कुछ भी डिवैल्पमैंट का काम चला उसका ज्यादा फायदा कुछेक लोगों को ही गया। नतीजें के तौर पर जो लोग गरीब थे वे और गरीब होते गये और जो लोग अमीर थे वे और अमीर होते गये। मैं अपनी सरकार को इस बात के लिये मुबारिकबाद देता हूं कि इसने इस दि ाा में भाुरूआत की। हमारी सरकार ने इस बात की तरफ ध्यान दिया है कि कैसे प्रोडक्ा न को इंक्रीज किया जाए और कैसे इकोनोमिकडिवैल्पमैंट

की जाए हमारी सरकार ने कुछ ऐसे कार्यकम भी अपनाए जिसे सीधा फायदा उन लोगों को हुआ जो सदियों से दबे हुए और पिछड़े हुए थे। गवर्नर साहब ने अपने ऐड्रैस में बताया कि सरकार सो ाल जस्टिस अचीव करने के लिए किस तरह से सकिय है और कितनी तत्परता से एक के बाद दूसरा कदम लेती जा रही है। हमारा छठा पांच साला प्लान कुल मिला कर 1800 करोड़ रूपये का है। उसमें से इस माली साल में 290 करोड़ रूपये चार्च होने का अनुमान है। पिछले साल की निस्बत यह रकम 36.22 करोड़ रूपये ज्यादा है। इसका ज्यादा फायदा उन लोगों को होगा जो आज तक पिसते रहे है। स्पीकर साहब, मैं आपका धन्यवाद इस ऐड्रैस के पैराग्राफ 5 की ओर दिलाना चाहूंगा जिसमें गवर्नर साहब ने सरकार की तरफ से एक एक वचन दिया है कि हरिजनों के लिये टोटल प्लान आउटले का 12.26 प्रति ात पैसा खर्च होगा। जो लोग आज गरीबी की रेखा से नीचे रहे है उनमें सब से ज्यादा तादाद हमारे हरिजन भाइयों की है। यही नहीं उनकी हालत को सुधारने के लिये और भी बहुत से कदमों का जिक किया गया है, जिनका खास तौर पर मैं जिक करूंगा। एक तो सरकार कीवह स्कीम है जिसके तहत हरिजन बस्तियों में लाइट देने का फैसला किया गया हे और यह काम बड़ी तेजी से सारी हरियाणा स्टेट के गांव गांव में चल रहा है। इसके साथ साथ सरकार ने यह फैसला भी किया है कि जिन हरिजन भाइयों को कई साल पहले प्लाट अलाट किये गये थे और किसी वजह से वे

प्लाट उनके कब्जें में नहीं गये थे वे अब एक निि चत समय तक उनमें बांट दिये जाएंगे।

(इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए)

उपाध्यक्ष महोदय, गवर्नर साहब के एड्रैस के पैरा 4 की तरफ मैं आपका ध्यान आकर्शित करने की कोि ा ा करूंगा। इस पैरा में गवर्नर साहब ने इस बात का उल्लेख किया है कि हरिजनों को छोड़ कर जो लोग पिछड़ी जातियों से ताल्लुक रखते है, सरकार ने उनके लिए एक निर्धारित कार्यक्रम चलाया है। दो करोड़ रूपया रख कर एक अलग बैकवर्ड निगम बना दिया। मुझे पूरी पूरी उम्मीद है कि जिस उददे य को लेकर यह निगम स्थापित किया है और जिन लोगों के हाथ में इस निगम की बागडोर सम्भाली है, वे पूरी तनदेही के साथ काम करेंगे ताकि बैकवर्ड क्लासिज के लोगें का उत्थान हो सके तो आज तक पिछड़ते रहे है।

उपाध्यक्ष महोदय, गवर्नर साहब ने अपने अभिभाशण में हाउसिंग का जिक्र किया है। जब तक हम मकान की समस्या को हल नहीं कर पायेंगे तब तक ऐसी सरकार को चैन नहीं रहता जो वैल्फेयर सरकार हो। सरकार ने हरियाणा में हाउसिंग बोर्ड की स्थापना की है ताकि सरकार उन लोगों को भी मकान बनाकर दे जिनके पास सिर छिपाने की जगह नहीं है। इन लोगों के लिये अगले साल दस हजार मकान बनाकर देने का टारगेट रखा

गया हे जिसमें से 75 परसैंट मकान उन लोगों को देंगे जो या तो हरिजन जाति से ताल्लुक रखते है या पिछड़ी जातियों से ताल्लुक रखते है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं चाहूंगा कि इस काम को और तेजी से किया जाए क्योंकि इस वक्त जिस रफतार से मकान बनाने का काम चल रहा है, इससे मुमकिन नहीं होगा कि सभी लोगों को मुमकिन नहीं होगा कि सभी लोगों को मकान बनाकर दिये जा सकेंगें। पिछले दिनो पब्लिक अंडरटेकिंगज कमेटी की मीटिंग में हाउसिंग बोर्ड के अधिकारी आये थे। उस वक्त कमेटी की तरफ से इस प्रोग्राम को और तेज करने पर जोर दिया गया था। हमें इस बात की खु ाी है कि बोर्ड के अधिकारियों ने यह आ वासन दिया था कि इस स्कीम को और तेज करके कम से कम अर्से में अमलीजामा पहनायेंगे। उन्होंने कम से कम टाईम में मकानों की कमी को पूरा करना है, इसके लिये वे तत्पर है और मुझे उम्मीद है कि उन्हें कामयाबी हासिल होगी।

अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही साथ गवर्नर साहब ने पृश्ठ आठ पर उन लोगों को लीगली मदद देने की बात कही है जो अपने तौर पर खर्चा बर्दा ात नहीं कर सकते। मैं सरकार को इसके लिये मुबारिकबाद देता हूं कि जहां सरकारकी तवज्जह पिछड़ी जातियों के लोगों की तरफ गई है वहां इन लोगों की तरफ भी गई है जो लीगल खर्चा बर्दा त नहीं कर सकते। इसी बात को ध्यान में रखते हुए हमारी सरकार ने मेवात डिवैल्पमैंट बोर्ड कायम किया है। मेवात में वे लोग है जो बहुत अर्से से

पिछड़े हुए है, सरकार की तवज्जह इनकी तरफ जानी स्वाभाविक ही थी। इसके लिए 1 करोड़ 25 लाख रूपये का प्रावधान किया गया है।

उपाध्यक्ष महोदय, जब जब बारि ा या ओला–वृश्टि के कारण लोगों की फसलें तबाह हुई, सरकार ने बिना किसी हिचकिचाहट से, बड़ी तत्परता से इफैक्टिड एरियाज में किसानों की मदद की और जो मुआवजा कोई दूसरी सरकार नहीं दे पाई थी, वह इस सरकार ने किसानों को दिया।

उपाध्यक्ष महोदय, मैं गवर्नर एड्रैस के पृश्ठ 19 परआपका ध्यान आकर्शित करना चाहता हूं। हरियाणा में कुछेक जिले ऐसे है जिनमें सूखें की वजह से और कुछेक जिलें ऐसे है जिनमें फ्लड आ जाने की वजह से फसलें तबाह हो जाती है या फसल उग नहीं पाती। ऐसे जिलों के किसानों को मदद देने के लिए सरकार ने बजट का काफी हिस्सा निर्धारित किया है। इसके साथ ही साथ सरकार यह भी समझती है कि जब तक इन इलाकों के गरीब आदमियों को अपने पावों पर खड़ा नहीं होने देंगे या वे खड़ा नहीं हो पायेंगे तब तक वे हमे ाा जिन्दगी की दौड़ में पीछे ही रहेंगे। इसलिये सरकार ने फैसला किया है कि ऐसे गरीब भाई, जिनके पास गुजारा करने के साधन नहीं है, अगर वे खेती के काम के इलावा या खेती छोड़ कर औद्योगिक क्षेत्र में जाना चाहें तो सरकार ने बहुत सी सहायता देने का न केवल ऐलान ही किया है बल्कि बड़ी तेजी के साथ इस दि ाा में कदम भी उठाए

है, इसके लिए मैं सरकार को मुबारिकबाद देता हूं। जहां तक साधारण आदमियों का ताल्लुक है, जिनकों रोजमर्रा की जरूरियात की चीजों की जरूरत होती है और इन चीजों को हासिल करने में जो कठिनाई आती है, उस कठिनाई को दूर करने के लिये पांच हजार से ज्यादा डिपों कायम किए है ताकि जो जिन्दगी की जरूरियात को चीजें जैसे आटा, गंदम, घी वगैरह है, इन डिपुओं से उपलब्ध हो सकें।

उपाध्यक्ष महोदय, मैंने उन कामों का जिक्र किया है जो गरीबों से ताल्लुक रखते है। अब उन लोगों को फायदा हो सकेगा जो आज तक जिन्दगी की दौड़ में पिछड़े ही रहे है। इनका पिछड़ापन दूर करना तभी मुमकिन हो सकेगा अगर हम अपने दे ा की वैल्थ को बढ़ायेंगे। इसकी तरफ सरकार ने पूरी पूरी तवज्जह दी हैं सरकार ने कुछ योजनाएं बनाई हैं जिससे एग्रीक्लचरल सैक्टर और इंडस्ट्रियल सैक्टर में तेजी से तरक्की हो सकेगी। उपाध्यक्ष महोदय, आप जानते है कि हमारा राज्य एक कृशि प्रधान राज्य है। कृशि की तरक्की हो, इसके लिये दो मोटी मोटी बातें ध्यान में रखने की जरूरत पड़ती है। एक है फसल को फलड से बचाया जाए। पिछले कई सालों से हर साल कभी एक जिलें में, कभी दूसरे जिलें में फलड से फसलों की तबाही होती रही है। इसकी रोकथाम के लिये सरकार ने मास्टर प्लान बनाई है ताकि हमे ाा हमे ाा के लिये इस स्टेट को फ्लड की मार से बचाया जा सके। लेकिन अभी यह काम पूरी तरह से

मुकम्मल नहीं हुआ है। मुझे पूरी पूरी उम्मीद है कि फलड की रोकथाम के लिये जितना प्रावधान इस साल के बजट में इस मास्टर प्लान को पूरा करने के लिये किया गया है, यह ना काफी है। अगर कुछ और पैसा दरकार होगा तो इसका इन्तजाम सरकार कर पायेगी जितना पैसा अब तक लग चुका है उससे यह काम मुकम्मल नहीं हो पाया है। अगर और देरी हो गई तो बहुत सा पैसा जाया होने का अंदे ाा है। अम्बाला जिलें में जहां हर साल या हर दूसरे साल फलड आता है, फसलों की तबाही होती है। वहां और भी जरूरी है कि फलड की रोकथाम के लिये जो काम चल रहा है वह जल्दी से जल्दी मुकम्मल किया जाए।

उपाध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही साथ मैं यह भी कहना चाहता हूं कि जब तक हरियाणा में सिंचाई का इंतजाम नहीं होगा तब तक कृशि के क्षेत्र में तरक्की नहीं हो सकती। इस उद्दे य को अचीध करने के लिये सरकार ने इरीगे ान की बहुत सी योजनाएं बनाई है और इस साल लगभग साठ करोड़ रूपया इन स्कीमों पर खर्च किया जाना है। इन स्कीमों के पूरा होने पर ही हम उन इलाकों को, जहां अब तक किसान भाइयों को नहरी पानी नहीं दे पाये है, कुछ समय के बाद देना मुमकिन हो सकेगा।

उपाध्यक्ष महोदय, अब एक बात की तरफ मैं सरकार का ध्यान दिलाना चाहूंगा। किसान के खेत को चाहे पानी नहर से दिया जाए चाहे ट्यूबवैल्ज से दिया जाए एक ही बात है लकिन खेती के पानी की कमी अम्बाला जिलें में बहुत ज्यादा है। जिस

तरह अम्बाला जिले को पानी की जरूरत है, उसी तरह दूसरे जिलों को भी जरूरत है। लेकिन कुछेक जिले ऐसे है जहां नहर का पानी जाता है और कुछेक जिले ऐसे है जहां कमोवे ा ट्यूबवैल्ज से आबपा ाी का काम किया जाता है परन्तु न मालूम क्यों इन दोनों की आबियाना की भाहर में जमीन आसमान का फर्क है। मैं अपनी सरकार से दरख्वास्त करूंगा कि यह जो डिसक्रिमिने ान है कि कुछेक को तो पानी कम दाम पर दिया जाए और कुछेक को ज्यादा दाम पर दिया जाए इसे खत्म किया जाए। अगर नहरी पानी मुहैया कराने के लिये सरकार को बहुत सी सबसिडी देनी पड़ती है तो थोड़ी बहुत सबसिउी सरकार उस पानी के लिये भी दे जो ट्यूबवैल्ज से हासिल होता है तो निहायत ही सराहनीय कदम होगा। इसके बाद उपाध्यक्ष महोदय मैं जिक करूंगा एस0वाई0एल0 के पानी का जो हमें पंजाब से मिलना है। मुझे इस बात का पूरा पूरा पता है कि हमारी सरकार इस मामलें में बड़ी सजग रही है और इस पानी को प्राप्त करने के लिये इसने कोि ा ा भी बहुत की है लेकिन कुछेक मजबूरियों की वजह से हमें अफसोस है कि हम आज इस पोजी ान में नहीं है कि वह पानी अपनी स्टेट में ला सकें। यह कोि ा ा जारी रहनी चाहिए। मुझे उम्मीद है कि जब हमारी सैंट्रल गवर्नमैंट वि ोशकर प्रधान मंत्री जी इस मामले में हस्तक्षेप करेगी तो जो हरियाणा के पानी का जायज हिस्सा है, वह हरियाणा का मिलेगा। जब तक यह न हो तब तक मेरा अपने मंत्री महोदय से एक और सुझाव है। जितना पानी हरियाणा में दस्तेआब है, चाहे वह बारि ा का है या

दूसरा है, उसका यदि ठीक ठीक इंतजाम किया जा सके तो यह इस सूबे की डिवैल्पमैंट के लिये बहुत सराहनीय कदम होगा। हमारी स्टेट में सबसे ज्यादा बारि ा अम्बाला जिला में होती है। पहले तो हम इस बात के लिये पैसा खर्च करते है कि यह पानी अम्बाला जिलें से निकाल कर किसी तरह से कुरूक्षेत्र जिला में चला जाए, कुरूक्षेत्र जिला से करनाल में चला जाए और करनाल से सोनीपत जिला में चला जाए। तीन महीने तो पैसा इस पानी को निकालने के लिये खर्च किया जाता है और नौ महीने इस बात के लिये खर्च किया जात है कि आबपा ाी के लिये जहां पानी दस्तेआब नहीं है वहां कहां से पानी लाया जाए। तो मेरा सुझाव यह है कि हमें अपनी स्ट्रैटजी को बदलना चाहिए। इस पानी को जिसे कुदरत हमें देती है, अम्बाला की किसी भी मौसम में होने वाली जरूरत के मुताबिक, हमें अम्बाला में स्टोर करना चाहिए और उतना कुरूक्षेत्र में जाना चाहिए जो अम्बाला को दरकार न हो। अम्बाला और कुरूक्षेत्र की मांग पूरी होने के बाद ही बाकी का पानी करनाल और सोनीपत जाना चाहिए। इस तरह से हमारे बहुत से रिसोर्सिज बच जाएंगे और उस पानी का ठीक प्रयोग हो सकेगा जो कुदरत लैवि ाली हमारे पास भेजती है।

उपाध्यक्ष महोदय, कुछेक जिलें ऐसे है जहां वाटर कोर्सिज का काम चल रहा है। मुझे खु ाी है कि इस काम को तेजी से चलाया जा रहा है लेकिन मैं अपने इरीगे ान एंड पावर मिनिस्टर से यह भी दरख्वास्त करूंगा कि वे उन जिलों का भी

ख्याल रखें जहां वाटर कोर्सिज नहीं है। अगर एक जिलें के किसान को वाटर कोर्सिज की जरूरत है तो नैचुरली दूसरे जिलों के किसानों को भी जरूरत है।

डिप्टी स्पीकर साहब, जिस तेजी से बिजली पैदा करने के लिये हमारी सरकार काम कर रही है उसके लिए मैं इसे मुबारिकबाद देता हूं। पिछले ही साल कोई 170 मैगावाट बिजली और ज्यादा पैसाा करके जो हमारा पूल था उसमें भाामिल की गई। अगले साल में भी पूरी पूरी कोि ा ा है कि बिजली की पैदावार में और ज्यादा इजाफा किया जाए। इसके लिए हमारा बिजली बोर्ड भी और सरकार भी मुबारिकबाद की मुस्तहक है। इन्होंने बड़ी दूर अंदे ाी से काम लेकर के अपने साथ वाले प्रदे ा हिमाचल प्रदे ा के साथ नाथपा झाकड़ी प्रोजैक्ट के बारे में ऐग्रीमैंट किया है। इससे 1020 मैगावाट बिजली पैदा होगी और उसमें ज्यादा हिस्सा हरियाणा का होगा। मैं सरकार को एक और सुझाव दूंगा कि यह थोड़ा और दूर अंदे ाी से काम ले कयोंकि जिना हाईडल का पोटैं ान हिमाचल प्रदे ा में है, उतना इस रीजन के किसी प्रदे ा में नही है। अपने रिसोर्जिज की कमी की वजह से हम इस तरह के प्रोजैक्टस पर काम चाहे भाुरू न भी कर पाएं लेकिन कुछेक और प्रोजैक्टस के ऐग्रीमैंटस हिमाचल प्रदे ा के साथ हो जाने चाहिएं ताकि जब हमारे रिसोर्सिज हमें इजाजत दें तब इन प्रोजैक्टस को हाथ में लिया जा सके और मुकम्मल किया जा सके। उपाध्यक्ष महोदय, बिजली की जरूरत

सभी प्रदे ाों को है और सब में इसकी कमी का एहसास किया जा रहा है इसलिये सबकी नजर हिमाचल प्रदे ा की तरफ है लेकिन इस मामलें में जो पहल हमने की है वह हमें बनाए रखनी चाहिए। (घंटी)

उपाध्यक्ष महोदय, मैं ज्यादा वक्त नहीं लूंगा। आपकी बैल मुझे सुनाई दे रही है। मैं दो मोटी मोटी बातें, जिनका ताल्लुक हमारे ऐजुके ान डिपार्टमैंट से है, की तरफ इ ाारा करके अपना स्थान ले लूंगा। उपाध्यक्ष महोदय, यह मानना पड़ेगा कि प्राईमरी, मिडल, हाई तथा कालेज ऐजुके ान में पिछले साल हमारे यहां काफी तरक्की हुई है। इस साल एक सराहनीय कदम सरकार ने यह उठाया कि प्राईमरी ऐजुके ान का जो सैक्टर काफी निगलैक्टिड रहा था उसका स्तर ऊंचा करने के लिये एक नया डायरेक्टोरेट कायम किया गया। अब उम्मीद है कि प्राईमरी ऐजुके ान का जो स्तर बहुत गिर गया था उसको ऊंचा किया जा सकेगा। उपाध्यक्ष महोदय, हमारे टीचर साहेबान की बहुत सी ऐसी समस्यायें है जिनकी तरफ मैं चाहूंगा कि हमारी सरकार का ध्यान जाए। कुछ ध्यान गया भी है लेकिन अभी काफी कुछ करने को रहता भी है। हमारे बहुत से टीचर्ज ऐसे है जो प्राईवेट स्कूल्ज में काम करते है। ये टीचर्ज वही काम करते है जो गवर्नमैंट स्कूल में लगे हुए टीचर्ज करते है। इन स्कूलों में तालीम हासिल करने वाले स्टूडैंटस की तादाद भी काफी है। अगर इन टीचर्ज को सरकार ने समान वेतन देने का फैसला किया है तो यह

निहायत सराहनीय कदम है। मैं चाहूंगा कि जिस तरीके से प्राईमरी स्कूल के टीचर्ज की समस्या को सरकार ने हल किया है उसी फराखदिली से कालेज टीचर्ज की समस्या को भी यह हल करे। मुझे उम्मीद है कि सरकार उनकी तरफ भी पूरी पूरी तवज्जह देगी और जल्दी से जल्दी कालेज टीचर्ज की दिक्कतों का कुछ न कुछ हल किया जाएगा। क्योंकि हमें जान लेना चाहिए कि आगे आने वाली पीढ़ी का भविश्य इन टीचर्ज साहेबान के हाथ में है।

उपाध्यक्ष महोदय, इस उम्मीद के साथ कि जो बहुमुखी तरक्की हमारी स्टेट ने पिछले साल की है उसकी रफतार इस साल न सिर्फ मैनटेन की जाएगी बल्कि उसमें ज्यादा इजाफा किया जाएगा। मैं यह प्रस्ताव सदन के सम्मुख प्रस्तुत करता हूं। जयहिंद।

चौधरी हरस्वरूप बूरा(मेहम): उपाध्यक्ष महोदय, हमारे साथी माननीय सुमेर चंद भट्ट ने सदन के सामने गवर्नर एड्रैस के समर्थन में जो धन्यवाद का प्रस्ताव रखा है, मैं उसका समथ्रन करने के लिये खड़ा हुआ हूं। उपाध्यक्ष महोदय हमारे साथी ने इस अभिभाशण के संबंध में एक एक पहलू का बड़ी तफसील के साथ जिक्र किया है। वैसे तो उपाध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय ने कल सदन के अन्दर जो अभिभाशण दिया वह खुद में ही एक विवरण है और विवरण भी बहुत बेहतरीन और अच्छा है। यही नहीं यह एक विकास ील और प्रगति ील विवरण भी है। मैं

इसको इसलिये प्रगति ील और उन्नति ील विवरण कहता हूं क्योंकि इसमें प्रान्त की तरक्की का काफी फैक्टस एंड फिगर्ज के साथ जिक्र किया गया है। उपाध्यक्ष महोदय, हमारे सारे भाई पढ़े लिखे है और उन्होंने इस विवरण को भी पढ़ा भी है। उनहोंने इसमें पढ़ लिया होगा कि पिछले दो सालों में यानि वर्श 1979–80 और 1980–81 में क्या कुछ हुआ तथा इस वर्श यानि 1981–82 में क्या कुछ होने जा रहा है। उन्होंने देखा होगा कि पिछले सालों के मुकाबलें में इस साल एक एक पहलू के अंदर बढ़ौतरी से पैसा लगेगा और हर पहलू में तरक्की होगी। जो विवरण अपने अभिभाशण में गवर्नर साहब ने अपनी सरकार के संबंध में कल इस सदन के सामने पढ़ा उससे यह जाहिर होता है कि सरकार का ध्यान अपनी स्टेट की तरक्की के लिये बहुत लगा हुआ है। ध्यान ही नहीं लगा है बल्कि करने के लिए काफी प्रयत्न ील है। अगर मैं एक एक बात यहां पर रखूंगा तो काफी बातें दोहरायी जायेंगी लेकिन कुछ बातें जो उन्होंने नही कही है, उनके ऊपर मैं खास तौर से ध्यान दिलाना चाहूंगा। सब से पहले मैं एम्पलायमैंट के विशय में अर्ज करना चाहता हूं। मैं जनता सरकार में भी रहा, उसके बाद भी रहा और आज कांग्रेस में हूं (ाोर)

उपाध्यक्ष महोदय, एस0 एस0 एस0 बोर्ड द्वारा निकाली गई पोस्टें कितने दिनेां से खाली पड़ी हुई थी लेकिन किसी भी सरकार ने उसकी ओर ध्यान नहीं दिया। हमारे नौजवान साथी सन् 1970 से ताक में बैठे थे कि हमें कब रोजगार मिले।

नौजवानों के मन में यह बात आ चुकी थी कि उनको रोजगार नहीं मिलेगा। लेकिन जब से हरियाणा में चौधरी भजन लाल जी की सरकार आयी है तब से कितने ही लोगों को रोजगार मिल चुका है। मैं अपने मुंह से क्या बताऊं यह तो सभी साथियों को भलिभान्ति मालूम है। चौधरी देवी लाल अपने वक्त में उन बेरोजगार लोगों को नहीं लगा सके लेकिन चौधरी भजन लाल की सरकार आन पर धड़ाधड़ लगा दिया गया। ये अपोजी ान के भाई भी महसूस कर रहे है कि यह फैक्ट है। जो हकीकत है वह हकीकत रहेगी। इन अपोजी ान के भाइयों के पचास पचास कैंडीडेटस की लिस्ट भेजी थी लेकिन चौधरी देवी लाल नहीं लगा सके।

उपाध्यक्ष महोदय, इस सरकार के आने के प चात बैकवर्ड क्लासिज निगम बनायी गई और मेवात डिवैल्पमैंट बोर्ड बनाया गया। ये दोनों ही गरीबों की भलाई के लिये बनाये गए है। मेवात में जो लोग रहते है उनके बारे में किसी भी सरकार ने कोई ध्यान नहीं दिया लेकिन जब से यह मेवात बोर्ड बना है तब से उनकी हालत में काफी सुधार आया है, एक झलक आयी हुई है। उनका जीवन स्तर ऊंचा उठा है। वे बेचारे इसी बात पर उम्मीद लगा कर बैठे हुए थे कि हमारी उन्नति हो। आज बोर्ड बनने के प चात उम्मीद दिखाई दे रही है कि वे हरियाणा प्रदे ा में एक अच्छी जीवन बसर कर पायेंगे।

उपाध्यक्ष महोदय, इसमें दो राय नहीं है कि हमारी आर्थिक हालत इतनी नहीं सुधरी है जितनी सुधरनी चाहिए थी। हमारे पास साधन होंगे तो हमारी आर्थिक हालत सुधरेगी। जो हमारे साथी हाउस में हरा साफा बांध कर गन्ने का हरा गोला लेकर आते है, उसको हाउस में दिखाने से हालत नहीं सुधरेगी। मुझे अच्छी तरह से पता है जब यहां पर इनकी सरकार थी तो दो और अढ़ाई रूपए क्विंटल के हिसाब से गन्ना बिका था। हरा साफा बांध कर आने से और हरा गोला यहां पर दिखाने से किसानों के साथ हमदर्दी नहीं हो सकती। किसानों के साथ हमदर्दी तो उनको गन्ने का भाव देने से होगी। पहले हमारी सरकार ने गन्ने का भाव बीस रूपये क्विंटल रखा लेकिन मैंने यहां हाउस में कहा था कि बीस रूपये कम है इससे ज्यादा होना चाहिए यानि 23 रूपये होना चाहिए। चौधरी भजन लाल जी ने 23 रूपये क्विंटल दे दिया और आज के दिन अपाको पता है कि 26 रूपये का भाव कर दिया है। दूसरी ओर हमारे साथी चौधरी भले राम किसानों का भला करने के लिये हाउस में हरा साफा बांध कर और गन्ने का हरा गोला लेकर आते है। इससे साफ जाहिर होता है कि उनके दिल में किसानों के प्रति कोई तड़प नहीं है। उस टाईम की सरकार ने किसानों को गन्नें का भाव नहीं दिया लेकिन आज की सरकार ने दिया है। आज सरकार लोगों की तकलीफों को समझ रही है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं क्या बात कहूं यहां पर ये चीनी के भाव की बात भी उठा रहे है कि चीनी के भाव बढ़ गये है। जब आप किसानों का तीस रूपये भाव

से गन्ना ले रहे है तो दो रूपये किलो के भाव से चीनी कैसे मिलेगी? चौधरी हुक्म सिंह जी जब आप गन्ने का भाव तीस रूपये क्विंटल मांग रहे है तों चीनी का भाव भी बढ़ाना पड़ेगा। मैं जानना चाहता हूं कि किसानों की दिक्कतें कैसे दूर हो सकती है। मैं किसानों का हमदर्द हूं। आप लोगों की तरह से हमदर्द नहीं हूं कि साफा बांध लो और हाउस में गोल लहरा दो। इस तरह से किसानों का भला नहीं हो सकता।

उपाध्यक्ष महोदय, मेरे भाई इस बात को भी हाई लाइट नहीं करेंगे कि हरिजनों की बस्तियों में इस साल स्ट्रीट लाइट देंगे और इस बात को भी हाइ–लाइट नहीं करेंगे कि 31 मार्च 1981 तक पहाड़ी क्षेत्र एवं खादर के कुछ गांवों को छोड़ कर राज्य के सभी गांवों को सड़कों से जोड़ दिया जायेगा। अपोजी ान के भाइयों को अपोजी ान के भाइयों को अपोजी ान का सही रोल अदा करना चाहिए। ये भाई कहते है कि अपोजी ान को मजबूत करो तभी सरकार ठीक चलेगी लेकिन असल बात तो यह है कि उनको भी तो अपना रोल सही रूप में अदा करना चाहिए। उनको यहां हाउस में सरकार की कमियों को बताना चाहिए। उनको अच्छे सुझाव देने चाहिए और अच्छी बातें बतानी चाहिए। मैं बाबू मूल चंद जी से उम्मीद करूंगा कि वे जरूर इन बातों को हाइ लाइट करेंगे। उपाध्यक्ष महोदय, हमने लोगों से वायदा किया है कि किसानों की चप्पा चप्पा भूमि को पानी दिया जाएगा इसके लिये सरकार नयी से नयी योजना बना रही है।

जब मेरे साथी चौधरी बीरेंद्र सिंह आई0पी0एम0 हुआ करते थे, उस टाईम पर मैं उनके नोटिस में बार बार लाता रहा कि मंडियों के अन्दर जो किसान चारा लाते है उस पर म्यूनिसिपल कमेटियां टैक्स लगाती है जो नहीं लगना चाहिए लेकिन उन्होंने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया। जब मैं चौधरी भजन लाल जी के नोटिस में यह बात लाया तो उन्होंने आर्डिनैंस जारी करवा दिया कि चारे पर टैक्स नहीं लगेगा। इससे गरीब किसानों को काफी लाभ हुआ।

इसी प्रकार मेरे साथी चौधरी मेहर सिंह राठी ने हमारे हल्के में एक माईनर बनवा कर किसानों का बहुत भला किया है। लेकिन उस टाईम पर मेरे बार बार कहने पर भी उस माइनर की ओर गौर नहीं किया गया। इस माइनर का सरदार तारा सिंह जी ने सात फरवरी को उद्घाटन करके लोगों को नया जीवन दिया है।

उपाध्यक्ष महोदय, मैं हाउस में एम0 आई0 टी0 सी0 के बारे में लगातार काल–अटैं ान मो ान और रैजोल्यू ान देता रहा लेकिन किसी ने कोई ध्यान नहीं दिया। जब चौधरी भजन लाल जी की सरकार आयी इसने फैसला लिया कि अढ़ाई एकड़ वाले किसान से खाल बनाने का कोई पैसा नहीं लिया जायेगा और बाकी किसानों का पचास परसैंट माफ कर दिया। श्री बीरेंद्र सिंह जी इरीगे ान मिनिस्टर थे तो उन्होंने 33 परसैंट माफ करने के लिए कहा था लेकिन उन्होंने आर्डिनैंस जारी नहीं किया। वैसे

इन्होंने मान लिया था कि 33 परसैंट माफ होना चाहिए लेकिव वह उनके दिल में और कागजात में ही रह गया। किसानों तक उसका लाभ नहीं पहुंच पाया।

मैं चौधरी ि ाव राम वर्मा जी को भी इस बात के लिये बधाई देना चाहता हूं कि उन्होंन गांवों में प ाुओं के लिये हस्पताल और डिस्पैंसरीज खोलने का प्रबंध किया है। आजकल एग्रीकलचर इतनी इकोनोमिकल नहीं है जितनी प ाुपालन है। आजकल गांवों में बहुत से लोग प ाुओं पर ही निर्भर है। जहां पहले बीस से ज्यादा हस्पताल नहीं खुल सके थे वहां आज हरियाणा में पिछले साल सौ खोलें और इस साल भी सौ खोलने जा रहे है। इनके खुलने से हमारे कितने ही नौजवान स्टाक अस्सिटैंट और वैटर्नरी कम्पाउन्डर बनेंगे। उन नौजवानों को नौकरी मिलेगी और किसानों का भला होगा।

उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं ऐजुके ान के बारे में अर्ज करना चाहता हूं। जो पहले सिक कालेज थे उनको टेक ओवर ही नहीं किया बल्कि उन कालेजों को 1.4,80 से 75 प्रति ात ग्रांट देनी भाुरू कर दी है। उपाध्यक्ष महोदय, पहले यह सिस्टम था कि पिछले वर्श की ग्रांट को इंकम में एड कर लिया जाता था तब टोटल डैफिसिट कैलकुलेट किया जाता था लेकिन चौधरी भजन लाल की सरदार ने उसको इन्कम नहीं माना है और टोटल डैफिसिट की 75 प्रति ात ग्रांट हर साल देते रहने को कहा है।

जो कालेजों में पढ़ा रहे है या जो मैनजमैंट में है वे ही इस बारे में जान सकते है।

(12.00बजे)

उपाध्यक्ष महोदय, स्पोर्टस के बारे में भी हमारे स्पोर्टस मंत्री चौधरी जगन नाथ जी ने बहुत अच्छा काम किया है क्योंकि वे खुद स्पोर्टसमैंन रहे है। इन्होंने अब खेलों की 33 स्कीमें चला रखी है। इस बारे में जो स्पोर्टस मैंन है वे ही अच्छी तरह जान सकते है। जब से इनको यह महकमा मिला है तब से इसमें काफी सुधार इन्होंने किया है। इस महकमें को खेलों में सुधार के लिये पिछले साल 34 लाख रूपये दिये गये थे। खेलों के अन्दर और अधिक सुधार लाने के लिए इस साल 60 लाख रूपये खर्च करने की योजना बनाई गई है। आप स्वयं महसूस कर सकते है कि हमारी स्टेट ने स्पोर्टस के अंदर कितनी तरक्की की है?

उपाध्यक्ष महोदय, हमारे मुख्य मंत्री चौधरी भजन लाल जी कहीं पर दस बैड्ज का हस्पताल कहीं पर पच्चीस बैड्ज का हस्पताल और कहीं पर तीस बैड्ज का हस्पताल खाले रहे है जबकि इनके समय में कुछ नहीं हो पा रहा था। मेरे अपोजी ान के साथी यह तो कहने लग जाते है कि फलां फलां जगह पर हस्पताल नहीं खोला गया लेकिन यह नहीं बताएंगे कि कहां कहां पर हस्पताल खोल दिए गए है ओर कहां कहां पर और नए हस्पताल खोलने जा रहे है?

उपाध्यक्ष महोदय, मैं मेहर सिंह राठी जी का तहदिल से धन्यवाद करना चाहता हूं। इन्होंने अपने समय में बहुत सी नई स्कीमं खोली है। इस संबंध में मैं अच्छी तरह से अपने हल्के के बारे में जानता हूं। जब मैं बाई इलैक ान में जीत कर आया तो चौधरी देवी लाल जी कहते थे कि मेरे को बनाने का श्रेय चौबीसी को जाता है। लेकिन जब वे मुख्यमंत्री थे तो उन्होंने चौबीसी की तरफ कोई ध्यान नहीं दिया। चौधरी बीरेंद्र सिंह जी कहा करते थे कि– (ाोर) (घंटी)

चौधरी सतबीर सिंह मलिकः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। इन्होंने हल्कें में यह कस्म खाई थी कि मैं तुम्हारा साथ नहीं छोड़ूंगा।

श्री उपाध्यक्षः यह कोई प्वायंट आफ आर्डर नहीं है।

चौधरी हरस्वरूप बूराः उपाध्यक्ष महोदय, मैंने इनके साथ अच्छे काम करने के लिए कसम खाई थी न कि हमे ाा साथ रहने के लिये। चौधरी चरण सिंह जी जब रोहतक में आये तो उनके जलसे में बारह हजार के करीब हाजरी थी। परन्तु जब मैंने कांग्रेस पार्टी ज्वायन की तो उस समय मेरे जलसे में करीब आठ हजार की हाजरी थी। इससे साफ जाहिर होता है कि लोगों ने मेरा कांग्रेस पार्टी में भााामिल होने का स्वागत किया क्योंकि यह लोगों की भलाई में था। मैं लोगों की भलाई के काम करने के पक्ष में हूं न कि इनकी तरह चीकनी धोती बांधने में। (घंटी)

उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं टूरिज्म कार्पोरे ान के बारे में भी थोड़ा सा जिक करना चाहता हूं। मैं दावे के साथ कहता हूं कि अगली दफा टूरिज्म कार्पोरे ान नैट प्रोफिट में आयेगा। उपाध्यक्ष महोदय, बस स्टैंडो पर 50 पैसे का एक चाय का कप मिलता है और वह भी एक प्रकार से जहर की तरह होता है। हम 60 पैसे के अन्दर चाय देते है। हमारी 60 पैसे की चाय के अन्दर दो कप बनते है (ाोर) आप वहां पर जा कर तो देखें कितनी अच्छी चाय देते है। चौधरी गंगा राम जी वहीं पर गए थे। इन्होंने मुझ से कहा कि आप गोहाना के अन्दर भी एक टूरिस्ट कम्पलैक्स खोल दें। उपाध्यक्ष महोदय, ज्यादा न कहते हुए मैं इन्हीं भाब्दों के साथ राज्यपाल महोदय के अभिभाशण का पुरजोर समर्थन करता हूं और अपने अपोजी ान के साथियों से उम्मीद करता हूं कि वे भी इस अभिभाशण का जरूर समर्थन करेंगे।

श्री उपाध्यक्षः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ–

कि राज्यपाल महोदय को एक समावेदन निम्नलिखित भाब्दों में पे ा किया जाए–

कि इस सत्र में इक्ट्ठे हुए हरियाणा विधान सभा के सदस्य उस, अभिभाशण के लिये राज्यपाल महोदय, के अत्यन्त कृतज्ञ है जो उन्होंने 9 मार्च, 1981 को सदन में देने की कृपा की है।

श्रीमती सुशमा स्वराजः उपाध्यक्ष महोदय, मैंने धन्यवाद प्रस्ताव के संबंध में एक सं ाोधन का नोटिस दिया था। पहले वह सं ाोधन मूव किया जाये। सं ाोधन मूव होने के बाद ही बहस आगे सही ढ़ंग से हो सकेगी।

श्री उपाध्यक्षः आपने सं ाोधन का नोटिस बहुत लेट दिया है। वह अभी एग्जामिन नहीं हो पाया है।

श्रीमती सुशमा स्वराजः उपाध्यक्ष महोदय, जब श्री सुमेरचंद भट्ट जी बोल रहे थे, उस समय मैंने अपना सं ाोधन दिया था। अगर वह सं ाोधन रखा नहीं जायेगा तो धन्यवाद प्रस्ताव पर आगे बहस कैसे हो सकेगी? आप स्वयं देख लें कि क्या सं ाोधन मूव कराये बिना आप बहस जारी करवा पायेंगे? अगर करवाना चाहते हो तो मुझे कोई एतराज नहीं है। (ाोर)

Mr. Deputy Speaker: It was too late. It could not be considered.

Shrimati Sushma Swaraj: How can you say that it was too late\

रूल 21 में लिखा है:–

"Amendments may be moved to such motion of Thanks in such form as may be considered appropriate by the Speaker."

श्री उपाध्यक्षः आपको अपना सं ाोधन एक दिन पहले मूव करना चाहिए था। आपका नोटिस पहलें नहीं आया, बाद में आया है।

श्रीमती सुशमा स्वराजः कल तो राज्यपाल महोदय बोल कर गए है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपको रूल 21 दिखाना चाहती हूं। इसमें कहां पर लिखा है कि नोटिस एक दिन पहले आना चाहिए। मैंने रूल 21 के तहत अमैंडमैंट का नोटिस दिया है। (ाोर)

Mr. Deputy Speaker: It was too late.

श्रीमती सुशमा स्वराजः इस में कहां पर लिखा है कि एक दिन पहले दिया जाना चाहिए था या बाद में दिया जाना चाहिए था। कल तो राज्यपाल महोदय बोल कर गए है और धन्यवाद प्रस्ताव आज मूव हुआ है। धन्यवाद प्रस्ताव मूव हुए बगैर मैं किस विशय पर नोटिस दूं। अब जब प्रस्ताव सदन में आ गया तो मैंने यह अपनी अमैंडमैंट दे दी है। मैं क्या कल्पना कर सकती थी कि राज्यपाल महोदय कया बोल कर जाएंगे। मुझे क्या मालूम था कि धन्यवाद प्रस्ताव क्या है? आप कह रहे है कि it was too late.

श्री उपाध्यक्षः आप जनरल रूल की तरफ ध्यान दे लीजिए मैं आपको बता देता हूं।

Shri Baldev Tayal: Sir, I just want to draw your kind attention to Chapter V. The title of this Chapter is

Governor's Address and Communications between Governor and Assembly. The general rules do not apply to this Chapter. In this very Chapter under Rule 21, the procedure for moving the amendments has been laid down. Further more, the contention of Shrimati Sushma Swaraj is very correct when of Thanks has already been moved. you will be pleased to note that the motion of Thanks was moved today by Shri Sumer Chand Bhatt and only after moving that motion, an amendment can be moved. Otherwise, the amendment could not have been moved earlier, when there was no motion of Thanks. How can an amendment be there? You see when a thing is not in existence how can that thing be amended into another thing? So my humble submission before you is this that the amendment also be put before the House now.

श्री उपाध्यक्ष: ऐसे है कि बहिन जी ने आज 11.45 पर नोटिस दिया था। वह अभी एग्जामिन नहीं हो पाया है। एग्जामिन होने के बाद कंसिडर होगा और जो भी डिसीजन होगा वह बता दिया जायेगा। इसके अलावा कोई दूसरी बात नहीं है।

Shri Baldev Tayal: Sir, what is there to consider about it, when there are specific rules? (Interruptions). Sir, again I want to draw your kind attention. You are a lawyer. You have been practising in law courts. You know there are some codified laws. There are some specific rules laod down in this book. The Speaker, Minister or the Members of this august House cannot go beyond these rules. It is not the discretion of the Speaker to allow or disallow where there are specific rules laid down in this book.

Mr. Deputy Speaker: I have not disallowed it. It is being considered.

Shri Baldev Tayal: Sir, may I know what is being considered? (Interruptions).

Mr. Deputy Speaker: The thing to be examined is whether the amendment which is to be moved by Smt. Sushma Swaraj is under the rules or not?

Shri Baldev Tayal: Sir, the House has laid down the rules. (Interruptions) We have quoted Rule 21. (Interruptions). Is there any ambiguity in the rules? (Interruptions.)

Mr. Deputy Speaker: You please read rule 22, which is as under-

"(1) Notwithstanding that a day has been allotted for discussion on the Governor's Address other business of a formal character may, with the permission of the Speaker, be transacted on such day before the Assembly commences or continues discussion on the Address.

(2) The discussion on the Address may be postponed in favour of a Government Bill or other Government business on a motion being made that thediscussion on the Address be adjourned to a subsequent day to be appointed by the Speaker....."(Interruptions).

Shri Baldev Tayal: This does not apply to this. (Interruptions.) Sir, one thing more I have to submit, which also may be taken into consideration. You have often quoted

the book 'Practice and Procedure of Parliament' by Kaul and Shakdher, which specifically lays down- at page 173-

Amendment to the Motion of Thanks.

"Notices of amendment to the Motion of Thanks received after the President has delivered his Address but before a copy thereof is laid on the table, are treated as valid."

(Interruptions)

However, lists of amendments are circulated to members after the notice of the Motion of Thanks is received in the Secretariat.

श्री उपाध्यक्षः कापी तो ले ही चुकी है (व्यवधान व भाोर) अगर आप चाहती तो पहले ही अमैंडमैंट दे सकती थी।

श्रीमती सुशमा स्वराजः आप जरा इसको पढ़िये। सिचुए ान यह अराईज हो गयी थी कि मो ान आफ थैंक्स मूव नहीं हुआ था यह तो एक कांस्टीच्यू ानल प्वायंट है, इस पर झगड़ा नहीं होना चाहिए। अब सिचुए ान यह अराईज हो गयी मो ान आफ थैंक्स मूव करने से पहले और कापी ले डाउन होने के बाद अगर अमैंडमैंट दी जाए क्या वह वैलिड है या नहीं है। इस बात पर आपकी रूलिंग चाहिए। जनरल प्रोसिजर तो यह है कि मो ान आफ थैंक्स मूव होने के बाद ही नोटिस आफ अमैंडमैंट आना चाहिए। वह तो वैलिड है ही। लेकिन हमने जो नोटिस आफ अमैंडमैंट, मो ान आफ थैंक्स मूव होने के तुरन्त बाद दे दिया था, उसे भी यह कहा गया कि it is too late. डिप्टी

स्पीकर साहब, आप इस रूल की बाद की लाइनों को पढ़िये अगर नोटिस आफ अमैंडमैंट मो ान मूव होने से पहले दिया जाता है तो वह भी वैलिड है। उसकी भी कापियां मो ान आफ थैंक्स मूव होने के बाद ही सरकुलेट की जायेगी। जैसे मैंने पहले कहा कि जनरल प्रोसीजर तो यह है कि मो ान आफ थैंक्स मूव होने के बाद अमैंडमैंट दी जायेगीर लेकिन अगर कहीं पर ऐस सिचुए ान अराईज हो जाये कि मो ान आफ थैंक्स मूव न हुआ हो और कापी अभी ले डाऊन न हुई हो, फिर भी अमैंडमैंट दे दी जाये तो वह भी वैलिड होगी। मैंने तो जनरल प्रोसीजर आपको बता दिया है। यह जो आपने पढ़ा है, यह इसलिये यहां पर लागू नहीं होता वैसे भी इसकी इंटैं ान स्पैसिफाई होनी चाहिए कि अमैंडमैंट की कापियां भी मो ान आफ थैंक्स मूव होने के बाद ही सरकुलेट की जायेगी।

श्री उपाध्यक्षः आप पहले सारे पेज को पढ़ लें।

श्रीमती सुशमा स्वराजः मैं आपको सारा पेज पढ़ने के बाद ही बता रही हूं। देखिए दो मत है। वह वैलिड है। इसमे इंटरप्रेटै ान की बात है वैसे वह भी वैलिड है। और यह भी वैलिड है। This is a minor distinction. This is not only the thing that that is valid but that is also valid. This is the only distinction.

श्री मूल चंद जैनः डिप्टी स्पीकर साहब, जहां तक मेरी समझ में आया है वह यह है कि अमैंडमैंट का नोटिस किस स्टेज

पर दिया जा सकता है? यह नोटिस तो इस स्टेज पर भी दे सकते है लेकिन जो असली प्वायंट है वह यह है कि आया आपको और आपके स्टाफ को उसे एग्जामिन कर रहे है। लेकिन यह तमाम एग्जामिन नहीं हो सकता। (ाोर एवं व्यवधान) प्वायंट यह है कि आपके आफिस और आपको अधिकार है या नहीं? (व्यवधान) अगर कोई ऐसा मो ान हो जिस पर एग्जामिन करने की कोई बात हो, तो आप यह फैसला दे सकते है कि एग्जामिन करने के बाद फैसला दूंगा। इसमें भी मेरी राय यही है और आपको कहना भी यह चाहिए कि ज्यों ही एग्जामिन हो जायेगा वैसे ही इनको अपना मो ान मूव करने का अधिकार होगा।

वित मंत्री(चौधरी खुर ाीद अहमद): बहिन जी, आप रूल 21 को जरा गौर से पढ़े। (विघ्न) वह आगे पढ़ना नहीं चाहती। डिप्टी स्पीकर साहब, जिस रूल 21 के तहत इन्होंने अपनी अमैंडमैंट दी है, उसी के तहत यह दिया हुआ है कि आपको और आपके आफिस को यह अख्तियार हैं कि वह इसकों देखे कि whether it is proper or not. लेकिन यह नहीं कि motion is given and ifso facto it is taken as in order. So the only thing what the rule requires is that the amendments may be moved to such motion of Thanks in such forms as may be considered appropriate by the Speaker. So whether it isappropriate or not is to be examined by the Vidhan Sabha Secretariat which as stated by the Chair is being done and, therefore, there can not be any objection to it. There is no point in insisting that

it must be decided before the discussion takes place. (Interruptions).

श्रीमती सुशमा स्वराजः डिप्टी स्पीकर साहब, यह मामला तो बिना वजह ही उलझ रहा है। जो कुछ पार्लियामैंट्री अफेयर्ज के मिनिस्टर साहब ने कहा है वह बिल्कुल सही है।

श्री उपाध्यक्षः एग्जामिन होने के बाद अगर अमैंडमैंट एडमिट हो जाती है तो आपको अपचुर्निटी मिलेगी

Shri Mool Chand Jain: If she will be given an opportunity, then the matter ends.

श्री उपाध्यक्षः मैंने उनको बता दिया है कि अगर एग्जामिन होने के बाद एडमिट हुआ तो उनको टाईम मिलेगा।

श्रीमती सुशमा स्वराजः आप इसको टू लेट की बिना पर रिजैक्ट तो नहीं कर रहे है? (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Deputy Speaker: No, no. It is not being rejected on that basis. (Interruptions).

Shri Baldev Tayal: Sir, may I again draw your kind attention to page 174 of the book 'Practice and Procedure of Parliament' by Kaul and Shakdher-

"This discussion on the Motion is initiated by the proposer of the Motion, who is followed by the seconder. The member who have tabled amendments are then asked to indicate their intention to move the amendments standing in their names and such of the amendments as are selected by

the members are taken as moved and an announcement to that effect is made by the Speaker. Besides, there is no bar to the Speaker permitting a member to move an amendment at a later stage.....

These are the only two situations. So what the Parliamentry Affairs Minister is saying is imaginary and in his mind only. It is not mentioned in this authoratative book, Sir.

Mr. Deputy Speaker: I have stated that if the amendment is admitted after examination, an opportunity will be given to the hon. Member. मैंने बहिन जी को कह दिया है कि उनको टाईम मिलेगा।

श्री बलदेव तायलः धन्यवाद, सर।

श्री मूल चंद जैन(सम्भालखां): डिप्टी स्पीकर साहब, गवर्नन साहब का भाुक्रिया अदा करने के लिये जो मो ान मूव हुआ है, मैं उसका विरोध करने के लिए खड़ा हुआ हूं। डिप्टी स्पीकर साहब, ऐसा मालूम होता है कि रूलिंग पार्टी और हम दो दुनियाओं में रहते है। हमारी दुनिया अलग है और उनकी दुनिया अलग है। स्टेट में जो कुछ हो रहा है मुझे आ ाा थी कि गवर्नर ऐड्रैस में उसका कुछ तो रिफलैक ान अव य होगा लेकिन ऐसा उसमें नहीं है अभी बारह फरवरी को भिवानी में लाखों आदमियों ने डिमौंसट्रे ान किया था। यहां पर दो मंत्री भिवानी के बैठे हुए है। अखबार के रिप्रैजैंटेटिव्ज ने उनसे पूछा कि भिवानी में आग लगी हुई है वहां पर आप क्यों नहीं जा रहे है? (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय, मेरी गुजारि ा है कि ये लोग सुनने की कोि ा ा करें।

परिवहन मंत्री(श्री जगन नाथ): आप ऐसा कैसे कहते है कि 12 तारीख को मैं वहां नहीं था?

श्री मूल चंद जैनः डिप्टी स्पीकर साहब, मैं कह रहा था कि प्रैस वालों ने इनसे पूछा और जो कुछ जवाब प्रैस में आया वह मैं आपको बताना चाहता हूं। इन्होंने कहा कि क्या आप हमको पिटवाना चाहते है लेकिन आज तक मिनिस्टर महोदय ने इसको तरदीद नहीं किया है। मैं अब तक यह समझ रहा था कि डैमोक्रेसी में अपोजी ान और रूलिंग पार्टी में बहुत फर्क नही होता है। (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए) स्पीकर साहब, मैं अपने दोस्त श्री सुमेर चंद का आभारी हूं कि उन्होंने मेरी प्र ांसा की। चौधरी हरस्वरूप बूरा ने भी प्र ांसा की और अपील की कि अपोजी ान भी स्टेट में जो निर्माण का काम हो रहा है उसमें सहयोग दे।

स्पीकर साहब, मैं कहना चाहता हूं कि चीफ मिनिस्टर साहब को मैं बराबर चिट्ठी लिखता रहता हूं और मुझे ताज्जुब है और मैं हाउस के नोटिस में भी यह बात लाना चाहता हूं कि मेरी चिट्ठी का कभी दो महीने में और कभी तीन महीने में जवाब आता है। हमारी स्टेट में मुखतलिफ कमेटीज गवर्नमैंट लैवल पर बनी रही है। मैं उन कमेटीज की लिस्ट दे सकता हूं जो गवर्नमैंट

लैवल पर बनी है लेकिन उन कमेटिज में अपोजी ान के मैम्बर्ज को नहीं रखा गया हैं। मैंने चीफ मिनिस्टर को लिखा।

श्री अध्यक्षः आप कौन सी कमेटीज का जिक्र कर रहे है?

श्री मूल चंद जैनः स्पीकर साहब, मैं हाउस की कमेटीज का जिक्र कर रहा हूं। चूंकि इन्होंने अपील की थी इसलिये मेरा फर्ज था कि मैं अपील को रिस्पौंड करूं। स्पीकर साहब, एक पहली चिट्ठी मैंने चीफ मिनिस्टर को लिखी उसमें लिखा कि आप गवर्नमैंट की कमेटीज बना रहे है आप उसमें केवल कांग्रेस के आदमी ले रहे है कुछ हमारे आदमियों को भी लें। आप ऐसा क्यों समझते है कि सारी अक्ल कांग्रेसियों में ही है। स्पीकर साहब, चीफ मिनिस्टर का जवाब आया कि आइंदा इसका ख्याल रखेंगे मैंने इनको फिर चिट्ठी लिखी कि आप पिछली गलती को भी दुरूस्त करो। स्पीकर साहब, इन्होंने पिछली गलती दुरूस्त क्या करनी थी, उस चिट्ठी के बाद भी गवर्नमैंट ने और कमेटी बनाई उसमें भी अपोजी ान के आदमी नहीं लिए। मैं कहना चाहता हूं कि आइंदा अगर आप हमारी कोआप्रे ान चाहते है तो इस तरह की चीजों का आपको ध्यान रखना पड़ेगा। कल स्पीकर साहब ने बहुत ही भाानदार अपील की थी। उसके कुछ हिस्सों से चाहे हम मतभेद रखते हों, लेकिन उन्होंने यह कहा था कि हाउस की डिगनिटी को बनाए रखनें में एक नई मिसाल कायम करनी चाहिए। स्पीकर साहब, हम अपोजी ान के आदमी सहयोग देना

चाहते है। मगर सरकार के काम जिस तरीके से चल रहे है और उन का जो नक ाा मैंने पे ा किया है। उससे पता लगता है कि वह सहयोग नहीं लेना चाहते है। इस प्रस्ताव को पढ़ कर पता लगता है कि हमारी स्टेट की जो समस्या है, स्पीकर साहब, हमारी स्टेट की ही समस्या नहीं बल्कि हमारे राश्ट्र की जो समस्या है उसके बारे में इसमें कोई जिक नहीं है। स्पीकर साहब, आज जो हमारे जवान लड़के और लड़कियां है क्या वे सिनकी नहीं बन रहे है? हमारी सरकार उनके सिनकपन को हटाने के लिए क्या कर रही है? स्कूल कालेजों में नैतिक ि ाक्षा क्यों नहीं दी जाती? मुझे अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि जब भी हम ऐसा प्वायंट उठाते है तो चीफ मिनिस्टर साहब कहते है कि आप भी तो दो साल मिनिस्टर रहे है, आप भी तो छः महीने मिनिस्टर रहे है। यह एक गैरजिम्मेदाराना बात है। मैं मानता हूं कि यह समस्या उस समय भी थी और आज भी है। मैंने पिछले सै ांज में भी यह बात कही थी कि यह राश्ट्र की एक गम्भीर समस्या है और इसको अव य हल करना चाहिए। स्पीकर साहब मैं कहना चाहता हूं कि कांग्रेस के पास ही केवल टेलेंट नहीं है बल्कि और लोगों के पास भी टेलेंट है। मुझे अफसोस के साथ कहना पड़ रहा है कि आपने तो अपनी कांग्रेस के टेलेंट का भी फायदा नहीं उठाया। अगर आप सारे दे ा के टेलेंट का फायदा उठा कर भी दे ा की सभी समस्याएं सुलझा सकें तो भी दे ा आपका बहुत भ्ाुकगुजार होगा और आइंदा आने वाली पीढ़िया आपकी बहुत एहसानमंद होगी।

स्पीकर साहब, पीछे भी मैंने जिक्र किया था कि हमें अपने स्कूलों और कालेजों में मौरल ऐजुके ान, नैतिक ि ाक्षा इंट्रोडयूस करनी चाहिए। क्या इस एड्रैस में मौरल ऐजुके ान का कोई जिक्र है? स्पीकर साहब, अढ़ाई वर्श जनता पार्टी का भाासन रहा, मैंने मौरल ऐजुके ान का प्र न उस समय भी उठाया। जून 1979 से जनता पार्टी के नाम से और फिर जनवरी 1980 से कांग्रेस पार्टी के नाम से आप स्टेट का एडमिनिस्ट्रे ान चला रहे है। मैंने रिपिटिडली इस प्र न को उठाया और उसका जवाब दिया गया कि कमेटी बनाई गई है। जो कैरिकुलम तैयार करेगी, लेकिन हुआ कुछ नहीं। स्पीकर साहब, जनता पार्टी के जमाने से बालिग तालीम का प्रोग्राम चला आ रहा है लेकिन इस ऐड्रैस में कहीं भी एडल्ट ऐजुके ान का कोई जिक्र नहीं है। अगर कहीं हो तो मुझे बताइए। स्पीकर साहब, आज दे ा में चपरासी से लेकर राश्ट्रपति तक सब यह कह रहे है कि हमारी ि ाक्षा प्रणाली खराब है। हमारी ि ाक्षा बेरोजगार पैदा करने की एक म ाीन है। मैं पूछना चाहता हूं कि उस बेरोजगार पैदा करने की म ाीन को दुरूस्त करने के लिए आपकी सरकार ने क्या किया, आपकी सरकार ने क्या कदम उठाए है? क्या मैं इस तरह के ऐड्रैस का भाुकिया अदा करूं? यह कोई अंग्रेज का राज्य तो है नहीं। वे ऐसा करते थे कि देहात में सुधार के नाम पर किसी जगह कुरड़ी को ठीक कर दिया या छोटा मोटा और काम कर दिया। आपने तो समस्याओं से झूझना है। क्या इस ऐड्रैस में इस बात का जिक्र है कि किस तरह से आप इन समस्याओं से झूझंगे? स्पीकर

साहब, कहीं भी जिक्र नहीं है कि जो समस्याएं हमारी स्टेट में है, उनको इस तरह से हल करेंगे। बूरा साहब जब बोल रहे थे तो उन्होनें आंकड़ें पे ा किए कि फलां मद पर पिछले साल पांच करोड़ रूपया खर्च किया अगले वर्श छः करोड़ रूपया खर्च किया और उससे अगले साल पहले से ज्यादा खर्च करेंगे। वे इस तरह से बात रहे थे जैसे बड़ा भारी मोर्चा मार लिया हो। मैं सदन को बताना चाहता हूं कि इतनी तो कीमते बढ़ रही है और ये कह रहे है कि पांच करोड़ रूपये से छः करोड़ रूपये खर्च कर दिया और फिर छः करोड़ रूपया से अधिक खर्च करेंगे। स्पीकर साहब, इसका मतलब यह है कि ये कुछ नहीं कर रहे है। ये जो ज्यादा खर्च कर रहे है वह कीमते बढ़ने के कारण है। इस तरीके से सोचना गलत है। बेरोजगारों के लिये आपने क्या किया? मैं कहना चाहता हूं कि बेरोजगारी की समस्या तब तक हल नहीं हो सकती जब तक कि आप गांधी जी के बताए हुए रास्ते पर अमल नहीं करोंगे। उन्होंने इस दे ा को एक रास्ता दिया था और कहा था कि बड़े–बड़े कारखानों पर पाबंदी लगाओ। जो चीजें घरों में हमारी मां बहनें बना सकती है और जिन चीजों को गांवों में छोटी छोटी म ानों से बनाया जा सकता है, उन चीजों के लिये बड़े बड़े कारखानों पर पाबंदी लगानी चाहिए। लेकिन मुझे अफसोस है कि इस दि ाा में आज तक इस सरकार ने कुछ नहीं किया। आप कहते है कि मार्किटिंग का इंतजाम करेंगे। रूरल इंडस्ट्रीज का मामला तब तक सफल नहीं हो सकता जब तक मार्किटिंग का इंतजाम नहीं करेंगे। (व्यवधान) गांधी जी के नाम

पर कांग्रेसी वोट लेते रहे। क्या कोई मैम्बर या चीफ मिनिस्टर खड़े होकर यह कह सकता है कि उन्होंने ऐसा नहीं कहा था। अध्यक्ष महोदय उन्होनें कहा था कि बड़े बड़े कारखानों पर पाबंदी लगेगी तो छोटे उद्योगों को माल की मार्किटिंग आप ही हो जाएगी। स्पीकर साहब, कोई भी मुझे हाउस में कहे कि मैं गांधी जी को गलत कोट कर रहा हूं। जब तक सरकार गांधी जी के असूलों पर नहीं चलेगी, अपनी नीति को नहीं बदलेगी तब तक यह दे ा आगे नहीं चल पाएगा और दे ा की भलाई नहीं हो सकेगी। स्पीकर साहब, मैंने कांग्रेस वालों का मैनीफैस्टों पढ़ा है कि नहीं। उसमें लिखा है कि विरोधी पक्ष इस नीति से प्रिमिटिविजम लाएंगे और प्रीमेटिव सोसायटी बनायेंगे। स्पीकर साहब, आज दे ा एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है कि हम अकेली खेती बाड़ी पर निर्भर करके गुजारा नहीं कर सकते। आज अगर किसी किसान के पास दस किल्ले जमीन है तो वह आज तो गुजारा कर सकता है लेकिन कल को जब उसका परिवार बढ़ेगा तो एक आदमी के हिस्से एक–दो किल्ला ही आएगा। इसलिये सरकार को चाहिए कि वह देहातों में स्माल स्केल इंडस्ट्रीज लगाए ताकि लोगों का रूझान उस तरफ हो सके। सरकार छोटी छोटी म ाीनरी देहातों में लगाए जिस तरीके से जापान में काम हो रहा है। हम गरीबों को तभी ऊपर उठा सकेगें वरना मुझे और कोई रास्ता गरीबी दूर करने का दिखाई नहीं देता है। गवर्नर साहब के ऐड्रैस में इस किस्म का कोई इ ाारा नहीं मिलता है कि सरकार ने गरीब लोगो की मदद करने के लिये कोई उपाय किये है। अभी सुमेर चंद जी

भट्ट बड़ै उछल उछल कर यह कह रहे थे कि कि हो सकता है कि सचमुच में ही कुद काम हुए होंगे इन्होंने आगे कहा कि पहले तो हरिजनों को छन छन कर (परकुलेटर होकर) फायदा मिलता था। अब तो हमने डायरेक्ट फायदा दिया है। स्पीकर साहब, जो फायदे इन्होंने दिये है, वे मैं इनको गिना देता हूं कि इन्होंने हरिजनों को क्या क्या दिया है? गवर्नर साहब ने अपने ऐड्रैस में बताया कि वर्श 1981–82 के लिये 290–00 करोड़ रूपये की अन्तिम योजना स्वीकृत की गयी है। आगे चलकर गवर्नर साहब ने अपने ऐड्रैस में लिचाा है कि कुल योजना परिव्यय का लगभग 12. 26 परसैंट यानी 34 करोड़ रूपया गरीब हरिजनों की भलाई के लिये नियत करने का प्रस्ताव है ताकि 50,000 और परिवारों को इस योजना के अन्तर्गत लाया जा सके। देहाती विकास के अनेक कार्यक्रमों के अन्तर्गत खर्च किये जाने वाले धन का लगभग 66 परसैंट अनुसूचित जातियों के लाभ के लिए होगा। यानि 34 करोड़ रूपया हरिजनों की भलाई के लिये खर्च होगा। स्पीकर साहब, आप को पता है कि आज 80 परसैंट आबादी देहातों में है अगर आप सारा हिसाब लगाकर देखें तो आपको पता चलेगा कि 290 करोड़ रूपये की योजना में से केवल 52–53 करोड़ रूपया ही देहातों की भलाई के लिये रखा गया है और 2.00 करोड़ रूपये की प्राधिकृत पूंजी से हरियाणा पिछड़े वर्ग कल्याण निगम स्थापित किया गया हैं। यह निगम राज्य के विभिन्न जिलों में क्षेत्रिय कार्यालय स्थापित करेगा अभी तक इस निगम ने एक भी पिछड़े वर्ग की सहायता नहीं की है। हरिजन कल्याण निगम के द्वारा

5000 आदमियों को कर्जा साल में दिया जायेगा। मैंने पिछले सै ान में भी इस बारे में कहा था कि इस निगम द्वारा जिस हिसाब से हरिजनों को कर्जा दिया जा रहा है अगर इसी रफतार से कर्जा दिया जाता रहा तो जो चार लाख के करीब, हमारे प्रान्त में हरिजन परिवार है, उनको कर्जा देने में कम से कम 800 वर्श का समय लगेगा।

इसके साथ साथ गवर्नर साहब ने अपने ऐड्रैस में बताया है कि 1978–79 के आंकड़ों के अनुसार गरीबी की रेखा से नीचे रहने वाले लगभग 3.21 लाख परिवार अनुसूचित जातियों में है, जिनको हम गरीबी रेखा से ऊपर लाने के लिये वि ोश योजनाएं चला रहे है। अगर इसी तरह से रफतार चलती रही तो एक लाख परिवारों को बीस सालों में और तीन लाख परिवारों को साठ सालों से ऊपर उठा सकेंगे। फिर भी यह सरकार गरीबों के लिये, गरीब हरिजनों के लिये मगरमच्छ के आंसू बहाती है। पिछले सै ान में भी गवर्नर साहब ने कहा था कि हरिजन चौपालों के लिये हमने एक करोड़ रूपया रखा है लेकिन बजट में केवल 25 लाख ही आया। मैंने उस वक्त भी प्वायंट आउट किया था कि यह इस तरह की डिस्क्रिमैंसी का क्या कारण है, यह डिसिक्रपैंसी किस तरह से साल्व होगी। उस वक्त लाला बलवंत राय तायल जी वित मंत्री थे उन्होंने कहा कि आप हरिजन चौपालों के लिये जितना रूपया मांगोगे हम देंगे। स्पीकर साहब, हुआ क्या? जो 25 लाख रूपया इस काम के लिये रखा गया था उसमे से भी बीस

लाख रूपया सरण्डर होगा (ोम भोम की आवाजें) स्पीकर साहब, मैं वैलेंज के साथ कहता हूं कि जब चौधरी देवी लाल जी की सरकार थी, उस वक्त इस तरफ खास ध्यान नहीं दिया गया था और हमारी सरकार ने जिलों की एउमिनिसट्रेटिव म ीनरीज को यह खास हिदायतें दी थी कि आप मैचिंग ग्रांटस के लिये पंचायतों में जाएं बी0डी0ओज0, तहसीलदारों और एस0डी0एमज0 को इस बारे में हिदायतें दी गयी थी कि आप मैचिंग ग्रांटस के लिये रूपया जमा कराओं और यह जो पैसा सरकार ने हरिजनों की चौपालों के लिये रखा है, इसको खर्च करो। लेकिन इस सरकार ने हमारे मुकाबले में एक उंगली भर भी काम नहीं किया। उसका नतीजा क्या होगा कि हरिजन चौपालों के लिये मु कल से 25 लाख में से केवल 2–4 लाख रूपया ही खर्च होगा। स्पीकर साहब, हो सकता है कि मेरे इस भाशण के बाद सरकार कोई कदम उठा लें, वरना यह सरकार इस बारे में कोई कदम उठाने की इच्छुक नहीं रही है। मैं आपको बताता हूं कि 22 लाख रूपया अभी भी जिलों में डी0सीज0 के पास यूं का यूं पड़ा हुआ है, जिसका हरिजन भाइयों को कोई लाभ नहीं होगा।

इस के साथ साथ स्पीकर साहब मैं आपको बताता हूं कि आज से आठ महीने पहले जब गंदम किसान के खलिहानों से बाहर आ गयी, उस वक्त उस गंदम का भाव 100, 102, 110 तक ही रही। स्पीकर साहब, आप देखें कि आज किस को गंदम की जरूरत नहीं है। कोई बड़ा आदमी है, कोई बड़ा किसान है,

उसको जरूरत न होगी मगर मार्जिनल किसान या हरिजन और पिछड़े वर्ग, सब को गंदम की आव यकता है। इस सरकार ने हरिजनों और मार्जिनल फारमर्ज को सस्ती गंदम सप्लाई करने के लिये कोई कदम नहीं उठाया। पिछलें दिनों इस बात का कहीं जिक आया था कि सरकार आटा क्यों नहीं दे पायी। हमारे एक साथी ने कहा था जिनका मैं यहां पर नाम लेना मुनासिब नहीं समझता। उन्होंने कहा था कि सरकार इस लिय आटर नहीं दे पायी क्योंकि बिजली इंजीनियर्ज ने हड़ताल कर दी। हम तो स्पीकर साहब, यह कहते है कि गरीब हरिजन के तो घर घर में चक्की है, तुम गंदम दो गंदम मार्किट में तो आनी चाहिए, वे लोग तो अपनी अपनी चक्की पर ही अपने घरों में गंदम को पीस सकते है जैसाकि उनकी मां बहनें पहले कर रही है। एक तरफ तो ये उन गरीबों से महात्मा गांधी के नाम पर वोट मांगते है और दूसरी तरफ उनका भाोशण कर रहे है। क्या इनके पास इस बात का कोई जवाब है? स्पीकर साहब, मैं देहातों में जाने आने का काफी आदि हूं। जब मैं देहातों में जाता हूं तो वहां के लोग मुझ से पूछते है कि जैन साहब हमें इन बातों का जवाब दो कि वह गंदम जो आज से आठ महीने पहले किसानों के घरों से 100 से लेकर 117 रूपये पर क्विंटल के हिसाब से उठाई गयी थी, सरकारी गोदामों के अन्दर जाने के बाद उसी गंदम का भाव अब 180, 190, 200 व 220 कैसे हो गया? वे लोग मेरे से इस सवाल का जवाब पूछते है। स्पीकर साहब, ऐड्रैस में इस बात का क्लेम किया गया है कि हमने पांच हजार दुकानें खोल दी। स्पीकर

साहब, उनमें क्या हो रहा है? वे इनके कप ान के अड्डे है इनके सिवल सप्लाई के कर्मचारी लाखोंपति बन गए तथा उनमें से तो कुछ पौलिटीि ायंज भी बन गये है। आज गांव वालों को सीमेंट नहीं मिलता है, मिट्टी का तेल नहीं मिलता है और कंट्रोल्ड क्लाथ नहीं मिलता है। मैं खुर ाीद भाई से पूछना चाहता हूं कि जो कंट्रोल्ड क्लाथ गवर्नमैंट आफ इंडिया से आता है, वह कहां गया? उस कपड़े की धोती की कीमत 12–13 रूपये है लेकिन आप किसी देहती भाई से पूछो कि क्या किसी को वह धोती मिली है? वह सारा कपड़ा ब्लैक में बिकता है। आपको सीमेंट और मिट्टी का तेल जितना भी चाहिए वह ब्लैक मार्किट में तो मिल सकता है लेकिन कंट्रोल प्राइस पर नहीं मिलेगा। मैं सरकार से पूछना चाहता हूं कि कहां है तुम्हारी म ाीनरी? (विघ्न) स्पीकर साहब, मैं इस नुक्ताचीनी के द्वारा इस सरकार से अपील करता हूं कि अभी इन गरीब भाइयों को एक महीनें की और दिक्कत हैं। इन गरीब भाइयों के लिये और जिस वीकर सैक ान के लिये आपने इस ऐड्रैस में मगरमच्छ के आंसू बहाने की कोि ा ा की है, आप उनके लिये कम से कम इतना तो कर दें कि उनको गेहूं सस्ते दाम पर मिल जाए। चीफ मिनिस्टर साहब जब जवाब देंगे तो कहे कि हमने देहातों में गेहूं पहुंचा दिया है। अगली बात मेरी यह है कि इस स्टेट में इतनी कप ान है लेकिन इस अभिभाशण में उसका बिल्कुल जिक नहीं है। आज ही एक सवाल हाउस में आया था कि 11 करोड़ रूपये बिक्री कर कर बकाया है। चीफ मिनिस्टर साहब ने बताया कि साढ़े चार करोड़

रूपये के बारे में तो कोर्ट से स्टे मिल गई है। मैं पूछना चाहता हूं कि बाकी के साढ़े छः करोड़ रूपये को रिकवर करने के लिये आपने क्या किया? दूसरी तरफ आप देखें हांसी के एक गरीब किसान ने गोबर गैंस प्लांट के लिये तीन हजार रूपये का कर्जा लिया था। उसके पास उस कर्जे को वापिस करने का कोई साधन नहीं था जिस वजह से उसे गिरफतार कर लिया तीन दिन तक वह हवालात में रहा और बाद में वह मर गया। पता नहीं उसको मारा गया हे या भूख की वजह से उसने खुदक ाी कर ली। अगर उसने खुदक ाी भी की तो उसे ऐसा करने के लिये मजबूर किया गया। (ोम भोम की आवाजें) स्पीकर साहब, आपको याद होगा कि ये गोबर गैस प्लांट जबरन लोगों पर थोपे गये थे। किसी अमरी आदमी का बिजनैस चलाने के लिये लोगों पर ये जबरन थोपें गए थे और ऊपर से अब ऐसा हो रहा है। आज हालत यह है कि सारी संस्थाओं को डि–ग्रेड कर दिया गया है। मुझे एक आध बार किसी काम के लिये चीफ मिनिस्टर साहब के आफिस में जाना पड़ा। मैंने वहां देखा कि रोजगार लेने वालों की लाईन लगी हुई थी। मैं जानना चाहता हूं कि चीफ मिनिस्टर के आफिस का रोजगार दिलाने से क्या संबंध है? ये इस बात को एनकेजमैंट क्यों दे रहे है? यह हो सकता है कि चीफ मिनिस्टर साहब ने हिदायत दे रखी हो कि अगर हमारा कोई आदमी आए तो फलां आदमी को टेलीफोन कर दो। इसके बाद स्पीकर साहब, ट्रांसफर्ज की हालत यह है कि किसी भी अफसर को एक जगह टिकने नहीं दिया जाता है। स्पीकर साहब, अभी 16 फरवरी को

कांग्रेस की किसान रैली हुई। आपको पता है कि उसमें किस तरीके से सरकारी म ाीनरी का दुरूपयोग किया गया और किस तरह से पुलिस कर्मचारियों, तहसीलदारों और पटवारियों की डियूटी लगाई कि वे गांवों में जाकर लोगों को रैली में भेजें। इसके अलावा गवर्नमैंट ने फैक्ट्री ओनर्ज को हिदायत कर दी कि फैक्ट्रीज बंद कर दो। फरीदाबाद और सोनीपत की फैक्ट्रीज वालों को कहा गया कि तुमने अपनी फैक्ट्री बंद करनी है। जो इंडस्ट्रीज एसोसिए ान का प्रधान है उसने एक सर्कुलर जारी किया कि तमाम फैक्ट्रिज बंद करनी है। उनके जो ट्रक या दूसरे व्हीकल्ज थे वे रैली में पहुंचाए गए। मैं चाहूंगा कि चीफ मिनिस्टर साहब इस बात का जवाब दें कि क्या 16 फरवरी को हरियाणा में जहां पंजाब से भी काफी ट्रक आते जाते है, उस दिन किसी एक भी ट्रक को प्राईवेट सामान ले जाने की इजाजत हुई? इसके बाद स्पीकर साहब, एक बात मैं ला एंड आर्डर के बारे में कहना चाहता हूं। अभी हरियाणा में जी0टी0 रोड़ पर मूर्थल के नजदीक कारों में जा रहे अलग अलग दो परिवारों को लूटा गया। मेरी कांस्टीच्युएंसी के गांव रिसपुर और लनहेड़ा में डाका पड़ा। फरीदाबाद में जो फायरिंग हुई वह भी इसी गवर्नमैंट के जमाने में हुई। होडल में हरिजन को कैसे मारा गया। थानों में हवालात में कितने आदमी मारे गये। गोहाना की एक लड़की के साथ रेप करके कत्ल किया गया। मैं एक और आ चर्य की बात बताना चाहता हूं। ये मेरी कांस्टीच्युएंसी का ही मामला है और इस बारे में मैं पुलिस वालों को भी लिख चुका हूं। मैं अभी पिछलें दिनों

उझा गांव में गया था। श्री हरि सिंह नलवा जो राज्य सभा के मैम्बर है वे भी इसी गांव के रहने वाले है। उनके बारे में वहां पर लोगों ने जो बातें मुझे बताई वे सुन कर मैं हैरान रह गया। अभी अभी मैं बापौली गांव में भी गया था और वहां 25 फरवरी को चीफ मिनिस्टर साहब भी गये थे। वहां पर संजय गांधी के नाम से एक पार्क बन रहा था। जिस दिन चीफ मिनिस्टर साहब उस गांव में गये थे उसी रात को एक हरिजन के प्लाट पर नाजायज कब्जा कर लिया गया। जब उसने इस बात का एतराज किया तो उसके लड़कें की पत्नी को पीटा गया। वह बेचारा गांव का आदमी यह कहता है जि जब हम थाने में जाते है तो वहां से जवाब मिलता है कि भाई हम कुछ नहीं कर सकते है क्योंकि यह तो नलवा का इलाका हैं। तो क्या इसको ला एंड आर्डर की अच्छी सिचुए ान कहेंगे? इसके बाद स्पीकर साहब, जहां तक प्रोहिब ान की बात है, भाराब के दरिया बहा दिये गांधी की दुहाई देने वाले मेरे भोरों ने। जहां तक पंचायती राज का सवाल है यह सरकार जिला परिशद नहीं बनाना चाहती। पिछले बजट सै ान में इस बारे में दो मंत्रियों ने ए योरेंस दी थी। उनमें से एक मंत्री राव राम नारायण ता चले गये। ठाकुर बीर सिंह बैठे है। पिछले साल इन्होंने मुझे ताना मारा था कि जैन साहब तो केडिट लेना चाहते है। ये कहने लगे हम सब कुछ करेंगे जैन साहब जो चहाते है इससे भी आगे जाने का हमारा बिल तैया है। वह बिल इनका बिल में बड़ गया। स्पीकर साहब, यह सब कुछ मुझे

अफसोस के साथ कहना पड़ता है और मेरा दिल दुख से भरा हुआ है.....

मुख्य मंत्री(चौधरी भजन लाल): स्पीकर साहब, जैन साहब, अब जो मर्जी कह लें लेकिन इनमें बाद में सुनने की भाक्ति होनी चाहिए, ये फिर भाग कर बाहर न जाएं।

श्री मूल चंद जैनः स्पीकर साहब, मुझे पहले कुछ ख्याल था कि यह सरकार देहातों की भलाई करेगी क्योंकि मैं समझता था कि ये भी हमारी तरह देहातों से आयें है और देहातों का ख्याल करेंगे। लेकिन अब मैं कंविसड हूं कि यह एंटी रूरल पीपल सरकार है क्योंकि यह देहात के लोगों पर भरोसा नहीं करती। अगर देहात के लोगों पर भरोसा करती है तो सता का विकेंद्रीकरण यानी डी सैंट्रलाइजे ान आफ पावर करती। सता के विकेंद्रीकरण पर अगर वि वास रखते है तो जिला परिशद बनाओ जिला परिशदें महाराश्ट्र में कायम है और भी कई स्टेटस में कायम है। हमने कल गवर्नर ऐड्रैस के समय वाक आउट किया लेनिक उधर के हमारे दोस्तों ने उसका गिला किया इस ऐड्रैस को पढ़ने के बाद मैं समझता हूं कि अगर हम वाक आउट न करते तो हम अपने फर्ज से कोताही करते। इसलिये इस प्रस्ताव की मैं सख्त से सख्त मुखालफत करता हूं और इन भाब्दों के साथ आपका धन्यवाद करता हूं।

श्रीमती डा0 कमला वर्मा (यमुनानगर): अध्यक्ष महोदय, लोकतंत्रीय पद्धति के अनुसार कल हरियाणा प्रदे ा के राज्यपाल महोदय ने वर्तमान सरकार की नीतियों का उल्लेख करते हुए यह सिद्ध कर दिया है कि हरियाणा सरकार ने राज्यपाल महोदय को अपनी नीतियों की इंफर्मे ान ठीक नहीं दी। बाबू मूल चंद जैन ने अपने भाशण में जो कुछ कहा है उससे यह सिद्ध हो जाता है कि सरकार ने अपनी नीतियों के बारे में राज्यपाल महोदय को जो कुछ लिख कर दिया है, उनमें कितना सत्य है और कितना असत्य है। इस आधार पर मैं राज्यपाल महोदय के भाशण का विरोध करने के लिये खड़ी हुई हूं। (इस समय सभापतियों की सूची में से एक सदस्य, चौधरी हरस्वरूप बूरा, पदासीन हुए)

राज्यपाल महोदय ने अभिभाशण के पृश्ठ 2 पर यह वर्णन किया है कि सरकार ने पिछड़े वर्ग की भलाई के लिये दो करोड़ रूपये की प्राधिकृत पूंजी लगाकर एक निगम की स्थापना की है। मैं पूछना चाहती हूं कि दो करोड़ रूपया खर्च करके निगम तो स्थापित कर दिया लेकिन जो एजुके ान व ट्रैनिंग सैंटर्ज है उन में पिछड़ी जातियों के लिये रिजर्वे ान केवल दो परसैंट है और इसके मुकाबले में सर्विसिज के लिये दस परसैंट की रिजर्वे ान है। एजुके ान व ट्रैनिंग सैंटर्ज में दो परसैंट की रिजर्वे ान से ये लौग ि ाक्षा प्राप्त नहीं कर सकते। चाहे टैक्नीकल ि ाक्षा हो चाहे दूसरी ि ाक्षा हो अगर रिजर्वे ान की परसैंटेज दो होगी तो वे दस परसैंट नौकरियां कैसे ले सकेंगे?

इनकी पोस्टें खाली रहेगी और जो लाभ इनको होना चाहिए वह नहीं हो सकेगा। इसलिये ऐजुके ान व ट्रैनिंग सैंटर्ज में दो परसैंट रिजर्वे ान की बजाय दस परसैंट रिजर्वे ान होनी चाहिए ताकि वे दस परसैंट नौकरियां ले सकें।

सभापति महोदय, आवास के लिये सरकार ने बड़े जोर– ाोर से बताया श्री सुमेर चंद भट्ट ने भी आवास के बारे में बड़े जोर– ाोर से चर्चा की है। मैं यमुनानगर की आवास कालोनी की चर्चा करना चाहती हूं। यमुनानगर में हाउसिंग बोर्ड ने आ वासन दिया था कि वहां पर कालोनी बनायेंगे और लोगों ने चार लाख रूपया पिछले दो वर्श से बोर्ड को दिया हुआ है। लेकिन अभी तक वहां पर भूमि भी एक्वायर नहीं की गई। लोगों का पैसा ब्लौकड पड़ा हुआ है। पैसा जमा करने वाले वे लोग थे जो मध्यम श्रेणी से ताल्लुक रखते है इसी प्रकार 1970–72 का एक केस सैक्रेटेरिएट में पैंडिंग पड़ा हुआ है। कोन नहीं जानता कि यमुनानगर एम्प्लूवमैंट ट्रस्ट ने वहां पर सरोजिनी नगर बनाया। सब जानते है और इसके लिये 1970 में 26 एकड़ जमीन एक्वायर कर ली गई थी लेकिन सरकार ने अभी तक उस जमीन का पूरा कम्पंसै ान भी नहीं दिया, केस बड़ी देर से पैंडिंग पड़ा हुआ है। 1973 में 185 प्लाट अलाट किए गए और उसके बाद 1975–76 में 200 और प्लाट अलाट किए। इस तरह 22 लाख रूपया सरकार ने अब तक कालोनी के लिये खर्च किया और आज तक 35 लाख रूपया लोगों से कि तों के रूप में ले लिया। आप देखें धारा

24–28 के अनुसार प्लाट व मकान खरीदने की इजाजत तो लोगों को दे दी लेकिन इसके बाद जिस धारा के अंतर्गत इनको पोजै ान देना चाहिए था वह अब तक नहीं दिया गया। सन् 76–77 में 79 मकान दो दो कमरों के सैट के अलाट कर दिये गए जिनकी बीस वर्श में कि तें समाप्त होनी थी। 21 मकान आधे से अधिक तैयार करके अधूरे छोड़ दिये। सरकार ने जो रूपयेा खर्च किया है। उसके अगैंस्ट 26 लाख रूपये का अवार्ड आ गया है जो सरकार ने देना है। इसके अतिरिक्त चार लाख रूपया ठेकेदारों को देना है। कुछ लोग जिनको मकान अलाट हो गए है उनको न नालियों की सुविध है, न सफाई की सुविधा है और न बिजली की सुविधा है। मध्यम श्रेणी के लोग जिन्होंने थोड़ा थोड़ा पैसा लगाकर अपने मकान ट्रस्ट से ले लिए है आज तक सरकार उनका फैसला नहीं कर पाई और धारा 42 के अंतर्गत जो स्वीकृति मिलनी चाहिए थी वह नहीं दी गई। फाइल सरकार के पास पड़ी है ड्राफट नोटिफिके ान को सरकार ने स्वीकृति देनी है। ट्रस्ट टूटने से सारी स्कीम ने उस कालोनी के लोगों को दुखी व परे ाान किया हुआ है। क्या आप इस सरकार से उम्मीद कर सकते है कि यह गरीबों को रहने के लिए मकान बना कर देगी? जो सरकार लोगों को दिया हुआ आ वासन पूरा हीं कर सकती वह गरीबों को मकान बना कर कैसे देगी? आप इस बात का अंदाजा डिपार्टमैंट के अधिकारियों से पूछ कर लगा सकते है कि लोगों ने इसी कालोनी के कितने रिमाईंडर दिये है।

सभापति महोदय, राज्यपाल ने अपने अभिभाशण में प्रोडक ान के बारे में कहा। यमुनानगर एक बड़ा इंडस्ट्रियल कम्पलैक्स है जिस में मजदूरों की बहुत बड़ी तादाद काम करती है। इसी तरह फरीदाबाद भी इंडस्ट्रियल कम्पलैक्स है, लेनि मुझे खेद के साथ कहना पड़ता है कि यमुनानगर इंडस्ट्रियल कम्पलैक्स और फरीदाबाद इंडस्ट्रियल कम्पलैक्स को फैसिलिटीज प्रोवाईड करने में भेदभाव बरता जाता है। मैं जानना चाहती हूं कि इन में इतना अंतर क्यों है? रैवेन्यू की दृश्टि से अगर देखें तो यमुनानगर से सबसे ज्यादा रैवेन्यू आता है लेकिन क्या यमुनानगर के मुकाबले में फरीदाबाद में उद्योगपतियों से धन की बड़ी बड़ी थैलियां अधिक मिलती है। मैं जानना चाहती हूं कि यमुनानमगर इंडस्ट्रियल कम्पलैक्स के साथ इतना भेदभाव क्यों बरता जाता है? फरीदाबाद को ज्यादा बिजली क्यों दी जाती है? यमुनानगर इंडस्ट्रियल कम्पलैक्स को अक्सर तीन–चार घंटे या ज्यादा से ज्यादा पांच घंटे बिजली दी जाती है। बिजली कम मिलने की वजह से बहुत मजदूर बेकार है, उनके साथ क्या बीत रही है, इसका अंदाजा आप खुद लगा सकते है। इसके अतिरिक्त बिजली सप्लाई का कोई समय नि चत नहीं है। अगर समय नि चत हो तो मजदूरों को काम पर जाने की आदत पड़ी रहती है और वह अपने आप समय पर इंडस्ट्रीज में पहुंच जाते है। इस अनियमितता के ाकरण कई मजदूरों को नुकसान हो गया, किसी की उंगलियां कट गई और किसी का हाथ कट गया। ऐसे 40 केस पिछले दो मास में यमुनानगर में हुए है। जितने भी प्राईवेट

कारखानेदार है वे इतना कम्पन्सै ान मजदूरों को नहीं देते, जितना मिलना चाहिए। इसलिए मैं सरकार से पूछना चाहती हूं कि प्रोडक ान कहां बढ़ी है? राज्यपाल ने अपने अभिभाशण में कहा कि इंडस्ट्रीज केक माध्यम से, कृशि क्षेत्र में खेती सिसक रही है। इंडसट्री भी सिसक रही हैं। इंडस्ट्रीज के बारे में तो मैंने अभी बताया कि किस प्रकार की हालत सरकार ने पैदा कर दी है। इसके अतिरिक्त राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाशण में थर्मल प्लांट्स की बात कही। आप बतायें, कौन सा थर्मल प्लांट आज हरियाणा में ठीक चल रहा है। थर्मल प्लांट को कोयला नहीं मिलता और अगर कोयला मिल भी जाये तो वैगन्ज नहीं मिलती। इस सरकार के आने के बाद हरियाणा में थर्मल प्लांटस की बड़ी दुर्द ाा हुई। आप कितने ही नये थर्मल प्लांटस या नये पावर हाउसिज की स्कीम बना ले, उससे कोई फायदा नहीं होगा। देखना यह है कि हरियाणा को बिजली मिली कितनी है, छोटे उद्योग धंधों को बिजली से कितना लाभ हुआ है, यह देखने वाली बात है। रावी–ब्यास के पानी के बारे में हरियाणा के लोगों को इतना आ वासन देने के बावजूद भी उनके साथ धोखा किया जा रहा है और हरियाणा की जनता को मजबूरी में जीने के लिए मजबूर किया जाता है। अध्यक्ष महोदय, जटलाना में साठ मैगावाट के पावर हाउस की सैक ान हो चुकी है लेकिन आज तक जमीन एक्वायर नहीं की गई। मेरा कहने का मतलब यह है कि इस सरकार ने लोगों की सुविधा के लिए स्वीकृत काम भी नहीं किया, यह आपको मानना पड़ेगा।

सभापति महोदय, यह विकलांग वर्श है। मैं सारे हरियाणा की बात नहीं करती, सिर्फ अम्बाला जिले की बात करती हूं। मैं अगर कहे वगैर नहीं रह सकती कि अम्बाला के तीन विकलांगों के केसिज मेरे नोटिस में आये है। उन्होंने एम0 ए0 बी0 एड0 पास की हुई है लेकिन उनको आज तक परमानेंट नौकरी नहीं दी गई। 1970 में उन्होंने एस0 एस0 मास्टर की ट्रेनिंग खत्म कर ली थी। अम्बाला के एक विकलांग है श्री राजेंद्र पाल भाटला, इन्होंने 73 में एम0ए0 बी0एड0 पास की थी लेकिन आज तक उनको चार या छः महीने से ज्यादा नौकरी करने का अवसार नहीं मिला। उनको हमे ाा लीव वेकेसी के अगेंस्ट लगाया जाता रहा है और वह भी दो तीन मील दूर यानी इंटीरियर में जाना पड़ता है। ऐसा व्यक्ति जो विकलांग है, चल नहीं सकता, उसको इंटीरियर में जब सर्विस मिलती है तो वह कैसे जाएगा, कैसे काम कर सकता है? जब उनका जाने का नाम आता है तो वे बेचारे जाने से इंकार कर जाते है क्योंकि वे वहां तक पहुंच नहीं पाते। इस बारे में अंत में मैं तो यह कहूंगी कि विकलांग वर्श के अंदर भी यह सरकार अम्बाला जिले के तीन विकलांग सर्वश्री राजेंद्र पाल भाटला, भोर सिंह और द्वारका प्रसाद गुप्ता को नौकरी नहीं दे सकी तो विकलांग वर्श कैसा? घोशणाओं से तो जन साधारण को धोखा देने वाली बात है।

(13.00 बजे)

सभापति महोदय, ि ाक्षा का स्तर हमारे यहां दिन प्रति दिन गिरता जा रहा है। आपको याद होगा कि जनता सरकार ने प्राईवेट कालेजिज को 75 प्रति ात अनुदान देने का निर्णय लिया था लेकिन उसके लिए भी आज वे परे ाान हो रहे है। इस बढ़ती हुई मंहगाई में जबकि हर चीज की कीमत दिन प्रति दिन बढ़ती चली जा रही है, अगर एक अध्यापक को वेतन न मिले तो वह अपने परिवार को क्या खिलाएगा? (विघ्न) गांधी आर्द ा कालेज, संभालखा के टीचर्ज को दस महीने से वेतन नहीं मिला है, डी0ए0वी0 कालेज, हसनगढ के टीचर्ज को छः महीने से वेतन नहीं मिला है, जनता कालेज, दादरी के टीचर्ज को चार महीने से वेतन नहीं मिला है और गुरू नानक खालसा कालेज, करनाल को दस महीने से वेतन नहीं मिला है। अब आप ही बताइएं कि दस–दस महीनें से अगर टीचर्ज को तनख्वाह न मिले तो वे ि ाक्षा का स्तर क्या सुधरेगा? जिस टीचर के पेट के अंदर भोजन नहीं जाएगा वह क्या पढ़ायेगा? इस बात का जवाब सरकार को देना चाहिए। सरकार को उनकी मांग का ध्यान करके 95 प्रति ात ग्रांट देने का विचार कियान्वित करना चाहिए।

इसके बाद सभापति महोदय, मैं ला एंड आर्डर के बारे में कुछ जिक्र करना चाहूंगी। आपने भी इस बारे में बड़े जोर– ाोर से कहा कि हमारी स्टेट का ला एंड आर्डर ठीक है लकिन अपने आपको हरिजनों का हिमायती कहने वाली इस सरकार से क्या मैं यह पूछ सकती हूं कि 17 नवम्बर 1980 को

यमुनानगर में क्या हुआ था? समुनानगर में 17 नवम्बर को गांव तिगड़ी का एक हरिजन घासीराम सब्जी झोटा बुग्गी में लेकर मंडी में आया था। साढ़े आठ बजे वह घर को वापिस हुआ। रादौर रोड़ पर रेलवे फाटक के पास सवा नौ बजे उसने चाय पी। दस बजे पानसरा चुंगी के पास एक दोधी ने उसे देखा लेकिन उसके बाद उसका पता नहीं चला, पंद्रह दिन के बाद उसकी ला ा मिली पर झोटा और बुग्गी अभी तक नहीं मिली। (विघ्न एवं भाोर)

सभापति महोदय, ला एंड आर्डर की इस स्थिति में कस्टोडियन लैंड पर नाजायज कब्जे हो रहे है जबकि लैंडलैस लोगो को जमीन नहीं मिल रही है। जठलाने की एक घटना मैं हाउस के सामने रखना चाहती हूं। वहां सुंदरराम नाम के एक रिटायर्ड पटवारी ने कस्टोडियन लैंड के आठ–दस प्लाटस पर, जिनकी कीमत लगभग 70 हजार बनती है, कब्जा किया हुआ है। उसने मरे हुए तहसीलदार के झूठे दस्तखत करके इस जमीन को अपने रि तेदार के नाम करवा रखा है। विजिलैंस की इंक्वायरी हुई थी और तहसीलदार के दस्तखत झूठे पाए गये थे। लेकिन यह सुंदर दास पटवारी पैसा देकर छुट गया है और इस कस्टोडियन लैंड को उसने अपने कब्जें में रखा हुआ है।

हरियाणा के ला एंड आर्डर के बारे में अभी बाबू मूल चंद जैन जी ने भी काफी कुछ आपके सामने कहा। कौन नहीं जानता कि यहां तो ला एंड आर्डर कुरूक्षेत्र के बच्चों के ऊपर चलता है, जिनका केवल मात्र कसूर यह था कि वे राश्ट्रपति के

भाशण सुनना चाहते थे? उन्हें बड़ी बेदर्दी से पीटा गया, बसों और ट्रेनों से पकड़ पकड़ कर मारा गया। क्या यही इनका ला एंड आर्डर है?

सभापति महोदय, आपने अखबार में पढ़ा होगा कि भााहबाद में पिछले दिनों क्या हुआ? गुरूद्वारा के लिए फंड रेज करने के लिए वहां एक कल्चरल प्रोग्राम रखा गया था। पुलिस के कर्मचारियों ने जब वहां जाकर हल्ला किया तब गांव वालों ने उन्हें वहां से हटाया लेकिन इसी कसूर की बिना पर वहां नौ आदमियों को गिरफतार किया गया। एक सरपंच का मुह काला करके तथा जूतों का हार डाल करके जलूस निकाला गया जबकि बाद मे एस0 पी0 ने उसे निर्दोश करार दिया। यह कहां का ला एंड आर्डर है? (विघ्न)

मुरथल की घटना भी सभापति महोदय, किसी से छुपी नहीं है। कौन नहीं जानता कि एक व्यापारी को डेढ़ लाख रूपये का सामान वहां किस प्रकार लूट लिया गया? वह व्यक्ति मेरा निजी जानकार है। सभापति महोदय, सरकार जवाब दे क्या यही ला एंड आर्डर है? यहां पर कोई विकास का काम नहीं हो रहा है। केवल कुर्सी को बचाने के लिए कांग्रेस (आई) की गोद ली हुई यह सरकार बार बार सैंटर में जाकर के सिजदे देने में लगी रहती है। 19 अक्तूबर, 1979 को यमुनानगर में वैस्ट्रन समुना कैनाल पर पुल बनने के लिए सैन्क ान हो चुका है लेकिन बजट सैन्क ान होने के बाद और टैंडर स्वीकृत होने के बाद भी आज

तक वहां काम भुरू नहीं हुआ जबकि अब सन् 81 आ गया है। इसी प्रकार सारे हरियाणा में विकास के काम ठप्प पड़े है।

सभापति महोदय, यह गरीब दे ा है। हरियाणा का नाम अधिक अन्न उत्पादन करने वाले प्रदे ाों में दूसरा है लेकिन दुःख की बात है कि आज यहां डिपुओं में आटर नहीं मिलता, गेहूं भी बहुत मंहगा मिलता है और मिट्टी का तेल लेने में काफी परे ाानी का सामना करना पड़ता है। स्त्रियां और बच्चे प्रातःकाल सात बजे लाईन में खड़े हो जाते है लेकिन दोपहर बाद दो बजे डिपो वाला कह देता है कि तेल नहीं है और लोग निरा ा होकर वापिस घर आ जाते है। हमे ाा जनवरी, फरवरी और मार्च इन तीन महीनों में आटा महंगा होता है। सरकार को इसका पहले ही ध्यान रखना चाहिए। गरीब मजदूर को, जो दिन में केवल 6, 7 या 8 रूपये कमाता है, यदि महीने का केवल दस किलो आटा मिले तो वह कैसे अपना और अपने परिवार का पालन पोशण कर सकता है। इसकै लिए ये बिजली का बहाना करते है लेकिन यह गलत बात है क्योंकि मार्किट के अंदर दो रूपये बीस पैसे प्रति किलो आटा खुल आम बिक रहा है। सभापति महोदय, यही नहीं सीमेंट लोगों को नहीं मिलता है, किताबें ब्लैक में मिलती है। 6–6 महीनें तक सरकारी पुस्तक भंडार खुलने के बाद भी बच्चों को किताबें नहीं मिलती है। कापियां भी ब्लैक में मिलती है। इस सरकार को तो सभापति महोदय, अपने कार्य–कलापों के ऊपर लज्जा आनी चाहिए। (विघ्न)

सभापति महोदय, आपको यह सुन कर हैरानी होगी कि हमारे यहां हरियाणा में, जींद के अंदर जय हनुमान ट्रेडिंग के नाम से एक ऐसा ट्रेड खुला हुआ है जिसके अंदर सट्टे का व्यापार चलता है। (ाोर)

चौधरी भजन लालः सभापति महोदय, इन्हें कुछ तो मर्यादा से बोलना चाहिए। (विघ्न) यह इनके लीडर का हाल है। (ाोर)

गृह मंत्री(श्री कन्हैया लाल पोसवाल): चेयरमैन साहब, यह मोस्ट इर–रिसपोंसिबल रिमार्कस है। इन्हें कार्यवाही से ऐक्सपंज कर दिया जाए।

श्री सभापतिः ये रिमार्कस ऐक्सपंज कर दिए जाए।

श्रीमती डा0 कमला वर्माः सभापति महोदय, यह बात सच है। स्वागत करने के बाद जींद के एक मंत्री को पौने तीन लाख रूपये का पर्स दिया गया है। (ाोर)

चौधरी उदय सिंह दलालः एक कार भी दी गई है। (ाोर)

चौधरी गंगा रामः मंत्री इस्तीफा दे। (ाोर)

श्रीमती डा0 कमला वर्माः सभापति महोदय, भ्रश्टाचार का यहीं अंत नहीं है। मैं कुछ महीने पूर्व की बात आपको बताती हूं। जगाधरी की इंडस्ट्रीज ऐसोसिऐ ान की एक मीटिंग हुई।

उस समय के वित मंत्री श्री बलवंत राय तायल जी उपस्थित थे। उन्होंने ऐसोसिए ान को यह आ वासन दिया था कि तुम्हारा सेल्ज टैक्स चार प्रति ात से एक प्रति ात कर दिया जाएगा। यदि तुम मुझे मुख्य मंत्री जी को दैने के लिए दो लाख रूपया दे दो। दो लाख रूपया भूतपूर्व वित मंत्री को इंडस्ट्रियलिस्टस ने दिया। अगर उनका टैक्स कम कर दिया जता तो उनको अफसोस न होता लेकिन वह टैक्स आज तक कम नहीं हुआ और न ही वह पैसा उन्हें वापिस किया गया। पिछले दिनो ंतायल साहब ने कहा था कि वह पैसा मुख्य मंत्री को दे दिया है। क्या वह पैसा मुख्य मंत्री जी को मिल गया है या नहीं यह बात पब्लिक के सामने आनी चाहिए। (ाोर)

चौधरी गंगा रामः मुख्य मंत्री जी इस बात का जवाब दें। (ाोर)

चौधरी भजन लालः चेयरमैन साहब हम इनकी सब बातों का जवाब देंगे, ये सुनने का कश्ट तो करे। (ाोर) हर प्वायंट नोट हो रहा है और उसका जवाब दिया जाएगा।

श्रीमती डा0 कमला वर्माः हरियाणा में भ्रश्टाचार दिन प्रति दिन बड़ी तीव्र गति से बढ़ रहा है। आप एक इन्कवायरी कमी ान बैठा दें उससे पता चल जायेगा। आप सभी को मालूम है कि पिछले दिनों मुख्य मंत्री और भूतपूर्व वित मंत्री ने एक दूसरी पर खुल्लमखुल्ले ऐलीगे ांज लगाये। उनके बारे में पता करके

जनता के सामने बताया जाए। इसलिए मेरी गुजारि ा है कि कमी ान बैठा कर सही बात का पता लगाया जाये कि हरियाणा में भ्रश्टाचार किस हद तक बढ़ रहा है।

मैं इन भाब्दों के साथ इस अभिभाशण का जोरदार विरोध करती हूं क्योंकि यह जन विरोधी सरकार का तैयार किया हुआ अभिभाशण है। यह सरकार करती कुछ है और कहती कुछ है।

स्वामी आदित्यवे ा(हथीन): आदरणीय सभापति जी, राज्यपाल महोदय को मराठी भाशा की बड़ी जानकारी है। प्रकांड विद्वान होते हुए भी उन्होंने अपना अभिभाशण हिंदी में पढ़ा जिसके लिए मे। उनका हार्दिक स्वागत करता हूं। मेरे साथी श्री सुमेर चंद भट्ट जी ने जो प्रस्ताव रखा है उसका अनुमोदन करते हुए मैं कुछ अपने विचार व्यक्त करना चाहता हूं। मैं यह भी निवेदन करना चाहता हूं कि मैं समझता था कि यहां पर बड़े सियाने और योग्य मैम्बर बैठे हुए होंगे लेकिन मुझे उनकी बातें सुनकर बड़ी हार्दिक वेदना हुई। (ाोर) सभापति महोदय, एक छोटा सा पम्फलेट टेबल पर रख दिया गया। इन्होंने उस पम्फलैट को यहां पर फाड़ा। आखिर इंदिरा गांधी तो हमारे दे ा की महान नेता है उनके चित्र को इस तरह से नहीं फाड़ना चाहिए था। मैं उनको बताना चाहता हूं कि इसको तो उन्होंने फाड़ दिया लेकिन जो लाखों और करोड़ों लोग इंदिरा गांधी के साथ है

उनके दिलों को तो यह नहीं फाड़ सकते। (ाोर) इन्होंने उस चित्र को फाड़ कर अपने छोटेपन का सबूत दिया है।

श्री मूल चंद मंगलाः आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। स्पीकर साहब ने इस मामले के बारे में कहा है कि इसकी इन्कवायरी की जायेगी तो फिर इस बात पर अब बोलने की क्या आव यकता है? (ाोर)

श्रीमती सुशमा स्वराजः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। इन्होंने इंदिरा गांधी जी को महान नेता कहा है। मैं पूछना चाहती हूं कि जब उन्हें मीसा में बंद किया गया था तब भी वे महान नेता थीं?

स्वामी आदित्यवे ाः जी हां। महान नेता थी। (ाोर) सभापति महोदय, इसी सदन में लोकदल का घोशणापत्र रखा गया था लेकिन किसी भी सदस्य ने कोई एतराज नहीं किया था लेकिन आज इन साथियों की हरकत देख कर बड़ी वेदना हुई। मैं तो यह कहूंगा कि जिस आदमी को हमे ाा ठोकरें लगी हों, किसी का अपमान किया हो, वह दूसरे की इज्जत नहीं कर सकता। इसलिए इस प्रकार से चित्र को फाड़ना भाोभा नहीं देता। (ाोर) सरकार ने बहुत ही गरिमामय अभिभाशण राज्यपाल महोदय की ओर से रखवाया है। इसके लिए मैं अपनी सरकार और अपने अधिकारियों को बधाई देता हूं। मैं यह भी कहे बिना नहीं रहूंगा कि आज तक हमारी योजनाओं के लिए इतना रूपया नहीं मिला था जितना

छठी पंचवर्शीय योजना के लिए मिला है। 1800 करोड़ रूपया हरियाणा के लिए मिला है। हमारे प्रदे ा का बड़ा सौभाग्य है कि केंद्र की ने ानल डिवैल्पमैंट कौंसिल ने इसे स्वीकार किया है। उड़ीसा जैसे प्रदे ा के लिए केवल 2100 करोड़ रूपया रखा है और भी प्रदे ा है जिनके लिए हमारे से कम रूपया रखा। हमारे प्रदे ा के लिए इतनी अधिक मात्रा में रूपया मिलना यह सब चौधरी भजन लाल जी के वि ोश प्रयास का फल है। 1981–82 की वार्शिक योजना के लिए पहले 219 करोड़ रूपया रखा गया। फिर इसको बढ़ा कर 253 करोड़ कर दिया गया और आज उस 253 करोड़ को बढ़ा कर 290 करोड़ कर दिया गया है। इस पैसे से सारे हरियाणा प्रदे ा के विकास कार्य किये जायेंगे। (ाोर)

सभापति महोदय, महात्मा गांधी जी ने कहा था कि कोई भी काम करो, उसके करने से पूर्व गरीबों की तसवीर को अव य सामने रखो। ठीक उसी के अनुरूप अभिभाशण में किया गया है। इस सारे अभिभाशण में जो कि बीस पृश्ठ के करीब है, 11 अनुच्छेद में गरीबों के उत्थान की बात की गई है। सब से बड़ी बात तो यह है कि आज तक हमें यह भी पता नहीं कि हमारे प्रदे ा में कितने परिवार गरीबी की रेखा के नीचे है। हमारी यह सरकार बधाई की पात्र है कि इसने उंगलियों पर गिन लिया कि तीन लाख 21 हजार परिवार गरीबी की रेखा से नीचे है। आगे आने वाली योजना के अंतर्गत सब गरीब परिवारों को गरीबी की रेखा से ऊपर उठाया जायेगा। यह कितना बड़ा कार्य सरकार

करने जा रही है? सभापति महोदय, इन लोगों में तो सुनने की भी हिम्मत नहीं हुई क्योंकि इस अभिभाशण में सभी विकास की बातें पढ़ी गई थी लेकिन ये उनको भी न सुन सके और हाउस से उठ कर बाहर चले गए। राज्यपाल महोदय सदन में रोजाना तो आते नहीं। वे तो साल में एक बार आते है। इन्होंने मर्यादा का भी सबूत नहीं दिया। कम से कम इनको बैठ कर सुनना चाहिए था और आज ये भारतीय संस्कृति के दावेदार बनते है। अभी हिंदी के दावेदारों ने सदन में एक मो ान मूव किया तो खड़े होकर अंग्रेजी में पढ़ने लग गये। मैं तो हैरान रह गया कि कहां कि हिंदी पढ़ रहे है। क्या ये ब्रिटेन की हिंदी पढ़ रहे थे या किसी और दे ा की हिंदी पढ़ रहे थे। (ाोर) ये कहते कुछ है और करते कुछ और है। (ाोर) अभी बहिन कमला वर्मा बोल रही थी। मैं उनके विशय में कुछ अधिक नहीं कहना चाहता क्योंकि वे मेरी पूज्य बहिन है लेकिन इतना जरूर आप लोगों के नोटिस में लाना चाहता हूं कि.....
.....। (ाोर)

श्रीमती डा0 कमला वर्माः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। मैं इसे चैलेन्ज करती हूं अगर ये सिद्ध कर दें तो मैं इस हाउस से अस्तीफा दे दूंगी। अगर ये सिद्ध न कर पाये तो ये दे दें। (ाोर)

डा0 मंगल सैनः चेयरमैन साहब, मेरा भी प्वांयट आफ आर्डर है। (ाोर)

श्री सभापतिः डा0 साहब, आपके बारे अगर कोई कहेगा तभी तो आप प्वायंट आफ आर्डर रेज करेंगे।

चौधरी भजन लालः सभापति महोदय, इन्होंने भी अभी इल्जाम लगाये थे, हम बड़ी भाांति के साथ सुनते रहे। अब इनको हमारी बात को भी बड़ी भाांति के साथ सुनने का कश्ट करना चाहिए।

डा0 मंगल सैनः सभापति महोदय..... (ाोर)

श्री सभापतिः डा0 साहब, आप बैठिए। (ाोर)

डा0 मंगल सैनः आप मेरी बात तो सुनिये। (ाोर)

श्री सभापतिः आप किस बात पर बोलेंगे?

डा0 मंगल सैनः मैं आपकी रूलिंग चाहता हूं। क्या इस हाउस में इस बात को कहा जा सकता है कि किस आदमी ने हवन कराने के कितन रूपये लिए? (ाोर)

स्वमी आदित्यवे ाः सभापति महोदय,.....
.....। (ाोर)

श्री सभापतिः आप मैम्बर को बोलने दीजिए। बहिन जी ने चैलेंज कर दिया है। वे तरीका जानती है। (ाोर)

डा0 मंगल सैनः सभापति महोदय, यहां पर सैन योर मो ान आ सकता है। लेकिन जब तक किसी एलीगे ान को

सबस्टांि ाएट ने किया जाए, उसके बिना यह बात नहीं की जा सकती यहां पर ऐसा कोई मो ान नहीं है। (व्यवधान)

श्री सभापतिः अगर आप गलत समझते है तो एक्सपंज हो जायेगा। खुद बहिन जी चैलेंज कर रही है। अगर आप गलत समझते है तो बतायें और अगर चैलेंज करते है तो बतायें। (ाोर)

डा0 मंगल सैनः मैं यह कहता हूं कि वे चैलेंज तो खुद करे लेकिन आप जो प्रोसिजरली अलाऊ कर रहे है, यह गलत है।

श्री सभापतिः क्या आप डिमांड कर रहे है कि इसको एक्सपंज कर दिया जाये?

डा0 मंगल सैनः मैं यह भी डिमांड कर रहा हूं। लेकिन यह प्रोसिजरली गलत है। (ाोर)

श्री सभापतिः राखी वाली बात एक्सपंज कर दी जाये।

डा0 मंगल सैनः सभापति महोदय, मैं अर्ज करना चाहता हूं। (ाोर)

श्री सभापतिः वे भाब्द एक्सपंज हो चुके है, अब आप बैठिए। जब कोई इ ा आयेगा तभी तो आप कोई प्वायंट उठायेंगे। आप हाउस की कार्यवाही को चलने दें। (ाोर)

डा0 मंगल सैनः मेरा सुझाव यह है कि बहिन जी ने चैलेंज किया है इसलिए हाउस की एक कमेटी बना दीजिए।

श्री बलदेव तायलः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर।

श्री सभापतिः आपका किस बात पर प्वांयट आफ आर्डर है? हाउस के सामने कोई बात आये तभी तो आप प्वायंट आफ आर्डर उठायेंगे। अब आप बैठिए। (ाोर) प्वायंट आफ आर्डर डा0 कमला वर्मा ने रेज किया था। अब आप लोग बैठिए। कोई इ ू आये तो आप प्वायंट आफ आर्डर रेज करे। एक प्वायंट आफ आर्डर होता है। प्वायंट आफ आर्डर पर प्वायंट आफ आर्डर नहीं होता। आप बैठिए। (ाोर) जब कोई प्वायंट आफ आर्डर उठाने का मौका आयेगा तो उठा लेना। एक प्वायंट आफ आर्डर आया था उसको मैंने ले लिया। आप खुद पढ़े–लिखे आदमी है इसलिए हाउस की कार्यवाही चलने दें। (ाोर)

श्री बलदेव तायलः एक इ ू पर 5–6 प्वायंट आफ आर्डर हो सकते है, कोई लिमिट नहीं हो सकती।

श्री सभापतिः आप रूल को कोट कर दें लेकिन अब आप बैठिए। (ाोर)

श्रीमती डा0 कमला वर्माः मैंने चैलेंज किया है कि यह मामला प्रिविलेज कमेटी में जाना चाहिये।

श्री सभापतिः यह प्रोपर रास्ता है। आप इस मामले को प्रिविलेज कमेटी में भेजने के लिए नोटिस भेज दीजिए।

स्वामी आदित्यवे ाः सभापति महोदय, बाबू मूल चंद जैन बहुत पुराने सदस्य है उनको तो इस गरिमामय सदन में सही बात कहनी चाहिए थी लेकिन मुझे बड़ा अफसोस है कि उन्होंने भी सही बातें नहीं कहीं। राज्यपाल के अभिभाशण के पेज दो, पैरा पांच पर लिखा हुआ हैं कि 3.21 लाख गरीब परिवार है। उनके उत्थान के लिए, उन्हें आर्थिक दृश्टि से आत्म निर्भर बनाने के लिए स्पै ाल कम्पोनैंट प्लान चालू की गई जिसके द्वारा उनको विकसित किया जायेगा। लेकिन बाबू मूल चंद जैन जी ने तो ऐसा किया कि जैस उनको दिखायी ही न दिया हो और सारी दुनियां को वही ठीक कर सकते हों।

चौधरी जगजीत सिंह पोहलूः आप औरों को भी बोलने दें। (ाोर)

श्री सभापतिः आप बैठिए।

स्वामी आदित्यवे ाः सभापति महोदय, जब बाबू मूल चंद जैन वित मंत्री थे तो इन्होंने जो बजट पे ा किया था उसमें इन्होंने किसानों पर आबियाना बढ़ाया था और आज ये किसानों के लिए आंसू बहा रहे है। इन्होंने किसानों पर दस परसैंट आबियाना बढ़ा दिया तो यहां बैठे हुए बहुत से माननीरय सदस्यों ने बजट की कापियों की धज्जियां उड़ा दीथीं, यानी उनको फाउ़ कर फेंक दिया था। उस दिन वे किसानों के बारे में एक भी भाब्द नहीं कह सके थे। सभापति महोदय, अभी भाराब का जिक

किया गया। (ाोर) जब मैंने भूख हड़ताल की थी उस समय बाबू मूल चंद जैन जी वित मंत्री हुआ करते थे। मैंने कहा था कि हरियाणा के देहातों में भाराब बंद होनी चाहिए तो मूल चंद जैन जी एक भी भाब्द सवेंदना के रूप में व्यक्त नहीं कर सके। बाबू मूल चंद जैन तो खुद भाराब पीते है और वे ऐसे सम्प्रदाय से संबंधित है जो इन्हें इजाजत नहीं देता। इस बारे में वे काफी ठीक आदमी है। चौधरी सतबीर सिंह मलिक आज भाराब की बात कहते है उन्होंने तो लाटरियां निकाल दी थीं और चौधरी संत कंवर जी बैठे हुए है, उन्होंने कहा था कि सब को एक एक ठेका दे दें।

Dr. Mangal Sein: I want to draw your kind attention to rule 265 of the Rules of Procedure and Conduct of Business which says-

"The Speaker may, if he is satisfied about the urgency of the matter, allow a question of privilege to be raised at any time during the course of a sitting. Such question shall be raised at the earliest opportunity and shall not ordinarly require notice."

Mr. Chairman: If he is satisfied.

डा0 मंगल सैनः इसका मतलब यह है कि वे जो चाहे इल्जाम लगा दें।

श्री सभापतिः बैठिये, मैंने उसके बारे में बता दिया था। Rule is very much clear that if the Speaker is satisfied about

the urgency of the matter, he can allow a question of privilege to be raised at any time.

Dr. Managal Sein: Are you satisfied or not.

श्री सभापतिः मैं सैटिसफाईड नहीं था इसलिए मैंने मौका नहीं दिया। (ाोर)

डा0 मंगल सैनः मैंने प्वायंट आफ आर्डर रेज किया है कि नोटिस की भी जरूरत नहीं है। (ाोर)

श्री सभापतिः मैंने नोटिस के लिए कह दिया है। आप नोटिस देने की तकलीफ कर लें।

डा0 मंगल सैनः इस का मतलब यह हुआ कि आप इसको इस समय रेज करने की इजाजत देने की जरूरत नहीं समझते। (ाोर)

श्री सभापतिः जरूरत है या नहीं है यह बात चेयर ने देखनी है। (ाोर) बहिन जी ने चेलेंज किया है और उस चैलेंज को देखते हुए मैंने अपनी सैटिसफैक ान नोटिस लेने में समझी है। वह नोटिस दे दें। (ाोर) मलिक साहब, आप किस पर प्वायंट आफ आर्डर करना चाहते है?

चौधरी सतवीर सिंह मलिकः मैं बाबा की बात पर प्वायंट आफ आर्डर करना चाहता हूं। (ाोर)

श्री सभापतिः देखिए मलिक साहब, आप उस तक अपनी बात सीमित रखिये। लेकिन पर्सनल ऐसप र्ान न करें। टाईम जाया हो रहा है। (ाोर)

चौधरी सतवीर सिंह मलिकः मैं आपसे एक्साईज पालिसी की बाबत प्रार्थना करना चाहता हूं। (ाोर)

श्री सभापतिः मलिक साहब, आप बैठिये। आपको बोलने का मौका मिलेगा। (ाोर) मैम्बर साहब को बोलने दीजिए। (ाोर)

स्वामी आदित्यवे ाः चेयरमैन साहब, मैं कह रहा था.....
.....

श्री सभापतिः अब सदन कल, बुधवार, दिनांक 11–3–1981, प्रातः 9.30 बजे तक के लिए स्थगित किया जाता है।

(13.30 बजे)

(तत्प चात सदन बुधवार, दिनांक 11–3–1981, प्रातः 9.30 बजे तक के लिये स्थगित हुआ)